सुविचार

आप बड़ी से बड़ी असफलता से बाहर निकल सकते हैं, बशर्ते आप अपनी प्रेरणा और उम्मीद को थामे रहें।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 09 April 2024 ● Year : 02 ● Issue : 81 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Rashmika Mandanna Drops New Photos...

SHARE

सेंसेक्स	:	74,742.50
निफ्टी	:	22,666.30

SARAFA

सोना	:	6,725
चांदी	:	88.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (मंगलवार) : 06.12
सेहरी (बुधवार) : 04.18

BRIEF NEWS

इजराइल का हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला

NEW DELHI : इजराइली ड्रोन को हिजबुल्ला द्वारा पूर्वी लेबनान के आकाश में मार गिराने के बाद इजराइल ने हिजबुल्ला के ठिकानों पर रविवार को हमले कर अब तक 270 लड़ाकों को मार गिराया है। सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजराइल के हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच लेबनान-इजराइल सीमा पर हिजबुल्ला और इजराइली सेना के बीच टकराव की घटनाएं बढ़ गई हैं। हिजबुल्ला ईरान समर्थित सशस्त्र संगठन है जिसकी लेबनान की सत्ता में भागीदारी है। इस बीच, इजराइल ने कहा है कि वह ईरान के किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

सीएम पद से हटाने के लिए तीसरी याचिका दाखिल

NEW DELHI : तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल को सीएम पद से हटाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को तीसरी याचिका लगाई गई। ये याचिका आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक संदीप कुमार ने लगाई है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा, इस तरह की याचिकाएं पब्लिसिटी स्टंट पाने के लिए होती हैं। आप पर भारी जुमार्ना लगाया जाना चाहिए। कोर्ट ने सुनवाई की तारीख 10 अप्रैल तय की है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता संदीप कुमार से पूछा- केजरीवाल के खिलाफ इस तरह की रिट कैसे जारी की जा सकती है।

मोजाम्बिक में नाव डूबी 96 की मौत, कई लापता

NEW DELHI : ईस्ट अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में रविवार देर रात एक नाव समुद्र में डूब गई। हादसे में 96 लोगों की मौत हो गई। इनमें कई बच्चे हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बीबीसी के मुताबिक मछली पकड़ने वाली नाव पर 130 लोग सवार थे, जो इसकी क्षमता से ज्यादा थे। 5 लोगों को बचाया जा सका, जबकि कई लापता हैं। इनकी तलाश जारी है। लोकल मीडिया रेडियो मोजाम्बीक के मुताबिक नाव नामपुला प्रांत स्थित मोजाम्बीक आईलैंड के पास समुद्र में डूबी। नामपुला के सेक्रेटरी जैमे नेटो ने बताया कि नाव मोसुरिल से निकलकर मोजाम्बीक आईलैंड जा रही थी।

चुनावी घमासान : 19 अप्रैल को है पहले चरण की वोटिंग, सभी दलों ने लगाया जोर

भ्रष्टाचारियों का खात्मा ही मोदी की गारंटी

छत्तीसगढ़ में चुनावी रण का शंखनाद

- जब तक गरीब की चिंता दूर नहीं होगी, मोदी को चैन नहीं
- 11 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले
- हजारों ग्रामीण पीएम को सुनने के लिए पहुंचे

पारंपरिक रीति-रिवाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा नेता।

AGENCY RAIPUR : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में चुनावी शंखनाद करते हुए कहा कि भ्रष्टाचारियों पर हर हाल में कड़ी कार्रवाई होगी, यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर जगदलपुर पहुंचे। यहां से वे हेलिकॉप्टर के जरिए आमाबाल गांव पहुंच कर भाजपा की विजय संकल्प शंखनाद रैली को संबोधित किया। रैली में पांच विधानसभा क्षेत्र के हजारों ग्रामीण पीएम मोदी को सुनने के लिए पहुंचे। मोदी ने मंच से बलिराम कश्यप को याद करते हुए कहा कि यहां का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं, जहां मैं और बलिराम जी ने दौरा नहीं किया। जो पुरुषार्थ हमने किया, उसका ही आज परिणाम है। आदिवासी कल्याण के लिए बलिराम जी के साथ हमेशा बहुत कुछ करने के लिए प्रयास करते रहते थे, कोई कमी नहीं रहने देते थे। मोदी ने विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक गरीब की चिंता दूर नहीं होगी, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। कच्ची छत के नीचे का दुख और राशन नहीं होने की चिंता मुझे पता है। देश में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। मोदी ने कहा बस्तर से आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना की शुरूआत हुई। जिससे देशभर के गरीबों को फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की पहली प्राथमिकता गरीब लोगों की चिंता है। 11 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले। उन पर 80 प्रतिशत छूट के साथ दवाएं मिलती हैं। इससे गरीबों को 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा, पिछले दस साल में देश कहां से कहां पहुंचा देश ने कितनी प्रगति की है। मोदी आराम करने के लिए नहीं काम करने के लिए पैदा हुआ। मोदी ने जनता के सामने विरोधियों के भ्रष्टाचार पर चुन-चुनकर वार किया। इस दौरान लोग मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे।

पीएम बोले- जनता ने मोदी की गारंटी पर लगाई मुहर

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में लोगों से कहा कि आप ने ही हमारी गारंटी पर मुहर लगाई है। यह सभी विरोधी सुन लें। मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला करते हुए कहा कि 4 लाख करोड़ के वैक्सीन भारत में मुफ्त लगे। कांग्रेस की अमीरों की सरकार के समय देश में बीमारी का टीका आने में दशकों लग जाते थे लेकिन मोदी ने गरीबों को मुफ्त वैक्सीन भी दी, मुफ्त राशन भी दिया। जबकि दूसरे देशों में हजारों रुपये में वैक्सीन लग रहे थे। तब भारत के लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगवाई गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में दिल्ली से एक रुपए निकलता था और सिर्फ 15 पैसा गांव तक पहुंचता था। यह मैं नहीं कह रहा हूं, कांग्रेस के ही प्रधानमंत्री ने कहा था। कौन-सा पंजा था जो 85 पैसा मार लेता था। मोदी ने कांग्रेस की लूट की व्यवस्था बंद कर दी है। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगने के बाद यह पीएम मोदी का पहला दौरा है। बस्तर में विजय संकल्प रैली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल हुए। गरीब कह रहा खर्च कम कराए बचत बढ़ाए बार-बार फिर एक बार मोदी सरकार। कोरोना काल में मैने कहा था मैं देश के हर गरीब के साथ खड़ा हूं। मोदी ने आपको मुफ्त टीका लगाया, गरीबों को मुफ्त राशन की दुकानें खुलवाई कोरोना काल में भाजपा की सरकार ने मुफ्त राशन और मुफ्त वैक्सीनेशन के लिए 4 लाख करोड़ खर्च की। आगे भी मुफ्त राशन की योजना जारी रहेगी।

5 साल में देश के युवाओं को देंगे 30 लाख सरकारी नौकरी

आदिवासियों की जमीन अडाणी जैसे लोगों को सौंपते हैं मोदी : राहुल गांधी

- 90 अफसर देश को चलाते हैं, इनमें एक आदिवासी
- आदिवासी देश के और इस जमीन के पहले मालिक
- मोदी ने किसानों के लिए कहा बहुत, किया कुछ नहीं

माला पहनाकर राहुल गांधी को सम्मानित करते कार्यकर्ता।

AGENCY SEONI : सोमवार को कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के मंडला लोकसभा क्षेत्र के सिवनी जिले के धनौरा में कांग्रेस प्रत्याशी ओमकार सिंह मरकाम के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आदिवासी इस देश के और इस जमीन के पहले मालिक हैं। राहुल ने कहा, मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता ने आदिवासी के सिर पर पेशाब किया। ये इनकी विचारधारा है। राहुल ने युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरी, एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को दोगुनी स्कॉलरशिप, किसानों को एमएसपी और गरीब महिलाओं के खाते में हर साल एक लाख रुपए जमा करने का वादा किया। राहुल ने आदिवासी वोटरों पर फोकस किया। उन्होंने कहा- जहां 50% आदिवासी आबादी है, वहां छठी अनुसूची लागू करेंगे, ताकि आदिवासी अपने निर्णय खुद ले सकें।

अरबपतियों का 16 लाख करोड़ माफ किया : आदिवासी युवाओं की शिक्षा के लिए कर्ज माफ नहीं किया। किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। मगर सबसे बड़े अरबपतियों का 16 लाख करोड़ माफ किया। इतना पैसा मनरेगा को चलाने में 24 साल में खर्च होता। आप कर्जा लेने जाते हैं आपको भगा देते हैं। दो हिंदुस्तान बन रहे हैं। एक अरबपतियों का, यहां पलायन होता है। यहां रोजगार नहीं मिलता। अमीरों के यहां काम करते हैं। ये अमीर लोग कुछ भी सपना देख सकते हैं। दूसरी तरफ गरीब लोग को न रोजगार मिलता है, न स्कूल-कॉलेज में जा सकते हैं।

पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून लाएंगे

युवा मुझसे कहते थे, हमने ट्यूशन का पैसा दिया। पढ़ाई की और जिस दिन एग्जाम होता है उस दिन पता चलता है कि हमने मेहनत की और पैसों वालों ने पेपर खरीद लिया। उसका चयन हो गया। हम पेपर लीक के खिलाफ एक कानून लाएंगे। सख्त से सख्त कार्रवाई का प्रावधान करेंगे। प्राइवेट कंपनियों से पेपर करवाना और चेकिंग करवाना सरकार आते ही हम बंद कर देंगे। राहुल ने कहा, आप जीएसटी देते हो। पैसा आपका कर्जा माफ अडाणी का होता है। बीमार होते हो अस्पताल जाते हो, पैसा देते हो। पैसा उन्हीं के पास जाता है। मोदी हिंदुस्तान के दो-तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं।

एक साल की अप्रेंटिस व एक लाख रुपये का वादा

राहुल ने कहा, अमीर घर के बच्चे रोजगार पाने से पहले अलग-अलग कंपनियों में जाकर ट्रेनिंग लेते हैं। इसके लिए इनको पैसे मिलते हैं। हम नया कानून ला रहे हैं। मनरेगा की तरह, जिसमें कहा था कि जो भी गरीब है उसे 100 दिन का रोजगार कांग्रेस पार्टी देगी, सालों पहले हम ये योजना लाए थे। नरेंद्र मोदी जी ने इसे बंद करने की कोशिश की।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम ने शेयर किया वीडियो

नीतीश मोदी का पैर छूएं यह शर्मनाक : तेजस्वी

AGENCY PATNA : नवादा में रविवार को पीएम मोदी की चुनावी सभा हुई। इसमें सीएम नीतीश समेत एनडीए के कई बड़े नेता भी शामिल हुए। तेजस्वी यादव ने इस रैली का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में पीएम मोदी, सीएम नीतीश समेत कई नेता मंच पर दिख रहे हैं। इस दौरान सीएम नीतीश पीएम मोदी का अभिवादन करते दिख रहे हैं। तेजस्वी ने वीडियो शेयर कर कहा है कि सीएम नीतीश पीएम मोदी के पैर छू रहे हैं। इतने बुजुर्ग और अनुभवी सीएम होकर नीतीश कुमार ने जो भरे मंच पर किया, उससे हम शर्मिंदा हैं।

तेजस्वी ने आगे कहा कि यह देखकर हमें शर्म महसूस हो रही है। क्या हालात हो गए हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि अटल और आडवाणी की बीजेपी अलग थी।

जदयू ने बयान पर जताई आपत्ति

इधर, जदयू ने बयान पर आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने को कहा है। पार्टी का कहना है कि तेजस्वी को सम्मान की व्यावहारिकता का ज्ञान नहीं है। तेजस्वी ने आगे कहा कि लंबे समय से नीतीश जी मुख्यमंत्री बने हुए हैं। इतना अनुभवी नेता देश में और कोई नहीं है। मोदी जी तो गुजरात में जब भूकंप आया था, तब सीएम बने थे, लेकिन नीतीश कुमार उससे पहले न केवल बिहार के मुख्यमंत्री बन चुके थे, बल्कि वे कई बार केन्द्रीय मंत्री भी रह चुके थे।

बगहा में चुनावी सभा में शामिल होकर तेजस्वी पटना लौटे थे, और एयरपोर्ट पर ये बातें कहीं।

चतरा में ₹10 करोड़ की अफीम के साथ दो तस्कर अरेस्ट

CHATRA : झारखंड की चतरा पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। महुदा गांव के पंकज दांगी के घर से दस करोड़ की अफीम बरामद की गयी है। इसके साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ब्राउन शुगर की मिनी फैक्ट्री का खुलासा किया है। यह जानकारी चतरा के एसपी विकास कुमार पांडेय ने सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। गिरफ्तार तस्कर चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के महुदा गांव निवासी पंकज दांगी व राजपुर थाना क्षेत्र के मंझौली बाराबागी गांव का धीरेंद्र दांगी शामिल है। तस्करों के पास से 204.14 किलो अफीम के अलावा ब्राउन शुगर बनानेवाली एक लोहे की मशीन, एक मोबाइल, एक गैस सिलेंडर, एक गैस चूल्हा, कपड़ा, एक इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन, 100 पीस सफेद रंग की प्लास्टिक, एक जैक, 25.400 किलो मिट्टी जैसा पदार्थ जब्त किया गया।

झटका : देर तक चली सुनवाई, सरकारी अपील को कोर्ट ने किया खारिज

सरकार को कराने ही होंगे नगर निकाय चुनाव हाईकोर्ट ने बरकरार रखा सिंगल बेंच का फैसला

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना 3 हफ्ते में जारी करने के मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। ये सुनवाई जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की अदालत में हुई। हाईकोर्ट की इस डबल बेंच की अदालत ने सरकार की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने जस्टिस आनंदा सेन के फैसले को चुनौती दी थी। अदालत ने मामले में सरकार को इस केस से जुड़े अपने सभी पक्ष कोर्ट के सामने रखने को कहा। इसके लिए उन्होंने दो हफ्ते का समय दिया है। दो हफ्ते बाद इस मामले की फिर सुनवाई होगी।

क्या है पूरा मामला : दरअसल मामला ये है कि झारखंड नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने को लेकर पार्षद रोशनी खलखो और अरुण झा ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने सरकार को तीन हफ्ते अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया। इस मामले में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट के कानून का हवाला दिया।

- जस्टिस आनंदा सेन के फैसले को डबल बेंच में दी गई थी चुनौती
- केस से जुड़े सभी पक्षों को रखने के लिए कहा गया दो हफ्ते का मिला समय

सरकार ने दिया था ट्रिपल टेस्ट का हवाला, कोर्ट ने किया रिजेक्ट

झारखंड सरकार ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल टेस्ट कराकर ही निकाय चुनाव कराने की बात कही है। जबकि अभी तक राज्य में ट्रिपल टेस्ट नहीं हुआ है। सरकार के इस जवाब पर याचिकाकर्ताओं का पक्ष रख रहे अधिवक्ता विनोद सिंह ने सरकार के जवाब को दिग्भ्रमित करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सरकार 74वें एवं अन्य प्रावधानों का न सिर्फ उल्लंघन कर ही रही है, बल्कि आधे-अधूरे जवाब के साथ अदालत को भी अंधेरे में रख कर दिग्भ्रमित कर रही है। बता दें कि नगर निकाय चुनाव नहीं होने के कारण 15वें वित्त आयोग से झारखंड सरकार को मिलने वाला लगभग 1600 करोड़ रुपये का अनुदान फंस गया है। यह राशि राज्य के शहरों का विकास व नागरिक सुविधाएं विकसित करने के लिए राज्य को मिलती है। मालूम हो कि राज्य के 13 नगर निकायों में लंबे समय से नगर निकाय चुनाव लंबित है। वर्तमान में नगर निकायों का संचालन जनप्रतिनिधियों की जगह प्रशासनिक पदाधिकारियों के माध्यम से कराया जा रहा है।

भारतमाला प्रोजेक्ट हाईवे पर उतरे तेजस, जगुआर और सुखोई-30 फाइटर जेट

लड़ाकू विमानों की लैंडिंग में झलकी भारत की ताकत

AGENCY JALORE : सोमवार को राजस्थान के जालोर में भारतमाला प्रोजेक्ट हाईवे 925 ए पर तेजस, जगुआर और सुखोई-30 लड़ाकू विमानों की लैंडिंग हुई। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सांचौर-बाड़मेर जिले से सटे अगड़वा से गुजर रहे इस हाईवे पर सबसे पहले तेजस ने लैंडिंग की। लैंडिंग में इंडियन एयर फोर्स की ताकत का नजारा दिखा। लड़ाकू विमानों की लैंडिंग की वजह से हवाई पट्टी के पास बनी सर्विस रोड पर भी आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया गया। इस परीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में वायु सेना के अधिकारी भी मौजूद थे। यहां सुबह करीब दस बजे तेजस ने लैंडिंग की। इसके बाद फाइटर जेट जगुआर और एएन-32, सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और लड़ाकू सुखोई-30 की भी लैंडिंग हुई। इसके साथ ही अब इस हवाई पट्टी का इस्तेमाल वायु सेना युद्ध और अन्य आपातकाल जैसी परिस्थितियों में इमरजेंसी लैंडिंग के लिए कर सकेगी। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक बनी यह इमरजेंसी एयर स्ट्रिप करीब तीन किलोमीटर लंबी है। भारतमाला परियोजना के तहत हाईवे पर बनी एयर स्ट्रिप का नौ सितंबर, 2021 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उद्घाटन किया था। इस दौरान पहले ट्रायल में दो हेलिकॉप्टर की लैंडिंग करवाई गई थी। सैन्य सूत्रों के अनुसार, आज विमानों की लैंडिंग का परीक्षण करने के लिए एयर स्ट्रिप पर 25 गुणा 65 वर्गमीटर का एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) केबिन भी बनाया गया।

- हवाई पट्टी के पास बनी सर्विस रोड पर आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया गया
- भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक बनी यह इमरजेंसी एयर स्ट्रिप तीन किमी लंबी

10 अप्रैल तक चलेगा भारतीय वायुसेना का गगन शक्ति अभ्यास

UTTARKASHI : भारतीय वायुसेना का चिन्यालीसौड़ स्थिति हवाई अड्डे पर गगन शक्ति सैन्य अभ्यास चल रहा, जो 10 अप्रैल तक चलेगा। 18000 फीट की ऊंचाई पर से एएन 32 विमान से 20 जवानों ने पैराशूट से चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर लैंडिंग की। चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायुसेना ने रविवार और सोमवार को गगन शक्ति के तहत हवाई सैन्य अभ्यास किया। वायुसेना के मालवाहक 2 विमानों ने एएन 32 ने रनवे पर लैंडिंग व टेकऑफ किया।

सीजेआई बोले- बिना फैसले के मामलों को रिजर्व रखना गलत

NEW DELHI : भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने अदालती मामलों को महीनों रिजर्व रखने के जजों के रवैये पर नाराजगी जताई है। सीजेआई ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जज बिना फैसला सुनाए किसी केस को 10 महीनों से ज्यादा समय तक रिजर्व रखते हैं। यह चिंता का विषय है। चंद्रचूड़ ने कहा- इतने लंबे समय के बाद केस पर दोबारा सुनवाई हो तो पिछली सुनवाई के दौरान रखी गई मौखिक दलीलें मायने नहीं रखतीं। जज भी कई बातें भूल जाते हैं। सीजेआई ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर सभी हाईकोर्ट को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा- लेटर के बाद मैंने देखा कि कई जज केवल मामलों को डी-रिजर्व करते हैं, लिस्टिंग करते हैं और फिर आंशिक सुनवाई करते हैं। हमें उम्मीद है कि देश के अधिकतर हाईकोर्ट में यह चलन नहीं है।

कल्पना सोरेन ने बंगाल सीएम को किया फोन

उलगुलान महारैली के लिए ममता बनर्जी को आमंत्रण

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन किया है। उन्हें झारखंड में भाजपा विरोधी जनसभा में आमंत्रित किया गया है। दिल्ली के बाद झारखंड में भाजपा विरोधी रैली में तृणमूल कांग्रेस नेता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आमंत्रित किया गया है। कल्पना ने 21 अप्रैल को झारखंड में "उलगुलान (क्रांति) महारैली" नामक रैली के लिए ममता को आमंत्रित किया है। तृणमूल सूत्रों के मुताबिक, ममता खुद रैली में नहीं जा रही हैं, क्योंकि वह फिलहाल बंगाल में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। रैली में तृणमूल प्रतिनिधियों को भेजा जाएगा। राजनीतिक खेमे के एक वर्ग के अनुसार, लोकसभा चुनाव में वामपंथी और कांग्रेस बंगाल में तृणमूल के खिलाफ लड़ रहे हैं। ऐसे में खुद तृणमूल नेता पड़ोसी राज्य झारखंड में लेफ्ट, कांग्रेस के साथ एक मंच पर नहीं दिखना चाहतीं।

21 अप्रैल को रांची में होना है बड़ा जुटान

BRIEF NEWS

गिरिडीह में हार्डकोर नक्सली धनी मांझी गिरफ्तार

GIRIDIH : भाकपा माओवादियों के खिलाफ गिरिडीह पुलिस की दबिश लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर निमियाघाट थाना पुलिस ने माओवादी धनी मांझी उर्फ धनिया मांझी (49) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार धनी मांझी निमियाघाट थाना क्षेत्र के चपरखो गांव का रहने वाला है। वह पिछले कई सालों से फरार चल रहा था। निमियाघाट थाना में इसके खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज है। केस दर्ज होने के बाद धनी मांझी फरार हो गया था। इसी दौरान एसडीपीओ सुमित प्रसाद को गुप्त सूचना मिली तो एसडीपीओ के नेतृत्व में निमियाघाट थाना पुलिस ने रणनीति बनाकर इसे दबोचा। हालांकि धनी मांझी के पास से कोई हथियार तो बरामद नहीं हुआ। लेकिन धनी मांझी एक सक्रिय माओवादी था और पीरटांड के साथ डुमरी के कई हार्डकोर शीर्ष माओवादियों के दस्त से जुड़ा हुआ था।

ढिबरा चुनने के दौरान चाल धंसने से तीन लोग घायल

KODERMA : डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत मसनोडीह के मुरली पहाड़ी में ढिबरा चुनने के दौरान चाल धंसने से तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक सभी लोग प्रतिदिन ढिबरा चुनने जाते थे। सोमवार को चाल धंसने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग किसी तरह उन लोगों को मिट्टी से निकाल कर इलाज के सदर हॉस्पिटल भेज दिया। सदर हॉस्पिटल में सभी घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में लक्ष्मण दास (60), कुमार दास (62) और केदार दास (40) हैं। इधर डीएस डॉ रंजीत कुमार के मुताबिक घायलों का इलाज चल रहा है।

कमेटी सात दिनों के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपे : डीसी

CHATRA : सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में नामांकन में गड़बड़ी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अभिभावक निष्पक्ष जांच कर योग्य बच्चों का नामांकन लेने की मांग कर रहे हैं। उपायुक्त रमेश घोलप ने बताया कि नामांकन में गड़बड़ी मामले की जांच के लिए सिमरिया एसडीओ सन्नी राज के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गयी है। टीम में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिषेक बड़ाइक व अन्य पदाधिकारियों को रखा गया है। जांच रिपोर्ट सात दिनों के अंदर सौंपने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त द्वारा जांच कमेटी बनाये जाने से गरीब बच्चों के अभिभावकों की उम्मीद जगी है। मालूम हो कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस एसएस प्लस टू हाई स्कूल चतरा में कक्षा केजी व कक्षा नौ में नामांकन को लेकर परीक्षा ली गयी थी, जिसका रिजल्ट प्रकाशित होने पर अभिभावकों ने अनियमितता का आरोप लगाया है। सबसे अधिक धांधली कक्षा केजी की प्रवेश परीक्षा के रिजल्ट में की गयी हैं। कक्षा केजी के प्रवेश परीक्षा मौखिक रूप से ली गयी थी, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों का नाम रिजल्ट से गायब है, वहीं कई प्रश्नों का जवाब नहीं देने वाले बच्चों का नाम रिजल्ट में है।

मतदान केंद्रों पर पीठासीन पदाधिकारी की भूमिका महत्वपूर्ण : उपायुक्त

KHUNTI : लोकसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने को लेकर प्रशिक्षण कोषांग खूंटी द्वारा सोमवार को बिरसा कॉलेज खूंटी के तीन भवनों के अलग-अलग कमरों में 1027 पीठासीन पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने प्रशिक्षण स्थल पर प्रशिक्षण का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि मतदान को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष संपन्न कराने में मतदान केंद्र पर पीठासीन पदाधिकारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने पीठासीन पदाधिकारियों को मतदान कार्य से संबंधित सभी बिंदुओं की अच्छी तरह से जानकारी प्राप्त करने की अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन को पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपने कार्य एवं दायित्वों को दक्षता के साथ निष्पादित करेंगे।

अपराधियों ने युवक को गोली मार कर उतारा मौत के घाट, जांच में जुटी पुलिस

लोहरदगा के सेन्हा थाना क्षेत्र में बाल कटवाने के दौरान की गई हत्या

PHOTON NEWS LOHARDAGA : लोहरदगा के सेन्हा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह अपराधियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। सेरेंगहातु गांव का निवासी नरेश साहू नामक युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। जानकारी के मुताबिक वह पेशे से एक जमीन करोबारी है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

बताया जाता है कि मृतक घटना के दौरान गांव के ही एक सैलून में बाल कटवा रहा था। इस दौरान 3 लोग बाइक पर सवार होकर आए और उसके सिर पर गोली मारकर फरार हो गये. सिर पर गोली लगने की वजह से युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. इसके बाद स्थानीय लोगों ने वारदात की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटनास्थल पर जांच-पड़ताल करती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

नरेश जमीन से जुड़ा करता था कारोबार

आसपास के लोगों से जब जानकारी प्राप्त की गयी तो पता चला कि नरेश जमीन से जुड़ा कारोबार करता था। साथ ही साथ गांव में ही उसकी एक छोटी सी सीमेंट की दुकान थी। ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि जमीन व्यवसाय में विवाद होने के कारण ही उसकी हत्या हुई है।

वरीय पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या किस वजह से हुई इसकी जांच की जा रही है। इसके अलावा अरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उस नाईं से भी पूछताछ की जहां पर नरेश बाल कटवा रहा था। इधर, घटना के बाद ग्रामीण दहशत में है। लोहरदगा में जिस प्रकार दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना हुई उससे लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

मनोज हत्याकांड के मुख्य आरोपी अजय की संदेहास्पद स्थिति में मौत

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के चैनपुर थाना के कल्याणपुर गांव निवासी मनोज चौधरी हत्याकांड का मुख्य आरोपी अजय चौधरी की संदेहास्पद स्थिति में मौत की खबर मिल रही है। परिजनों ने पुलिस को ही इसके लिए जिम्मेदारा बताया है। उनका कहना है कि पुलिस कस्टडी के दौरान अजय चौधरी के साथ जमकर मारपीट की गयी। इसके बाद उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। हालत बिगड़ी तो उसे एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस जानबूझकर रिम्स ले गयी, ताकि किसी प्रकार का हंगामा न हो। आपको बता दें कि मनोज चौधरी की हत्या 26 मार्च की रात 10:00 बजे हुई थी। हत्या का मुख्य आरोपी अजय चौधरी को बताया गया था। वह रिश्ते में मनोज का सगा भतीजा था।

क्या है पूरा मामला : दरअसल मनोज की उसके सगे भतीजे ने अजय चौधरी ने 26 मार्च को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो दिनों के अंदर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस को घटनास्थल से दो खाली कारतूस व एक 8 इंच की लंबी कैंची मिली थी। पुलिस ने उसे मेदिनीनगर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था तब लेकर वह आज तक पुलिस की कस्टडी में था।

रंगदारी वसूलने पहुंचे दो बदमाश गिरफ्तार

DEOGHAR : एसपी राकेश रंजन के नेतृत्व में गठित एसआईटी की टीम ने सोमवार को रंगदारी वसूली करने पहुंचे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देसी कट्टा, एक गोली ओर दो मोबाइल पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि बाबा परिहस्त (मृत) के गिरोह के सदस्य शिवाशीष कश्यप उर्फ शिबु मिश्रा, निर्मल राय, विशाल परिहस्त ओर राहुल मिश्रा रांगा मोड़ के पास सड़क किनारे पिस्टल दिखाकर कारोबारियों, ठेकेदारों एवं दुकानदारों से रंगदारी मांग रहे हैं। सूचना पर एसपी राकेश रंजन के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशाल परिहस्त और राहुल मिश्रा को गिरफ्तार किया। इनके पास से एक देशी कट्टा, उसमें लोड एक गोली को बरामद कर जब्त किया। मामले में टाउन थाना (कांड सं-218/2024) आईपीसी ओर आर्म्स एक्ट के विभिन्न धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उत्पाद विभाग की टीम ने किया मिनी वाइन फैक्ट्री का खुलासा, जब्त की 59 पेटी शराब

PHOTON NEWS PALAMU : लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर झारखंड में अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग का एक्शन लगातार जारी है। इसी क्रम में पलामू में उत्पाद विभाग ने सोमवार को छापेमारी कर अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा किया। इस दौरान करीब ढाई लाख रुपए की शराब व स्प्रिट जब्त की गयी है। उत्पाद अधीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि झारखंड व बिहार के सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है।

शराब व स्प्रिट के साथ चार आरोपी अरेस्ट : उत्पाद विभाग की टीम ने पलामू के हुसैनाबाद के झरगड़ा बघमनवा टोला से छापेमारी कर अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है. छापेमारी में पुलिस ने 59 पेटी शराब व 280 लीटर स्प्रिट बरामद की है। इस मामले में मुकेश कुमार, ललन कुमार, राजकुमार व संजीव रजवार को गिरफ्तार किया है।

छापेमारी के बाद जब्त की गई शराब। ● फोटोन न्यूज

अंग्रेजी शराब का स्टीकर लगाकर बिक्री : सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बघमनवा टोला में अवैध शराब बनाने का काम किया जा रहा है. शराब तैयार करने के बाद फर्जी रॉयल ब्लू, रॉयल क्लासिक, विदेशी शराब व अन्य ब्रांडेट अंग्रेजी शराब का स्टीकर लगाकर उसे बाहर में ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। छापेमारी के क्रम में उत्पाद विभाग ने 180 एमएल के 2832 बोतल शराब बरामद किया है। शराब तैयार करने के लिए सात गैलन में 280 लीटर कच्चा स्प्रिट व 36 हजार खाली बोतल जब्त किया गया है। इसके साथ ही शराब बनाने की मशीन, कैप, रैपर सहित अन्य सामग्री बरामद किया गया है. शराब कच्चे मकान में बनाया जाता था।

मानव श्रृंखला बनाकर वोटरों को किया गया जागरूक

KHUNTI : जिले के सभी प्रखंडों में सोमवार को विशेष मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय कर्मी सहित बीएलओ एवं सखी मंडल की दीदियां शामिल हुईं। इसके साथ ही मानव श्रृंखला के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया। लोकतंत्र के इस महापर्व में हर एक मतदाता को उनके दायित्वों की दिशा दिखाने का लगातार प्रयास चल रहा है। मतदाताओं को बताया जा रहा है कि लोकतंत्र में चुनाव का महत्व सर्वोपरि है, इसे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की रीढ़ कहा गया है। मतदाताओं को जागरूक करने के क्रम में बताया गया कि 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोग पंजीकरण कराएं और जागरूक मतदाता बनें। हम सभी को अपने स्तर से मतदाता जागरूकता के इस महाभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है।

PWD आईकॉन ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

PHOTON NEWS DHANBAD : पीडब्ल्यूडी आईकॉन प्रमोद कुमार यादव नेसोमवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली, जिसे नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर एवं सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, नियाज अहमद ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में समाज कल्याण के कर्मचारी प्रमोद कुमार और अन्य कर्मी मौजूद थे।

यह जागरूकता रैली रणधीर वर्मा चौक से शुरू हुई जो कि नगर निगम कार्यालय होते हुए सिटी सेंटर चौक, मेमको मोड़ से नए समाहरणालय भवन में समाप्त हुई। इस जागरूकता रैली में पीडब्लूडी वोटर ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, ट्राई मोटरसाइकिल आदि के साथ सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने

शहर वासियों से 25 मई के दिन अपने मत का प्रयोग करने की अपील की।

पीडब्ल्यूडी आईकॉन प्रमोद कुमार यादव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मताधिकार हमारी सबसे बड़ी ताकत है, हमें मजबूत राष्ट्र व मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान अवश्य करना चाहिए। सभी मतदाताओं को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए 25 मई को बिना किसी डर और लालच के मतदान केंद्रों पर जाकर अपना मतदान करें।

पिठोरिया थाना में शांति समिति की बैठक

PHOTON NEWS PITHORIYA : ईद और सरहुल त्यौहार को लेकर पिठोरिया थाना परिसर में थाना प्रभारी गौतम कुमार राय के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक की गई। इस दौरान सभी समुदाय के लोग बैठक में शामिल हुवे। मौके पर सभी लोगो ने दोनों त्यौहार को शांति सद्भावना और भाईचारगी से मनाने का निर्णय लिया। मौके पर थाना प्रभारी गौतम कुमार राय ने कहा कि ईद और सरहुल त्यौहार के मद्देनजर पिठोरिया पुलिस पूरी मुस्तैद है। थाना क्षेत्र के चिन्हित चौक चौराहा पर पुलिस जवान तैनात रहेंगे वहीं ईद की नमाज अदा करने के लिए सभी मस्जिद और ईदगाहों पर भी पुलिस जवान तैनात किए जाएंगे। माहौल बिगाड़ने वालों को किसी भी तरह बक्सा नहीं जाएगा। साथ ही शांति समिति के सदस्य भी अपने-अपने इलाके में त्योहार के दौरान मौजूद रहेंगे। बैठक के उपरांत थाना परिसर में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। इफ्तार से पूर्व क्षेत्र की खुशहाली और अमन चैन की दुआ मांगी गई। बैठक में पूर्व जीप सदस्य जिला सह आजसु जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी, पूर्व जीप सदस्य ऐनुल हक अंसारी, मजीद अंसारी, अनिल केशरी, मोजिबुल अंसारी, मुन्नी देवी, सलिल अंसारी, मोहम्मद वैश, जुल्फीकार खान, सुरेश राम, जीतनाथ बेदिया, अशफाक खान, सफदर अली, ने भी अपनी बातें रखा। बैठक में थाना से एएसआई मोबिन खान, एएसआई संदोष यादव, अमृत प्रसाद, कृष्णा मौजूद थे। वहीं सामिति के तरफ से बैठक में मुख्य रूप से मुखिया लाखो उरांव, लाला महली, फिरदौस अंसारी, तबरेज अंसारी, मोहम्मद मसिउल्लाह, मोहम्मद गुफरान, वसीम अकरम, जुल्फान खान, हफीज अंसारी, सरवर खान, सज्जाद खलीफा, फिरोज, रूपम देवी मौजूद थे।

एटीएम से छेड़छाड़ करने वाले गिरोह के सरगना को पुलिस ने दबोचा, कई वारदात को दे चुका है अंजाम

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ पुलिस ने एटीएम मशीन से छेड़छाड़ करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। यह अपराधी सिर्फ झारखंड में ही नहीं बल्कि बिहार और उत्तर प्रदेश में भी कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। इस मामले की जानकारी एसपी डॉ बिमल कुमार ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी चंदन कुमार बिहार राज्य के गया जिला अंतर्गत फतेहपुर थाना के मायापुर गांव का रहने वाला है। वह अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर बड़ी सफाई से आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई उनके खाते से निकाल लेता था। रामगढ़ पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली पुलिस ने एक छापेमारी दल का गठन किया। एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, कुजू ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे, मांडू थाना प्रभारी रंजीत यादव के द्वारा इस मामले में तत्काल कार्रवाई की गई और चंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

मीडिया को जानकारी देते एसपी बिमल कुमार। ● फोटोन न्यूज

इंडियन ओवरसीज बैंक की एटीएम में हुआ कांड : रामगढ़ के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत इंडियन ओवरसीज बैंक के मरार शाखा के एटीएम में कांड किया गया था। इस बैंक में दो संदिग्ध व्यक्तियों के द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस सतर्क हुई और पूरे गिरोह का उद्भेदन हुआ।

एसपी ने बताया कि चंदन कुमार अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बड़ी सफाई से एटीएम से पैसे निकालना वाले ग्राहकों को भरमाता था। सबसे पहले चंदन एटीएम मशीन में घुसकर उसके कार्ड का स्लॉट खोल देता था। जब कोई ग्राहक पैसे निकालने आता था तो कार्ड डालते ही उसका एटीएम मशीन के अंदर घुस जाता था। ग्राहक घबराकर जब आसपास देखा था तो उसके पीछे खड़े चंदन के एक अन्य साथी उसे बताते थे कि उसके साथ भी ऐसा ही हुआ है।

नहीं उठा पाएंगे त्योहारों का राजनीतिक फायदा, ड्रोन कैमरे से होगी निगरानी

जुलूस निकालने वाली हर कमेटी रखे एक कैमरामैन : एसडीओ

PHOTON NEWS RAMGARH : रामनवमी का उमंग शुरू हो गया है। इसके अलावा ईद और सरहुल जैसे त्योहारों को लेकर भी लोगों में नया जोश है। इन सब के बीच लोकसभा का चुनाव है। हर दल के प्रत्याशी मैदान में मौजूद हैं और वे इस फिराक में हैं कि वे इन त्योहारों में शामिल होने वाले लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करें। उन्हे यह बताएं कि उनके साथ दिल मिलाकर खड़े हैं। लेकिन जिला प्रशासन आदर्श आचार संहिता के हर उस बिंदु पर काम कर रही है जिस पर निष्पक्ष चुनाव होने की बात कही जाती है।

सोमवार को रामगढ़ एसडीओ आशीष गंगवार ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत के दौरान यह कहा कि त्योहारों का राजनीतिक फायदा उठाने वाले लोगों के लिए बुरी खबर है। क्योंकि हर जुलूस, बैठक और कार्यक्रम में ड्रोन कैमरे से नजर रखी जाएगी। इसके अलावा हर कमेटी के लोगों को एक कैमरामैन रखने का निर्देश दिया गया है। उनकी हर गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड होगी। किस तरीके से लोग राजनीतिक दलों का झंडा इस्तेमाल कर रहे हैं? किस तरह की भाषा का वे इस्तेमाल कर रहे हैं, और किन जगहों पर नागरिकों को प्रलोभन दिया जा रहा है? इस बार के त्योहारों में इन सभी बिंदुओं पर जिला प्रशासन की पैनी निगाह है। जिस पार्टी के प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं के द्वारा एमसीसी का उल्लंघन किया जाएगा, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीओ आशीष गंगवार।

आज निकलेगा मंगला जुलूस, पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

RAMGARH : रामनवमी त्योहार को लेकर रामगढ़ में मंगलवार को बड़े पैमाने पर मंगला जुलूस निकाला जाएगा। इसके लिए रामनवमी पूजा महासमिति ने पहले से ही तैयारी कर ली है। जिले के तमाम अखाड़ों और रामनवमी समितियों के सदस्यों को इस मंगला जुलूस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। रामनवमी महासमिति के पदाधिकारियों ने पूरे जिले में इसके लिए अनाउंसमेंट भी करवाई है। शहर के सिद्धू कान्हू मैदान से मंगला जुलूस की शुरूआत होगी। यह जुलूस बाजार टांड़, चट्टी बाजार, झंडा चौक, थाना चौक, मेन रोड होते हुए फुटबॉल ग्राउंड तक जाएगी। इस जुलूस में झंडा व हरवे हथियार के साथ समिति के सदस्य शामिल होंगे और भगवान राम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करेंगे।

रामगढ़ में फ्लैग मार्च करते जवान। ● फोटोन न्यूज

संवेदनशील स्थानों पर रहेंगे मैजिस्ट्रेट और पुलिस फोर्स : एसडीओ आशीष गंगवार ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि रामगढ़ शहर में मंगला जुलूस और रामनवमी का जुलूस बेहद महत्वपूर्ण रहता है। इसको लेकर संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया जा चुका है। उन स्थान पर मैजिस्ट्रेट और पुलिस फोर्स की मौजूदगी रहेगी। रामगढ़ शहर के सौदागर मोहल्ला, गोलपार्क, पुरनी मंडप, नई सराय बस्ती और जिले के अन्य संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त फोर्स की भी व्यवस्था होगी।

उन्होंने कहा कि राममलला के विराजमान होने के बाद पहली बार रामनवमी मनाया जा रहा है। इस बार भव्यता से मनाया जाएगा। अयोध्या में विराजमान श्रीराम लला जी की मूर्ति का प्रारूप जुलूस एवं झांकियों का मुख्य केंद्र रहेगा। मंगला जुलूस को लेकर थाना प्रभारी अजय कुमार साहू के द्वारा सोमवार की शाम फ्लैग मार्च निकाला गया। थाना परिसर से निकला पदाधिकारियों का यह पैदल मार्च शहर के तमाम गलियों और चौक चौराहों से होकर गुजरा। इस दौरान संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस ने यह संदेश देने की कोशिश की कि कोई भी व्यक्ति शांति व्यवस्था को भंग नहीं कर पाएगा। सामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी निगाह है।

होटल में छापेमारी, शराब का स्टॉक जब्त, एक धराया

जब्त की गई शराब। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GIRIDIH : होटलों और रेस्टूरेंट में अवैध तरीके से शराब परोसने को लेकर गिरिडीह पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में सोमवार को एसपी दीपक कुमार शर्मा के निर्देश पर एसडीपीओ नीरज सिंह ने जमुआ थाना इलाके के चरघरा गांव स्थित एक होटल में छापेमारी किया। बताया गया कि एसडीपीओ के नेतृत्व में जमुआ पुलिस ने जिस होटल में छापेमारी की होटल उसी गांव के महेन्द्र वर्मा और उसके भतीजे राजेश वर्मा चला रहे थे। छापेमारी के दौरान दोनों चाचा-भतीजा अपने होटल में अवैध रुप से शराब भी परोस रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने होटल में छापेमारी कर शराब और बीयर के स्टॉक को जब्त किया। अवैध शराब के

जब्त स्टॉक में 30 फाईल केन बीयर, 81 फाईल गॉडफादर बीयर, हंटर का 135 फाईल बीयर की बोतल, छह पीस रॉयल चैलेजर, 5 पीस मैकडेवल, छह पीस स्टरलिंग रिर्जव, 3 पीस रॉयल स्टेग समेत 30 लीटर महुआ शराब शामिल है। छापेमारी के दौरान भतीजा राजेश वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जबकि चाचा महेन्द्र वर्मा मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा।

BRIEF NEWS

नामकुम सैन्य छावनी में जवान ने गोली मारकर की आत्महत्या

RANCHI : सेना के जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के खोजाटोली स्थित सैन्य छावनी में रविवार देर शाम की है। लेकिन घटना की जानकारी सोमवार को सामने आयी कि 386 अरमॉर्ड रेजीमेंट के जवान ने खुद को गोली मार ली। आनन-फानन में उन्हें मिलिट्री अस्पताल में आर्मी के जवानों ने भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक जवान रेजीमेंट का कोर्ट इंचार्ज था। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वजह सामने नहीं आ पायी है।

राहे में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

RANCHI : लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। इसी कड़ी में बीती रात राहे पुलिस ने थाना क्षेत्र के कोकरोडीह से इरिसरिंग रोड पर चेकिंग के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की। थाना प्रभारी फैज अहमद ने सोमवार को बताया कि मामले में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। उन्होंने बताया कि पता लगाया जा रहा है कि इन विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल कहां किया जाने वाला था।

चोरी मामले की जांच करने पहुंचे सिटी एसपी

RANCHI : रांची के जिला अभिलेखागार (रेकर्ड रूम) में से दस्तावेजों की चोरी मामले की जांच करने सोमवार को सिटी एसपी राजकुमार मेहता रेकर्ड रूम पहुंचे। इस दौरान सिटी एसपी ने घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया और कार्यालय में मौजूद कर्मियों से पूछताछ की। लगभग आधे घंटे तक जांच करने के बाद सिटी एसपी वहां से निकले। उन्होंने बताया कि चोरी मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। शीघ्र ही मामले का खुलासा किया जाएगा। मौके पर डीएसपी प्रकाश सोए और कोतवाली थाना प्रभारी भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि चार अप्रैल को जिला अभिलेखागार (रेकर्ड रूम) से जमीन के दस्तावेजों की चोरी हुई थी। इसके बाद रिकॉर्ड रूम इंचार्ज के लिखित आवेदन पर कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पलामू जेल के कैदी की रिम्स में गई जान

RANCHI : पलामू जेल के कैदी अजय चौधरी की रिम्स में सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी। अजय चौधरी पर बीते 26 मार्च को अपने चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या करने अरोप था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपित अजय चौधरी को 28 मार्च को मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। वह 28 मार्च से पलामू सेंट्रल जेल में बंद था।अचानक तबीयत खराब होने के बाद उसे रिम्स में भर्ती करवाया गया था, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। 26 मार्च को पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड में मनोज चौधरी की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। मनोज चौधरी अपने गोतिया परिवार के साथ होली के दिन बैठकर शराब पी रहा था। इसी क्रम में अपने चचेरे भाई अजय चौधरी के साथ उसकी बहस हो गयी थी। आरोप है कि बहस के दौरान अजय चौधरी ने मनोज चौधरी को गोली मार दी थी। आनन-फानन में मनोज चौधरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी।

बिजली और चेक बाउंस केस निबटाने के लिए 27 अप्रैल को लोक अदालत

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट में 27 अप्रैल को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में बिजली से जुड़े वाद व चेक बाउंस से जुड़े मामलों का निष्पादन किया जाएगा। झालसा के निर्देश पर होने वाले इस लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों के निष्पादन पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए बेंच का गठन और मुकदमों को चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रांची सिविल कोर्ट के ज्यूडीशीयल कमिश्नर दिवाकर पांडेय के निर्देश पर रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि ज्यादा से ज्यादा पक्षकारों को नोटिस कर सुलहनीय प्रवृत्ति के केस खत्म किए जाएंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की यह कोशिश है कि लंबित मामलों में से बीस प्रतिशत केस का निष्पादन लोक अदालत में किया जा सके।

पकरी बरवाडीह कोल परियोजना के लिए भूमि हस्तांतरण का मामला

हाईकोर्ट ने हजारीबाग डीसी से मांगा डीएमएफटी फंड का ब्योरा

SPECIAL REPORTER RANCHI : एनटीपीसी द्वारा फर्जी ग्राम सभा कर फॉरेस्ट क्लीयरेंस का एनओसी लेने के मामले की जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट ने हजारीबाग डीसी को डीएमएफटी (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट) फंड में अब तक जमा किए गए फंड और खर्च का ब्यौरा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान वन विभाग की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति का कोई औचित्य नहीं था। कोर्ट ने कहा कि जब डीएफओ ने उक्त मामले की जांच किया तो उस रेंज के अधिकारी कैसे इस बात से इनकार कर रहे है। इसलिए इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक स्वयं कोर्ट में हलफनामा दायर करें। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण राय की बेंच में हुई। इस पूरे मामले को लेकर हजारीबाग के रहने वाले मंटू सोनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ये मामला पकरी बरवाडीह कोल परियोजना के लिए जमीन हस्तांतरण से जुड़ा हुआ है। इस मामले में अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह ने बहस की। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता मंटू सोनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

टेरर फंडिंग मामले में आरोपी टीपीसी कमांडर विनोद कुमार गंझू को हाईकोर्ट से मिली बेल

SPECIAL REPORTER RANCHI : आम्रपाली और मगध कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में आरोपी टीपीसी कमांडर विनोद कुमार गंझू की जमानत याचिका पर झारखंड हाई ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने विनोद कुमार गंझू को जमानत प्रदान कर दी। पूर्व में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि आरोपी विनोद कुमार गंझू के चतरा स्थित आवास से वर्ष 2016 में पुलिस की छापेमारी में करीब 91 लाख बरामद हुए थे। इस मामले को लेकर टंडवा थाने में कांड संख्या 2/ 2016 दर्ज किया गया था। इसी मामले को लेकर एनआईए ने अपने हाथों में लेकर एनआईए 3/ 2018 दर्ज किया था। विनोद कुमार गंझू मगध ऑगेर्नाइजिंग कमेटी के प्रेसिडेंट है, ट्रांसपोर्ट कंपनी चलाते हैं।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में इजहार की पेशी

SPECIAL REPORTER RANCHI : हजारीबाग के कोयला कारोबारी इजहार अंसारी सोमवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोमवार को पेश हुए। मामले में दो अन्य चार्जशीटेट इश्तियाक अंसारी और इजहार अंसारी की एक और कंपनी से संबंध के बावजूद कोई कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। हजारीबाग के कोयला कारोबारी इजहार अंसारी और इश्तियाक अंसारी के अलावा इजहार अंसारी की एक कंपनी के खिलाफ ईडी की ओर से दायर चार्जशीट पर ईडी की विशेष अदालत ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों की उपस्थिति के लिए आठ अप्रैल की तिथि निर्धारित की थी। इससे पूर्व ईडी ने जांच में पाये गये तमाम साक्ष्यों के साथ 15 मार्च को अदालत में चार्जशीट दाखिल किया था। ईडी ने जांच में पाए गए तमाम साक्ष्य के साथ आरोप पत्र दाखिल की थी। ईडी ने कोर्ट को यह जानकारी दी थी कि इजहार कैसे कोयले के कारोबार में संलिप्त था और अवैध कोयले के कारोबार से कैसे अकूत संपत्ति अर्जित की। इजहार अंसारी कई शेल कंपनियों के संचालक हैं। वह शेल कंपनियों के जरिए काले धन का संचालन करता है। 16 जनवरी को ईडी ने इजहार अंसारी के ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी में 13 लाख कैश के साथ कई अहम दस्तावेज ईडी ने बरामद किया था।

दूसरी महिला से शादी की चाहत में प्रेमिका की हत्या करने वाले को उम्रकैद

SPECIAL REPORTER RANCHI : प्रेम प्रसंग में महिला की हत्या करने के दोषी संजीव कुमार को अपर न्यायायुक्त एस बिरुआ कीअदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर 20 हजार जुमार्ना भी लगाया है। दरअसल, हत्या का यह मामला वर्ष 2019 का है। बताया जाता है कि आरोपी संजीव और मृतका के बीच प्रेम प्रसंग था। लेकिन आरोपी संजीव किसी दूसरे महिला से विवाह रचाने जा रहा था । जबकि उसकी प्रेमिका उसपर शादी के लिए दबाव पर बना रही थी। रास्ते से हटाने के लिए आरोपी संजीव ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर उसका शव मधुपुर रेलवे ट्रैक पर फेक दिया था। हत्या की घटना को लेकर रांची सदर थाना में कांड संख्या 321/2019 दर्ज कराया गया था।

अफसर अली की डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई पूरी, फैसला 20 को

SPECIAL REPORTER RANCHI : बरियातू स्थित सेना की 4.55 भूमि की खरीद बिक्री घोटाले मामले में आरोपित अफसर अली की डिस्चार्ज पिटीशन पर ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। मामले में दोनों पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी हो गई। इसके बाद अदालत ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट मामले में 20 अप्रैल को अपना फैसला सुनायेगी। अफसर अली के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दाखिल हो गया है और जांच पूरी हो गई है। ईडी ने अफसर अली को 14 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में जेल में है। उल्लेखनीय है कि बरियातू स्थित 4.55 एकड़ सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, विष्णु, भानु प्रताप प्रसाद, प्रदीप बागची, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

झारखंड-बिहार के मुख्य सचिव व डीजीपी के बीच आठ महत्वपूर्ण मुद्दों पर अंतरराज्यीय बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड-बिहार के मुख्य सचिव और डीजीपी के बीच सोमवार को अंतर्राज्यीय बैठक हुई। यह बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मुख्य सचिव के सभा कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम आयोजित हुई। इस बैठक में दोनों राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी के अलावा झारखंड के सीआईडी डीजी, एडीजी अभियान, स्पेशल ब्रांच आईजी, सीआईडी आईजी, आईजी अभियान, सभी जोनल आईजी और सभी रेंज के डीआईजी भौतिक रूप से शामिल हुए। जबकि बिहार के मुख्य सचिव और डीजीपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में शामिल हुए। इस अंतर्राज्यीय बैठक में कुल आठ मुख्य एजेंडा पर चर्चा की गई है।

मीटिंग के आठ मुख्य एजेंडे

- वास्तविक समय के आधार पर खुफिया जानकारी को सक्रिय रूप से साझा करना और नोडल अधिकारियों की नियुक्ति।
- सीमा पर वामपंथी उग्रवाद परिदृश्य और उसके अनुसार कार्य योजना।
- अपराधियों की आवाजाही रोकने के लिए सीमा चौकियों और नाका बिंदुओं को सक्रिय करना।
- अवैध हथियार, गोला बारूद, नशीले पदार्थों, तस्करी और अवैध शराब व्यापार से संबंधित मुद्दे।
- सभी स्तरों पर अंतरराज्यीय समन्वय बैठकें।
- अंतरराज्यीय वांछित अपराधियों के बारे में डेटा साझा करना।
- राज्य के नियंत्रण कक्षों को सक्रिय करना और नियंत्रण कक्षों के बीच समन्वय स्थापित करना।
- मतदान की तारीख के दौरान और उससे पहले अंतरराज्यीय सीमाओं को सील करना।

न्याय पत्र पर बीजेपी अध्यक्ष का कटाक्ष, कहा- हर तबके के साथ अन्याय

देशवासियों से माफी मांगे कांग्रेस : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस द्वारा जारी किए गए न्याय पत्र पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने न्याय पत्र जारी किया है, इसमें उन्हें समझ आया कि आजादी के बाद से पार्टी ने जो देशवासियों के साथ जुर्म किया है, इसे लेकर उसे माफी मांगनी चाहिए। झारखंडवासियों से भी उन्हें माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति की है। वे सोमवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि देश और प्रदेश में जब बीजेपी के नेतृत्व में सरकार नहीं बनी थी तब देश की स्थिति बहुत खराब थी। गांव-घरों में डॉक्टर के पास जाने के लिए सड़कें तक नहीं ठीक थीं। बरसात में गांव के गांव टापू में बदल जाते थे, लेकिन बीजेपी सरकार के आने के बाद गांवों में बिजली आ गयी। सड़कें बन गयीं। ये संकट केवल कांग्रेस पार्टी ने बना रखा था। अब लोगों के घरों में बिजली है। उनके हाथ से लालटेन छूट गई है। अब वे शौक से ये जलाते हैं। कांग्रेस ने हर तबके के साथ अन्याय किया था। बीजेपी की सरकार बनते साथ गांव-घर तक सिलेंडर पहुंच गया। ये छोटी-छोटी चीजें हैं, लेकिन कांग्रेस ने कभी इन समस्याओं को खत्म करने की कोशिश नहीं की।

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी।

कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति की

पत्रकारों से बातचीत में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण तो किया, लेकिन गरीबों तक न तो अकाउंट पहुंच पाता था। न ही उसमें पैसे, लेकिन बीजेपी आते ही बैंक भी खुले और सीधे पैसे भी पहुंचे। अब बीच में कोई पैसे खाना वाला नहीं बचा। कांग्रेस के राज्य में कितनी अप्रिय घटना हुई। कितने लोग सीधा बॉर्डर पर आंख दिखाते थे, लेकिन आज बीजेपी सरकार में 10 वर्षों में भारत लोगों को आंख दिखाता है। कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति की है। आज भारत गर्व से हर क्षेत्र में सिर उठा कर चल रहा है। देश आगे बढ़ रहा है। भारत विकसित भारत की राह में है। ऐसे में कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए।

आज आधा दर्जन जिलों में गरज के साथ बारिश के आसार, चलेंगी तेज हवाएं

दो दिनों में करीब 7 डिग्री घटा रांची का तापमान

कल दक्षिणी हिस्से में गरज के साथ होगी बारिश, वज्रपात

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची का तापमान दो दिन में करीब 7 डिग्री (6.9 डिग्री) सेंटीग्रेड तक घट गया है। लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली है। रविवार की रात को हुई बारिश के बाद सोमवार को ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहाना बना दिया है। मौसम विभाग की मानें, तो अभी तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र ने बताया है कि झारखंड में अगले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है। इसके बाद अगले 2-3 दिन तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 8 अप्रैल को झारखंड में कहीं-कहीं गरज के साथ तेज हवाओं का झोंका चलेगा। इसकी अधिकतम गति 40 से 50 किलोमीटर रहने की उम्मीद है। इस दौरान कुछ जगहों पर वज्रपात होने की भी संभावना है। 10 अप्रैल को झारखंड के दक्षिणी हिस्सों के साथ-साथ मध्य भागों में भी कुछ जगहों पर गरज के साथ बारिश होगी। वज्रपात भी होने की संभावना है। इसके बाद 11 अप्रैल को भी राज्य के दक्षिणी तथा मध्य भागों में कहीं-कहीं गरज के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। वज्रपात होने की भी संभावना है। उन्होंने बताया कि 9 अप्रैल को झारखंड के पश्चिमी भागों में कम से कम आधा दर्जन जिलों में गरज के साथ बारिश और वज्रपात की संभावना है। मौसम केंद्र के मुताबिक, गढ़वा, पलामू, लातेहार, है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाओं का झोंका भी चल सकता है। राजधानी रांची के मौसम की बात करें, तो सोमवार से ही आसमान में बादल छाये रहेंगे। सोमवार को एक-दो बार हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। 9 अप्रैल को आंशिक बादल भी छाए रहेंगे।

ईडी ऑफिस पहुंचीं विधायक अंबा प्रसाद और भाई अंकित, घंटों तक हुई पूछताछ

दोनों ने पहले मांगा था समय, एजेंसी ने नहीं दिया तो आना पड़ा

CRIME REPORTER RANCHI : पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार, सोमवार को बडकागांव विधायक अंबा प्रसाद और उनके भाई अंकित राज ईडी ऑफिस पहुंचे। दोनों से ईडी ने कई घंटों तक पूछताछ की। इससे पहले दोनों ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे और ईडी से 15 दिनों का समय मांगा था। ईडी द्वारा समय नहीं दिए जाने पर सोमवार को दोनों ईडी के समक्ष उपस्थित हुए। इससे पहले तीन अप्रैल को ईडी ने अंबा के पिता और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव से पूछताछ की थी। गौरतलब है कि ईडी ने अंबा और उनके पारिवारिक सदस्यों के खिलाफ हजारीबाग के विभिन्न थानों में दर्ज प्राथमिकी को मिलाकर ईसीआईआर दर्ज किया है। इसमें रंगदारी, लेवी वसूली, बालू का अवैध व्यापार सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। ईसीआईआर दर्ज करने के बाद ईडी ने 12 मार्च को अंबा प्रसाद, योगेंद्र साव सहित उनके रिश्तेदारों और करीबी लोगों के 20 ठिकानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान विधायक और उनके पारिवारिक सदस्यों के मोबाइल और अन्य डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए थे।

शहरों के साथ गांवों में बिजली की कटौती जारी, ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 10 से 12 घंटे ही आपूर्ति

250 से 300 मेगावाट की कमी, गर्मी में बेचैन करेगी बिजली

PHOTON NEWS RANCHI : इस साल भी गर्मी में बिजली रुलाएगी। अभी गर्मी शुरू होते ही 250 से 300 मेगावाट बिजली की कमी होने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल रही है। जबकि शहरी क्षेत्रों में 19 से 21 घंटे ही बिजली मिल रही है। गर्मी में बिजली की डिमांड बढ़ कर 2500 से 3000 मेगावाट होने की संभावना जताई गई है। वित्तीय वर्ष 2014-15 में पीक ऑवर में (शाम छह बजे से रात 10 बजे तक) 86 मेगावाट कमी थी। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में यही कमी बढ़ कर 535 मेगावाट हो गई है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने केंद्र सरकार के पावर एक्सचेंज से 300 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की मांग की है। इसके लिए पत्राचार भी किया गया है। पावर एक्सचेंज से बिजली नहीं मिल पा रही है। बिजली न मिलने की वजह से सुबह व शाम के समय रांची, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, चाईबासा आदि जगहों पर प्रतिदिन बिजली की कटौती की जा रही है।

- शहरी क्षेत्रों में औसतन 19 से 21 घंटे ही मिल रही बिजली
- नहीं शुरू हो पाया पतरातू थर्मल पावर प्लांट
- गर्मी में बिजली की डिमांड बढ़ कर 2500 से 3000 मेगावाट होने की संभावना

झारखंड के पावर प्लांट की क्षमता 6200 मेगावाट, पर बिजली मिल रही सिर्फ 1300

झारखंड में में स्थापित पावर प्लांटों की क्षमता 6200 मेगावाट है। जबकि इन प्लांटों से 1300 मेगावाट बिजली ही मिल पाती है। बरसात के मौसम में ही 1600 मेगावाट बिजली मिल पाती है। इसका कारण है कि पूरी क्षमता से पावर प्लांटों से उत्पादन नहीं होता है। गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ कर 2500 से तीन हजार मेगावाट तक हो जाती है। इस मांग की पूर्ति के लिए बिजली खरीदनी पड़ती है।

2019 में ही पतरातू प्लांट से शुरू होना था उत्पादन

बता दें कि पतरातू पावर प्लांट से अब तक उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है। 2019 में ही पतरातू प्लांट से उत्पादन शुरू होना था, लेकिन 2024 अप्रैल में भी उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार अब जुलाई से उत्पादन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। पतरातू पावर प्लांट 4000 मेगावाट का है। इस पावर प्लांट से 85 फीसदी बिजली मिलेगी। वहीं नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट के दो यूनिट से बिजली मिलनी शुरू हो गयी है। वहीं गोड्डा स्थित अडाणी पावर से 1600 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। इससे उत्पादित सारी बिजली बांग्लादेश भेज दी जाती है। हालांकि शर्तों के अनुसार, अडाणी झारखंड को 400 मेगावाट बिजली देने पर सहमत हैं। इसके लिए भी पीपीए की प्रक्रिया पूरी होनी बाकी है।

गांजे की खरीद-बिक्री करते दो युवकों को पुलिस ने दबोचा

गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते रांची एसएसपी।

CRIME REPORTER RANCHI : गांजा की खरीद-बिक्री कर रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई की है। इस दौरान अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू चौक के पास छापेमारी की गई। यहां से पुलिस ने दो युवकों शिवा प्रधान और आरिफ खान को पकड़ा। इनके पास से चार किलो गांजा बरामद किया गया।

हथियार के साथ तीन गिरफ्तार : वहीं दूसरी तरफ नगड़ी थाना क्षेत्र के रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा के पास से अपराध की योजना बनाते तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। जिनमें कैफ अंसारी, नूरुल अंसारी और रेयाज अंसारी शामिल हैं। इनके पास से पुलिस ने एक देशी कट्टा और एक कार बरामद किया है।

BRIEF NEWS

आनंद मार्ग ने 5 मोतियाबिंद रोगियों का कराया मुफ्त लेंस प्रत्यारोपण

JAMSHEDPUR : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल ने पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से 5 मोतियाबिंद रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन करा कर मुफ्त लेंस प्रत्यारोपण कराया। रोगियों को दवा एवं चश्मा देकर घर पहुंचाया गया। इन रोगियों का चयन 11 अप्रैल को गदरा स्थित आनंद मार्ग जागृति शिव मंदिर के पास मोतियाबिंद जांच शिविर में किया गया था।

जाम से हलकान रहीं सड़कें, रेंगती रहीं गाड़ियां

JAMSHEDPUR : हिंदू नववर्ष यात्रा को लेकर शहर की सड़कें जाम रहीं। दोपहर बाद से ही मानगो, साकची, भालूबासा, टेल्को से कदमा तक की सड़कों पर गाड़ियां रेंगती रहीं। मानगो में जाम की बड़ी वजह डिमना रोड के सभी डिवाइडर को बांस से बंद कर देना रहा, तो दूसरा कारण बड़ा पुल के एक ही लेन में दोनों ओर की गाड़ियों को प्रवेश कराना रहा। इस वजह से छोटा और बड़ा दोनों पुल पर लंबा जाम लग गया। हालांकि, जब स्थिति विकट हो गई, तब एसडीओ पारुल सिंह, जेएनएसी के उपप्रशासक कृष्ण कुमार सहित अन्य पदाधिकारी भागदौड़ करने लगे, लेकिन जाम हटाने में सफलता नहीं मिली। मानगो गांधी मैदान की शोभायात्रा शाम साढ़े पांच बजे मानगो पुल से निकल चुकी थी, जबकि डिमना चौक की शोभायात्रा को पुल से निकलने में सात बज गए।

पिकअप वैन पलटने से 15 यात्री घायल, इलाज के लिए भेजे गए अस्पताल

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के बणई उपखंड के टिकायतपाली थाना अंतर्गत सरसरा के पास एक पिकअप वैन पलट जाने 15 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। इसमे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को बणई उपखंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिकअप वैन में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसा उस वक्त हुआ जब जांडा गांव से सड़कडीही पिकअप वैन रहा था।

बासुली मंदिर में काली पूजा शुरू हुई, लगता है मेला

ROURKELA : बणई शहर के बासुली मंदिर में नियमानुसार मां काली की पूजा शुरू हो गई है। मां की पूजा के बाद मां की एक छोटी से तस्वीर बनाई जाती है। राज उयास उसके सामने पीठ के पास जाकर उसकी पूजा करते हैं। बाद में यहां छऊ नृत्य होता है, पारंपरिक छऊ नृत्य देखने को भीड़ होती है। गरिया भार के बाद बणई का पारंपरिक चैत मेला शुरू होता है। इस चैत मेले में राज्य और राज्य के बाहर से व्यापारी आते हैं। दुकान लगाते है। यह मेला 15 दिनों से अधिक समय तक चलता है।

पूर्व विधायक निहार सोरेन समेत कई नेताओं ने बीजेडी से दिया इस्तीफा

ROURKELA : बीरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक जॉर्ज तिर्की के पुत्र जोसेफ तिर्की का नाम बीजेडी प्रत्याशी के रूप में घोषित किये जाने के बाद पार्टी में असंतोष देखा जा रहा था। कुआरमुंडा ब्लॉक बीजेडी की ओर से बैठक की गयी। इस बैठक में जोसेफ तिर्की की उम्मीदवारी का विरोध किया गया। कुछ दिन पहले पार्टी नेता ने जॉर्ज तिर्की पर बीजेडी और मुख्यमंत्री की आलोचना करने का आरोप लगाया दल के नेता द्वारा उनके बेटे को टिकट देने के विरोध में आज पार्टी के कई नेताओं और कार्यकताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। बीरमित्रपुर के पूर्व विधायक निहार सोरेन, कुआरमुंडा ब्लॉक बीजेडी अध्यक्ष राजेश हासदा समेत कई पार्टी कार्यकताओं ने इस्तीफा दे दिया। बैठक में नुआगांव ब्लॉक बीजेडी नेता मकलू एक्का दल शामिल हुए और उन्होंने लंबे समय तक पार्टी में काम करने वाले कार्यकताओं को पार्टी टिकट देने की मांग की थी।

ढुल्लू का नोटिस घटिया दर्जे का जवाब देने लायक नहीं : सरयू

ढुल्लू महतो ने विधायक सरयू राय को भेजा था लीगल नोटिस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : धनबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी और बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो ने विधायक सरयू राय को कानूनी नोटिस भेजा है। इसके जवाब में सरयू राय ने कहा कि यह कानूनी नोटिस घटिया दर्जे का है, जवाब देने लायक नहीं है। मैंने इसे फाड़कर रद्दी की टोकरी में फेंक दिया है। जब नोटिस का जवाब देने पर कानूनी कार्रवाई करने की धमकी देने वाले ढुल्लू महतो की यदि हिम्मत है तो सीधे न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं और मुझ पर मानहानि का मुकदमा कर दें। मुझे कानूनी नोटिस भेजना इनकी चुनावी चाल है। अपने ऊपर के आपराधिक मुकदमों से जनता का ध्यान भटकाने की साजिश है। मैं यह साजिश सफल नहीं होने दूंगा। इसका पदार्फाश करूंगा।

सरयू ने कहा कि कानूनी नोटिस में महतो ने मुझे सामंती मनोवृत्ति और गरीब विरोधी मानसिकता का बताया है। यदि महतो को शौक है कि मैंने जो आरोप उन पर लगाए हैं, उससे धनबाद लोकसभा क्षेत्र के लोगों

विधायक सरयू राय।

को अवगत होना चाहिए तो मैं इसका पंपलेट और पोस्टर बनवाकर धनबाद लोकसभा क्षेत्र के चौक-चौराहे पर लगवा दूंगा। मैं उन घटनाओं का भी उल्लेख पोस्टर में कर दूंगा, जिनमें महतो ने न केवल पिछड़े वर्ग बल्कि अपने सजातीय समुदाय पर घृणित अत्याचार किया है और उनकी हकमारी करते रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी सहित अन्य नेताओं को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए कि ढुल्लू महतो पर 46 मुकदमे होने की जानकारी स्वयं धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक ने झारखंड उच्च न्यायालय को पत्र लिखकर दिया है। इनमें से 4 मुकदमों में सजा हो चुकी है, शेष 4 मुकदमे धनबाद

अपनी कही बातों के लिए माफी मांगें विधायक सरयू राय : ढुल्लू

DHANBAD : धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विधायक ढुल्लू महतो ने जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में उनके वकील के द्वारा कहा गया है कि या तो अपनी कही गई बातों के लिए विधायक सरयू राय माफी मांगे अन्यथा उनके खिलाफ मुकदमा किया जाएगा।

जाने क्या है पूरा मामला : बता दें कि विधायक सरयू राय ने धनबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ढुल्लू महतो के खिलाफ कई आरोप लगाए थे। कहा था कि उनके खिलाफ 50 मामले लंबित है। दो-तीन मामलों को मिलाकर 4 साल से अधिक की सजा हुई है। नोटिस में कहा गया है कि आप यानी विधायक सरयू राय लाइव प्रेस कॉन्फ्रेंस फेसबुक पर कर तीन बार

विधायक ढुल्लू महतो।

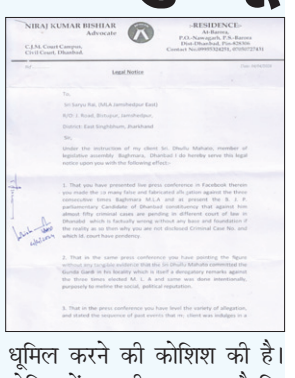

के लगातार बाघमारा से विधायक रहे तथा वर्तमान में भाजपा के धनबाद लोकसभा के उम्मीदवार ढुल्लू महतो पर कई तरह के अनर्गल आरोप लगाए हैं।

छवि धूमिल करने की कोशिश : वकालतन नोटिस में कहा गया है की प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपने कई तरह के झूठे आरोप लगाकर हमारे क्लाइंट की छवि

के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा झारखंड उच्च न्यायालय को लिखे

गए पत्र के बाद दर्ज हुए हैं। मैं पुनः दोहराना चाहता हूं कि ढुल्लू महतो

धूमिल करने की कोशिश की है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि आपने कई तरह के अनपार्लियामेंट्री शब्दों का प्रयोग किया है। आपका प्रेस कॉन्फ्रेंस पूरी तरह से मेरे क्लाइंट के सामाजिक छवि को धूमिल करने के लिए था। नोटिस में कहा गया है कि या तो आप माफी मांगे अथवा आपके खिलाफ मुकदमा किया जाएगा।

ने अपने ऊपर अपराधिक मुकदमे दर्ज होने का अर्द्धशतक बनाया है।

राउरकेला : बीजद कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

प्रत्याशियों की घोषणा के बाद चुनावी माहौल गरमाया

दिलिप तिर्की व रोहित जोसेफ तिर्की का स्वागत करते बीजद कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर के सेक्टर 8 में आगामी आम चुनाव को देखते हुए बिसरा प्रखंड के सभी कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की बैठक के साथ मिश्रण पर्व का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीरमित्रपुर के पूर्व विधायक जॉर्ज तिर्की और बीरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र के पर्यवेक्षक मनोज सेनापति ने कार्यकर्ताओं को बीजद के लोकसभा उम्मीदवार पद्मश्री दीलिप तिर्की और बिरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र के रोहित जोसेफ तिर्की को भारी मतों के अंतर से जिताने का गुरुमंत्र दिया गया। इस अवसर पर नवीन पटनायक की स्वच्छ, निर्मल छवि और विकास शैली से प्रेरित होकर बीरमित्रपुर के पूर्व नगरपाल शशि सागर और जॉर्ज सेना के कार्यकर्ता शाहिद आलम सहित 50 वरिष्ठ कार्यकर्ता औपचारिक रूप से बीजेडी में शामिल हुए।

बिसरा ब्लॉक बीजद अध्यक्ष सुरेश ओराम, बीरमित्रपुर निर्वाचन क्षेत्र युवा बीजद अध्यक्ष सोमनाथ राहा, बीरमित्रपुर नगर बीजद अध्यक्ष मनभंजन सिंहदेव, जिला बीजद उपाध्यक्ष प्रदीप राउतराय, आरसीएमएस अध्यक्ष परशु महापात्र, सुंदरगढ़ विशेष विकास परिषद सदस्य हिमांशु पांडा, जिला पार्षद दसमी मिंज, भालूलाता समिति सदस्य सुनीता मिंज, बंडामुंडा सरपंच अनिता तिर्की, जीतू टोप्पो समिति सदस्य, युवा नेता तारिक अजीज अंसारी, छात्र अध्यक्ष एम.डी. सद्दाम, गोपाल सिंह जिला बीजद सलाहकार, कपटमुंडा सरपंच मोतीलाल लकड़ा, बिश्रा सरपंच सूरज नायक, छात्र नेता एम.डी. एजाज आलम, बंटी, मोकिम, मनोज,विशाल शर्मा आदि प्रमुख उपस्थित थे।

योगासन में श्रेया साव व आशीष रंजन बने चैंपियन ऑफ चैंपियंस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन (डब्ल्यूएफएफ) ऑफ योगासन स्पोर्ट्स इंडिया के झारखंड चैप्टर द्वारा बिष्टुपुर मिलानी हॉल में 'झारखंड स्टेट योगसना स्पोर्ट्स चैंपियनशिप' का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यभर के 400 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में चैंपियंस ऑफ चैंपियन का खिताब महिला श्रेणी में श्रेया साव, जबकि पुरुष वर्ग में आशीष रंजन को मिला। इस दौरान मॉम्स केटेगरी में भाग लेने वाली महिलाओं ने भी बेहतर प्रदर्शन के पुरस्कार जीते।

प्रतियोगित का उद्घाटन फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम भदौरिया ने किया, जबकि

इस दौरान जैप आईटी के राजकुमार गुप्ता व टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (शेयर्ड सर्विसेज) प्रबाल घोष, फेडरेशन की महासचिव रितु रावत, बिल्डर राजेश सिंह, योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव संजय कुमार झा, दिलीप पोद्दार, अर्जुन शर्मा, पूरबी घोष, डा. लोकनाथ व फेडरेशन के टेक्निकल डायरेक्टर राजेश एम आचार्य भी मौजूद थे।

सरना धर्म कोड के लिए सेंगेल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखा पत्र

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आदिवासी सेंगेल अभियान ने एक बार फिर सरना धर्म कोड के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा है। उपायुक्त के माध्यम से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि प्रकृति पूजक आदिवासियों को अविलंब सरना धर्म कोड प्रदान किया जाए, क्योंकि हम हिंदू, मुसलमान, ईसाई आदि नहीं हैं। हमारा जबरन धर्मांतरण नहीं किया जाए।

दूसरी मांग आदिवासी गांव-समाज में संविधान, कानून, मानव अधिकार व जनतंत्र लागू किया जाए, जो अभी नहीं है। इसके साथ ही गांव में मौजूद आदिवासी

पत्र दिखाते आदिवासी सेंगेल अभियान के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

स्वशासन व्यवस्था में माझी-परगना आदि की वंशानुगत नियुक्ति बंद की जाए, क्योंकि यही लोग सामाजिक बहिष्कार, डायन करार देने, नशापान, अंधविश्वास, महिला विरोधी मानसिकता आदि को बढ़ावा देते हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्वी सिंहभूम जिला सेंगेल परगना जूनियर मुर्मू, सेंगेल दिशोम परगना सोनाराम सोरेन व केंद्रीय सेंगेल संयोजक बीमो मुर्मू शामिल थे।

शीतला मंदिर में नवरात्र महोत्सव शुरू, 32 दीपकलश होंगे प्रज्वलित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गोलमुरी के गाढ़ाबासा स्थित श्री श्री शीतला मंदिर सार्वजानिक नवरात्र(जवारां) महोत्सव सोमवार से शुरू हो गया। सोमवार शाम को बिरही भिगाने के साथ ही नौ दिनों तक चलने वाले जवारां महोत्सव शुरू हुआ। पुरोहित नरेश कुमार झा, काली बाबा, विजय सिंह ने बिरही भिगाया। जवारां महोत्सव में इस बार मंदिर में कुल 32 दीप कलश ज्योत स्थापित हो रहे है। मालूम हो कि मंदिर कमेटी पिछले 50 से अधिक वर्षों से नवरात्र जवारां महोत्सव का आयोजन करते आ रही है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष रामप्रकाश साहू और महामंत्री खेमलाल साहू ने बताया कि नौ दिनों तक शीतला मंदिर सार्वजानिक नवरात्र(जवारां) महोत्सव में प्रत्येक शाम को आरती होगी, और जसगीत होगा। अलग अलग स्थानों से आएं भजन मंडली जसगीत प्रस्तुत करेंगे। 16 अप्रैल को महाष्टमी की पूजा होगी। वहीं 17 अप्रैल को माता सिद्धीदात्री की पूजा के बाद जवारां विसर्जन शोभा यात्रा निकलेगी।

इस महोत्सव को सफल बनाने में उपकोषाध्यक्ष वेदवती यादव, सचिव रविशंकर दुबे, कांता देवांगन, धन्नू राव, भरत पटेल, अंकेक्षक हरिचरण साहू, मोहन कुमार, रूपचंद देवागंन, समेत सभी कमेटी सदस्य जुटे हुए है।

यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त, 20 यात्री जख्मी घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला से आ रही एक यात्री बस सोमवार सुबह मयूरभंज जिले के बांगरीपोशी घाटी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, जिसमें 20 यात्री घायल हो गये। यात्री बस का संतुलन बिगड़ने से वह पहाड़ी से टकरा गई, जिससे यात्री और चालक दोनों घायल हो गए। घायलों को बांगिरीपोशी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बस ड्राइवर की हालत गंभीर है। उनका बारीपदा स्तनांतर कर दिया गया है। उनका घर राउरकेला इलाके में बताया जाता है।

ईद का त्यौहार सामने था,

घटनास्थल पर जुटी भीड़। ● फोटोन न्यूज

अनुगुल , ढेंकनाल और क्योंझर जिलों के कई यात्रियों को लेकर बस राउरकेला से निकलकर मुर्शिदाबाद की ओर जा रही थी। सुबह बांगरीपोशी घाट पर सड़क किनारे पहाड़ी से टकरा गई। हादसे में बस ड्राइवर समेत 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्राइवर बस के अंदर फस जाने से फायर ब्रिगेड पहुंची और उसे कटर से काटकर निकल गया।

इंडिया मिंट की पहली बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस राउरकेला रीजेंसी में आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : आम चुनाव के अवसर पर राउरकेला के राधिका रीजेंसी होटल में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई है। सीपीएम नेता बिष्णु मोहंती ने बैठक का आयोजन किया जिसमें इंडिया गठबंधन के दो विधायक सीपीएम बणई विधायक लक्ष्मण मुंडा और राजगांगपुर कांग्रेस विधायक राजन एक्का शामिल हुए।

संवाददाता सम्मेलन में राउरकेला कांग्रेस विधायक उम्मीदवार बीरेंद्र नाथ पटनायक

और रघुनाथपाली कांग्रेस विधायक उम्मीदवार गोपाल दास और सुंदरगढ़ लोकसभा के कांग्रेस उम्मीदवार जनार्दन देहुरी भी मौजूद थे। मिंट ने विभिन्न कारखानों में स्थानीय लोगों को रोजगार देने में केंद्र और राज्य सरकारों की विफलता पर लोगों से संपर्क करने का फैसला किया है। इसके अलावा इंडिया गठबंधन ने राज्य सरकार पर श्रमिकों के हितों की रक्षा करने और जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने में विफल रहने का आरोप लगाया है गौरतलब है कि जिले में कांग्रेस, सीपीएम और झारखंड लिबरेशन फ्रंट इंडिया गठबंधन में हैं।

मानगो, कदमा, टेल्को सहित छह स्थानों से निकली हिंदू नववर्ष शोभायात्रा, जय श्रीराम..., जय बजरंग बली... के लगे नारे

भगवा झंडों से पटा जमशेदपुर, सड़क पर उमड़ा आस्था का सैलाब

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : विक्रम संवत- 2081 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की पूर्व संध्या पर सोमवार को पूरा जमशेदपुर राममय हो गया। मुख्य सड़कें भगवा झंडों से पट गईं, तो जगह-जगह लाउडस्पीकर पर भगवान श्रीराम व हनुमान की स्तुति वाले गाने-गीत सुबह से बजने शुरू हो गए थे। चौक-चौराहों पर सेवा शिविर लगाए गए थे, जहां हिंदू नववर्ष शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं व रामभक्तों को चना-शर्बत, गुड़ आदि भेंट किए गए।

इस वर्ष पहली बार शहर के छह स्थानों से हिंदू नववर्ष शोभायात्रा निकली, जिसमें ढोल-ताशा के साथ आकर्षक झांकी हर सनातन धर्मावलंबी में उत्साह का संचार कर रही थी। सोमवार को मानगो, कदमा, टेल्को सहित छह स्थानों से हिंदू नववर्ष शोभायात्रा

हिंदू नववर्ष शोभायात्रा में शामिल टेल्को क्षेत्र की महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

निकली। इसमें कोल्हान के पूर्व आयुक्त विजय कुमार के नेतृत्व में श्रीराम सेना की ओर से टेल्को राम मंदिर से, भाजमो युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में हिंदू जनजागरण मंच की ओर से बमार्माइंस के डनलप मैदान से एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान तक, हिंदू उत्सव समिति की ओर से मानगो गांधी मैदान से साकची स्थित सुभाष (आमबगान) मैदान तक, भाजपा नेता रामबाबू तिवारी की अगुवाई में डिमना चौक से साकची के सुभाष (आमबगान) मैदान तक, कदमा में हिंदू एकता समिति की ओर से गणेश पूजा मैदान से आमबगान मैदान तक और केसरिया सेना की ओर से नया कोर्ट परिसर स्थित ह्यूमपाइप दुगार्पूजा मैदान से लगभग दोपहर 2 बजे के बाद शोभायात्रा निकली। इस बार डिमना चौक से निकलने वाली शोभायात्रा में ह्यभारत का बच्चा-बच्चा जयश्रीराम बोलेगा...ह्व फेम गायिका पूजा गुलहानी भी अपने लोकप्रिय गीत गाते हुए रामभक्तों में ऊर्जा भर रही थीं।

हिंदू नववर्ष यात्रा में भगवा ध्वज के साथ बाइक सवार युवाओं की टोली। ● फोटोन न्यूज

मानगो में उमड़ा राम भक्तों का ज्वार

हिंदू उत्सव समिति की हिंदू नववर्ष यात्रा मानगो बड़ा हनुमान मंदिर से वीर बजरंगबली का आशीर्वाद लेते हुए मानगो चौक से लाखों रामभक्तों के साथ भव्य यात्रा निकाली, जो महाराणा प्रताप चौक और पुराना कोर्ट होते हुए साकची सुभाष मैदान (आमबगान) पहुंची। यहां 21 पंडितों द्वारा भारत माता की भव्य आरती उतारी गई, जिसमें असंख्य रामभक्त शामिल हुए। इस यात्रा में आकर्षण का केंद्र श्रीराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा, रामगढ़ का डंका, श्रीराम परिवार और शिव परिवार की झांकी, वानर सेना आधुनिक भव्य डीजे आदि रहे। नववर्ष यात्रा में हजारों महिलाएं पारंपरिक परिधान के साथ महारानी लक्ष्मी बाई,व दुगार्वाती के समान अपने धर्म की रक्षा करने का संदेश दे रही थीं। सभी महिलाओं की अगुवाई सुनीता शर्मा ने की, जो हिंदू उत्सव समिति की महिला प्रमुख भी हैं।

इस यात्रा को सफल बनाने में समिति के संरक्षक उपेंद्र सिंह मस्तान, धर्मेंद्र सोनकर, अध्यक्ष रविप्रकाश सिंह, पप्पू सिंह, विहिप गोरक्षा से अवतार सिंह परमार, हिंदू जनजागरण मंच से सुमित कुमार, अक्षय कोड़ा, गोल्डन पांडेय, केसरिया सेना के चंदन चतुवेर्दी, मृत्युंजय, धीरज, अभिमन्यु प्रताप सिंह, पीयूष परासर, नीलेश पांडेय, अश्विनी सिंह, संजीत शर्मा सहित लगभग 200 प्रमुख कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

मोहरदा में अखंड हरिनाम संकीर्तन आरंभ

JAMSHEDPUR : मोहरदा में सोमवार से श्री श्री सार्वजनिक राधा कृष्ण 24 प्रहर 72 घंटा अखंड हरि नाम संकीर्तन आरंभ हुआ। आयोजकों के मुताबिक, पहले दिन ही लगभग 20,000 श्रद्धालु उमड़े। श्रद्धालुओं के लिए तीनों दिन सुबह से लेकर रात तक महा भोग का आयोजन चल रहा है। यह अनुष्ठान लगभग 100 वर्ष से प्रतिवर्ष हो रहा है। इस कार्यक्रम में बांकुड़ा, मेदिनीपुर, चांडिल, चौका आदि से कीर्तन मंडली भाग ले रही है। यह हरिकीर्तन पूरे मोहरदा, विजया गार्डेन, आस्था ट्विन सिटी, वास्तु विहार में महापर्व के रूप में मनाया जाता है।

वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए निकाली मतदाता जागरूकता रैली

जहानाबाद। में लोकसभा मतदान की तिथियां नजदीक आ रही है। जिसको देखते हुए जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई है। डीएम अलंकृत पांडे ने घोसी प्रखंड में आज मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि इस जिले का मतदान प्रतिशत और जिले की अपेक्षा कम रहती है। जिसको देखते हुए जिला प्रशासन लगातार मतदाताओं को जागरूक कर रहा है। इसी को लेकर रैली आयोजन किया जा रहा है। यह रैली प्रखंड मुख्यालय से चलकर

वैरामसराय विद्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। जिला प्रशासन लगातार मतदाताओं को जागरूक कर रहा है कि सभी लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें। जो लोग जिले से बाहर रहते हैं वह मतदान के दिन अपने जिले में आकर अपना मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के लिए सभी मतदान केंद्रों पर गर्मी को देखते हुए पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। किसी को मतदाता को मतदान करने में कठिनाई नहीं हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस मतदान केंद्र पर मतदान कर्मी 80% मतदान कराएंगे उस मतदान केंद्र के सभी कर्मचारी और पदाधिकारी को पुरस्कृत किया जाएगा। जिले में लगातार मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि मतदान प्रतिशत जिले में बढ़ाया जाए। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रहेगी। किसी को भी मतदान करने में डरने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने इस दौरान घोसी हाईस्कूल पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया। पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। जल्द से जल्द सभी तैयारी पूरा कर लेने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त डायरी

मुजफ्फरपुर में ऑटो की भिड़ंत में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त इलाज के लिए ले जाते समय युवकों ने तोड़ा दम

मुजफ्फरपुर। में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर सामने आया है। ताजा मामला मीनापुर थाना क्षेत्र के प्रखंड मुख्यालय के पास का है। जहां एक ऑटो ई रिक्शा और डाला टेंपू में हुई सीधी भिडंत में ई रिक्शा सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच मेडिकल कालेज लाने के क्रम में एक युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। जबकि दूसरे युवक ने इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में दम तोड़ दिया। वही, इस सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही दोनों युवकों के परिजनों में हड़कंप मच गया है। भीषण सड़क हादसे में दो युवक की मौत के बाद पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया है। हादसा इतना जोरदार था कि दोनों ऑटो की भिडंत में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए है। पूरी घटना जिला के मीनापुर थाना क्षेत्र के ब्लॉक रोड के पास की बताई जा रही है। देर शाम हुई इस सड़क हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। जहां इस हादसे में गंभीर रूप में घायल दोनों युवकों को स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए रडटउल्ल में भेजा गया जहां दोनों ने युवकों ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। इस सड़क हादसे में मृत युवकों की पहचान मीनापुर थाना क्षेत्र के तालिमपुर के निवासी 25 वर्षीय अजय कुमार और 23 वर्षीय छोटेलाल कुमार के रूप में किया गया है। पुलिस मामले में आगे की करवाई में जुटी हुई है। जहां दोनों शव को कब्जे में लेकर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के मोर्चरी में भेज दिया गया है।

अब 40 की जगह सिर्फ 32 सीटों पर ही होगा आवेदन राज्य बदलने पर प्राइवेट जॉब वालों के बच्चों को नहीं मिलेगा ट्रांसफर

बिहार। के 49 केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बार पैरेंट्स को अपने बच्चों के एडमिशन में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि केवी ने हर क्लास में 8-8 सीटें कम कर दी हैं। वहीं बच्चों की ट्रांसफर पॉलिसी में भी बदलाव किया है। स्कूल की ओर से जारी एडमिशन नोटिफिकेशन के अनुसार अब हर क्लास में सिर्फ 32 सीटों के लिए ही नामांकन होगा। इससे पहले तक प्राइमरी से हायर सेकंडरी तक हर क्लास में 40 सीटें होती थीं। केंद्रीय विद्यालयों में हर साल बड़ी संख्या में आवेदन आते हैं, सीटें घटने से अब मुश्किल होगी। वहीं, बच्चों के ट्रांसफर पॉलिसी में बदलाव के तहत सबसे ज्यादा असर प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे पैरेंट्स पर पड़ेगा। प्राइवेट सेक्टर की नौकरी कर रहे पेरेंट्स का राज्य के बाहर ट्रांसफर होने पर बच्चों को दूसरे राज्य के स्कूल में ट्रांसफर नहीं मिलेगा। पटना स्थित केंद्रीय विद्यालय रीजनल ऑफिस की सहायक आयुक्त सोमा घोष ने बताया कि यह निर्णय नई शिक्षा नीति के तहत लिया गया है। डश में अधिक संख्या में छात्र होने से उन पर पूरी तरह ध्यान दे पाना संभव नहीं होता है और उनकी क्षमता घट जाती है। इसलिए सीटों में कटौती संबंधी यह निर्णय लिया गया है। केंद्रीय विद्यालय में सरकारी नौकरी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों के बच्चों को एडमिशन दिया जाता है। अगर पेरेंट्स का कहीं और ट्रांसफर होता है तो बच्चों को भी इंटर-स्टेट ट्रांसफर की सुविधा मिलती थी। अब इसमें बदलाव किया गया है। पहले सीटें खाली होने पर सभी पेरेंट्स के बच्चों को ट्रांसफर की सुविधा थी। अब सिर्फ सरकारी नौकरी में पदस्थ पेरेंट्स के बच्चों को ही ये सुविधा मिलेगी। प्राइवेट नौकरी में काम कर रहे लोगों के बचों को स्टेट ट्रांसफर की सुविधा का लाभ नहीं मिलेगा।

नीतीश बोले-2005 से पहले कुछ नहीं था रोहिणी ने कहा- मां सीता को भूली बीजेपी 9 अप्रैल की जगह 10 को आएंगे शाह

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को मंत्री विजय चौधरी के साथ जदयू दफ्तर पहुंचे और निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लालू-राबड़ी और तेजस्वी पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 के पहले बिहार में कुछ भी नहीं था। लोग घरों से बाहर निकलने से डरते थे। हमने विकास के काम किए। वो लोग उसे गिनवा रहे हैं, क्रेडिट लेने में लगे हैं। लालू प्रसाद यादव की दोनों बेटी के चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है इन लोगों को कुछ मिलने वाला नहीं है। राबड़ी आवास से प्रचार के लिए निकलते हुए सोमवार को रोहिणी आचार्य ने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आपलोग आ ही नहीं रहे हैं। पहली बार पॉलिटिकल करियर में आई हूं। लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। अपार भीड़ जुट रही है। मुझे याद नहीं है कि किसी और के लिए ऐसा देखी हूं। राम मंदिर को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि किसी ने प्राण प्रतिष्ठा में जाने से मना नहीं किया था। हमारे घर में भी मंदिर है। हमलोग भी पूजा करते हैं। लेकिन, बीजेपी के लोग सीता मां को भूल जा रहे हैं। सीता मां की भूमि बिहार है। हमलोग उनकी पूजा करते हैं। लेकिन, बीजेपी के नेता वहां जाकर बहन-बेटियों को गाली देते हैं। बिहार की माताएं और बहनें सब जवाब देगी। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के स्टार प्रचारक लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। पीएम मोदी दो बार रैली कर चुके हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली में बदलाव हुआ है। वे 9 अप्रैल को औरंगाबाद में रैली करने वाले थे। लेकिन, अब 10 अप्रैल को करेंगे। औरंगाबाद में भाजपा की ओर से सुशील कुमार सिंह को लोकसभा चुनाव का टिकट दिया गया है। वे यहां के सिटिंग सांसद भी हैं।

गृह मंत्री अमित शाह इससे पहले 9 मार्च को पटना के पालीगंज में ओबीसी के महासम्मेलन में शामिल हुए थे। उन्होंने बिहार में 40 के 40 सीटों पर जीत का दावा किया था। इस लोकसभा सीट पर क्या हैं जनता के मुद्दे और क्या है चुनावी हवा। चुनाव का सबसे सटीक और डीटेल एनालिसिस।

समस्तीपुर लौट रहे युवक से मांगा टिकट विरोध करने पर 60 हजार रुपए भी छीन लिए

समस्तीपुर। में पुलिस पर ट्रेन में एसबीआई मुख्य शाखा के कर्मी के साथ मारपीट का आरोप लगा है। आरोप है कि पुलिस ने मारपीट के बाद बैंककर्मी से 60 हजार रुपए भी छीन लिए। बैंककर्मी अमृतसर से जयनगर जा रही सरयुग जमुना एक्सप्रेस के थर्ड एसी के इकोनॉमी कोच में सफर कर रहे थे। वे छपरा से समस्तीपुर लौट रहे थे। तभी हाजीपुर-मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के बीच यह घटना हुई। समस्तीपुर में ट्रेन से उतरने के बाद बैंककर्मी ने जीआरपी थाने की शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, देर रात तक बैंककर्मी थाने पर डटे थे, लेकिन उनका आवेदन नहीं लिया गया था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से देखते हुए। जांच के बाद आरोपी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की जाएगी। बैंक कर्मी अभिषेक ने बताया कि थर्ड एसी के इकोनॉमी कोच में उनका रिजर्वेशन था। वह छपरा से समस्तीपुर लौट रहे थे। जब ट्रेन हाजीपुर से खुली उसके बाद कोच में कुछ पुलिस वाले सवार हुए। जिन्होंने टिकट की मांग की। जब उन्होंने कहा कि आप टिकट देखने वाले कौन होते हैं। इसी बात पर उनके साथ मारपीट की गई। इस दौरान उन्होंने साथ चल रहे पुलिस कर्मियों की मोबाइल से फोटो खींच ली। जिसके बाद दोनों पुलिस कर्मी ने इनकी जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान उसके जेब में रखा 60 हजार रुपए भी निकाल लिया गया।

2 बाइक की टक्कर 10 फीट हवा में उछले 3 की मौत

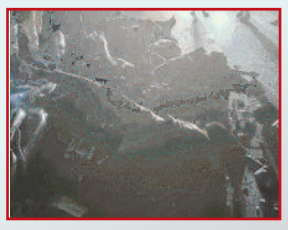

छपरा। में 2 बाइक की टक्कर में 3 युवकों की मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। इनमें से एक बाइक पर 3 युवक रोहिणी आचार्य का रोड शो कर लौट रहे थे। सामने वाले गाड़ी पर भी 3 लोग सवार थे, ये सभी नौकरी कर के घर लौट रहे थे। हादसा छपरा-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर भेल्दी थाना क्षेत्र के राजा चौक कटसा के पास हुआ। मरने वाले दो लोग ड्यूटी से घर लौट रहे थे, जबकि एक दरियापुर से रोहिणी आचार्य का रोड शो करके दोस्तों के साथ वापस लौट रहा था। मृतकों की पहचान आकाश कुमार ठाकुर (19), चंदन कुमार (20) और धीरज कुमार (21) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों की पहचान ज्ञान चंद कुमार, बाबू साहब और रोशन कुमार के रूप में हुई। बताया जा रहा कि हादसे के वक्त दोनों बाइक की स्पीड 80 के ऊपर थी। टक्कर के बाद बाइक सवार युवक 10 फीट हवा में उछलकर सड़क पर गिरे। हादसे में दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने ठल्ल-722 पर आगजनी करते हुए आवागमन बाधित कर दिया। मुख्य मार्ग पर देर रात एक बजे तक आवागमन बाधित रहा। पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पहल पर यातायात बहाल कराई गई। बताया जाता है कि रविवार को आकाश, चंदन और ज्ञान चंद तीनों एक बाइक पर सवार होकर गड़खा के एक निजी चिकित्सालय में काम करके घर लौट रहे थे। दूसरी बाइक पर सवार धीरज, रोशन और बाबू साहब सारण से राजद प्रत्याशी लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के क्षेत्र में किए जा रहे जनसंपर्क अभियान में भाग लेकर वापस घर लौट रहे थे। तभी हादसा हो गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। घायलों को आनन-फानन में उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सकों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर भेल्दी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। इधर, घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मां आशापुरी मंदिर में तंत्र विधि से होती है पूजा वर्षों से चली आ रही परंपरा

नालंदा। चैत्र नवरात्र का पर्व महादेवी को समर्पित है। इस दौरान दुर्गा माता के नौ स्वरूपों की अलग-अलग दिन पूजा की जाती है। इस साल चैत्र नवरात्रि की शुरूआत 9 अप्रैल से हो रही है। ऐसा माना जाता है कि जो साधक इस व्रत के सभी नियमों का पालन करते हैं उन्हें मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है साथ ही जीवन में खुशहाली बनी रहती है। वहीं नालंदा में एक देवी मंदिर ऐसा है जहां इन नौ दिनों तक महिलाओं का प्रवेश वर्जित कर दिया जाता है। जिला मुख्यालय बिहार शरीफ से 15 किलोमीटर दूर गिरियक प्रखंड के घोषरामा गांव में मां आशापुरी मंदिर हैं। इस मंदिर में महिलाओं का अंदर प्रवेश करने पर नवरात्रि के समय पाबंदी लगा दी जाती है यह नियम चैत्र नवरात्र और आसान माह नवरात्र के समय लागू रहता है। मंदिर के पुजारी चिरंजीव कुमार उपाध्याय बताते हैं कि 9 दिवसीय यहां अखंड व्रत चलता है और यहां सभी जगह वसंत नवरात्रि मनाया जाता है। यहां अलग ढंग से नवरात्री मनाया जाता है। यहां तीनों गुण से पूजा होती थे। सतोगुण रजोगुण तमोगुण, यहां तीन तरह के सात्विक दही दैविक, भौतिक यह तीन सुखों के लिए किया जाता है। वाममार्गी जो पूजा है वह इसलिए स्त्रियों को प्रवेश वर्जित रखा जाता है कि किसी समय वह अपवित्र हो जाती है। दूसरी तंत्र साधना में नारियों को निषेध माना गया है। इसलिए महिलाओं को नवरात्रि के मौके पर प्रवेश वर्जित रखा गया है। नवरात्रि की तैयारी अभी से की जा रही है सात्विक आहार ले रहे हैं, सात्विक भोजन कर रहे हैं, सात्विक विचार है, सात्विक सोच है।

पारस आशीर्वाद देने को तैयार चिराग बोले-आगे निकल चुका हूं

हाजीपुर। चिराग पासवान और चाचा पशुपति पारस के रिश्तों में अब भी कड़वाहट बनी हुई है। भले ही पशुपति पारस की पार्टी ने बिहार की 40 सीटों पर एनडीए कैंडिडेट को समर्थन दिया है। इसके बावजूद चिराग इस रिश्ते को सुधारने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। चाचा पशुपति का आशीर्वाद मिलने की बात पर चिराग भावुक हो उठे और कहा कि मुझे मेरे ही घर से निकालकर बाहर फेंक दिया गया था, वजह आज तक नहीं पता। बीमारी में चाचा के घर उनका आशीर्वाद लेने गया तो वहां चाची ने दो घंटे बाद दरवाजा खोला और कहा कि तुम्हारे साथ जो हुआ ठीक हुआ। हाजीपुर लोकसभा प्रत्याशी चिराग ने पुरानी बातें याद की। साथ ही कहा कि अब मैं इन चीजों से बहुत आगे निकल गया हूं। अब मेरा मिशन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट है। मोदी जी को दोबारा देश का पीएम बनाने के लिए बिहार की 40 सीटों में जीत दिलानी है। चिराग पासवान रविवार की रात कुछ निजी कार्यक्रम को लेकर हाजीपुर पहुंचे। जहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। बता दें कि पशुपति पारस ने कहा था कि हम सभी चालीस सीटों पर एनडीए का समर्थन करेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो चिराग के समर्थन में प्रचार भी करने जाएंगे। चिराग पासवान ने कहा कि मेरे चाचा पशुपति पारस का पहले से आशीर्वाद मिलता था, लेकिन अपना आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर से क्यों हटा लिया यह मुझे समझ में नहीं आ रहा। पता नहीं क्या कारण था कि मुझे घर और परिवार से निकाल दिया गया। जब मीडिया के लोग उनसे बार-बार यह सवाल करते थे कि चिराग और आपके बीच कभी समझौता होगा या नहीं तो उनका एक ही जवाब आता था कि सूरज पश्चिम से उग सकता है, लेकिन चिराग से मेरा कोई रिश्ता नहीं होगा। चिराग ने कहा कि- परिवार एक होने के बात पर उनका (चाचा) नेवर-नेवर कहना मुझे नहीं पता। यह सारी बातें सारी घटना क्यों घटी? अगर मैं उनका सगा बेटा होता तो क्या इसी तरीके से मुझे निकाल कर बाहर करते। आगे चिराग बोले कि पार्टी और परिवार टूटने के बाद अपने ही घर का दरवाजा मेरे लिए बंद कर दिया गया। मुझे टाइफाइड हुआ था, हाथों में कैनुला लगा था। प्रधानमंत्री को देना है। यह आंकड़ा देश में 400 का पर होगा। चिराग पासवान हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र का दौरा किया और बिना नाम लिए हुए चाचा पशुपति कुमार पारस जमकर निशाना साधा।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य बोलीं हवा में उड़ने वालों का प्लेन टेकऑफ हो जाएगा

सारण। लालू यादव को किडनी की जरूरत थी। दूसरे नंबर की बेटी रोहिणी सामने आई और अपनी एक किडनी दी। उस समय तक किसी को अंदाजा नहीं था कि रोहिणी अपने पिता की राजनीतिक विरासत बचाने के लिए चुनाव में उतरेंगी। सोशल मीडिया पर अपने तीखे तेवरों से विरोधियों को घेरने वाली रोहिणी सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। मुकाबला बीजेपी के कद्दावर नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और 4 बार के सांसद राजीव प्रताप रूडी से है। रोहिणी सिंगापुर से आकर सारण की सड़कों पर धूप और धूल के बीच लोगों से अपने लिए वोट मांग रही हैं। रोहिणी ने राजनीति में आने का मन कब बनाया क्या लालू की बेटी होने की वजह से टिकट मिला दैनिक भास्कर ने उनसे ये सवाल पूछे। रोहिणी ने परिवारवाद की राजनीति के सवाल का भी जवाब दिया। मैंने राजनीति में आने के लिए बहुत पहले ही ठान लिया था। जब बिहार के मुजफ्फरपुर में छोटी बच्चियों के समय मेरे बच्चे छोटे थे, इसलिए मैं आ नहीं पाई।

तेजस्वी बोले-नीतीश कुमार ने पीएम मोदी के पैर छुए

नवादा। पीएम मोदी की चुनावी सभा हुई। जिसमें नीतीश समेत कई बड़े नेता भी शामिल हुए। तेजस्वी यादव ने इस रैली का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में पीएम मोदी, नीतीश समेत कई नेता मंच पर दिख रहे हैं। इस दौरान नीतीश पीएम मोदी का अभिवादन करते दिख रहे हैं। तेजस्वी ने वीडियो शेयर कर कहा है कि नीतीश मोदी के पैर छू रहे हैं। इतने बुजुर्ग और अनुभवी होकर नीतीश कुमार ने जो भरे मंच पर किया, उससे हम शर्मिंदा हैं। तेजस्वी ने आगे कहा कि यह देखकर हमें शर्म महसूस हो रही है। क्या हालात हो गए हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि अटल और आडवाणी की अलग थी। बगहा में चुनावी सभा में शामिल होकर तेजस्वी पटना लौटे थे, और एयरपोर्ट पर ये बातें कहीं। इधर, जदयू ने बयान पर आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने को कहा है। पार्टी का कहना है कि तेजस्वी को सम्मान की व्यावहारिकता का ज्ञान नहीं है। तेजस्वी ने आगे कहा कि लंबे समय से नीतीश जी मुख्यमंत्री बने हुए हैं। इतना अनुभवी नेता देश में और कोई नहीं है। मोदी जी तो गुजरात में जब भूकंप आया था, लेकिन नीतीश कुमार उससे पहले न केवल बिहार के मुख्यमंत्री बन चुके थे, बल्कि वे कई बार केन्द्रीय मंत्री भी रह चुके थे। यह वही नीतीश कुमार हैं जो मोदी जी की थाली खींचने से भी नहीं घबराते थे। हमने डेटा पेश करते हुए परिवारवाद का जिक्र किया तो वह चुप हो गए। PM हर बार सभा करते हैं। उन्होंने नवादा में सभा को संबोधित किया। इसके पहले उन्होंने कहा था।

नवादा में बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के खिलाफ दूर की नाराजगी वोटों के बिखराव को एकजुट किया

पटना। 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार बीजेपी मगध इलाके में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। मगध की किलेबंदी का मोर्चा खुद पीएम नरेंद्र मोदी संभाल रहे हैं। यही कारण है कि तीन दिन के भीतर नरेंद्र मोदी दूसरी बार बिहार आएं। 4 अप्रैल को उन्होंने जमुई में एनडीए प्रत्याशी और चिराग के बहनोई अरुण भारती के पक्ष में प्रचार किया तो रविवार को नवादा में बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के खिलाफ नाराजगी दूर की। वहीं, 14 अप्रैल को उनकी गया में रैली प्रस्तावित है। पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी रविवार को पहली बार नवादा आए थे। वे कुंतीनगर सभा स्थल पर एक घंटा रुके। अपने

संबोधन में उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। साथ ही बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के खिलाफ लोगों की नाराजगी भी दूर की। अब माना जा रहा है कि इस रैली के बाद नवादा में बीजेपी प्रत्याशी विवेक ठाकुर के खिलाफ पार्टी के भीतर की नाराजगी खत्म हो गई है और सभी एकजुट हो गए हैं। बाहरी वर्सेज लोकल का मुद्दा पार्टी के भीतर ही गर्म हो रहा था। इस खाई को कुछ हद तक पीएम पाटने में सफल रहे। नरेंद्र मोदी इससे पहले 2014 में नवादा आए थे। तब उन्होंने गिरिराज सिंह के लिए प्रचार किया था। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं कि मोदी के लिए जो क्रेज उस समय था, वही क्रेज आज भी देखने को मिला। जब तक मोदी मंच पर रहे, भीड़ से मोदी...मोदी का नारा गूंजता रहा। स्थिति यह थी कि सीएम नीतीश कुमार के भाषण के दौरान भी भीड़ से मोदी...मोदी की ही आवाज गूंज रही थी। लोग नीतीश कुमार की जगह नरेंद्र मोदी को सुनना चाहते थे। नवादा के सीनियर जर्नलिस्ट अशोक प्रियदर्शी कहते हैं कि नवादा बीजेपी की परंपरागत सीट रही है। 1984 से बीजेपी रनर या विनर की भूमिका में रही है। 2009 से तो लगातार एनडीए के प्रत्याशी जीतते रहे हैं। 2009 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के भोला सिंह तो 2014 में गिरिराज सिंह जीते। 2019 में गठबंधन के तहत ये सीट लोजपा के खाते में गई तो पार्टी के प्रत्याशी चंदन सिंह यहां से चुनाव जीतने में सफल रहे। इस बार बीजेपी ने ये सीट अपने खाते में ली है। ऐसे में पार्टी किसी भी सूरत में अपनी जीत का रिकॉर्ड खराब नहीं करना चाहेगी। पीएम की रैली उसी का हिस्सा था। बीजेपी हर चुनाव में नवादा में प्रत्याशी बदल दे रही है। पार्टी की ओर से बाहरी नेता को यहां से कैंडिडेट बनाया जाता है। इस बार यहां ये मुद्दा धीरे-धीरे हावी होने लगा था। राजद के प्रचार का थीम ही घर के बेटे के इर्द-गिर्द है। सीनियर जर्नलिस्ट अशोक प्रियदर्शी कहते हैं कि पीएम की रैली पार्टी के भीतर इस नाराजगी को पाटने में कुछ हद तक जरूर सफल रही है। इसका लाभ विवेक ठाकुर को मिलेगा। बाहरी और लोकल के मुद्दे से कार्यकताओं के बीच जो मतभेद थे। वह पीएम की स्पीच के बाद कुछ हद तक दूर होंगे। मंच पर सभी नेता एकजुट थे।

देश की समृद्धि तथा प्रगति का सूचक है नवसंवत

डॉ. आशीष वशिष्ठ

नवसंवत हमारी संस्कृति से जुड़ा है। हम कितनी भी बुलंदियां छू लें, लेकिन अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। कुछ लोग नवसंवत के महत्व को नहीं समझते। अपने धर्म व संस्कृति के उत्सवों को मनाने का सभी में लगाव होना चाहिए। हमारे महापुरुषों व वीर योद्धाओं ने धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए बहुत बलिदान दिया है क्या वह बलिदान इसलिए ही दिया था की एक दिन हम अपनी संस्कृति व धर्म को ही भूल जाएं। वास्तव में, विक्रम संवत न सिर्फ एक मान्यता है, बल्कि खगोलीय गतिविधियों को भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित करता है। विदेशी परंपराओं से परे अपनी भारतीय संस्कृति की इस अनमोल धरोहर व सटीक गणितीय गणना वाले विक्रम संवत का नई पीढ़ी में भी सही जानकारी के साथ प्रचार-प्रसार होना चाहिए। हर्षोल्लास के साथ हिंदू नव वर्ष मनाया जाना चाहिए। अपनी संस्कृति से जुड़कर ही हम देश व समाज के लिए कुछ सकते हैं।

भारतीय नववर्ष की शुरूआत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है। चैत्रे मासि जगद् ब्रह्मा ससर्ज प्रथमे अहनि, शुक्ल पक्षे समग्रेतु तु सदा सूर्योदये सति। ब्रह्म पुराण में वर्णित इस श्लोक के अनुसार चैत्र मास के प्रथम सूर्योदय पर ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। इस तिथि को रेवती नक्षत्र में, विष्कुम्भ योग में दिन के समय भगवान के आदि अवतार मत्स्यरूप का प्रादुर्भाव भी माना जाता है। इसलिए यही वो दिन है जब से भारत वर्ष की कालगणना की जाती है। हेमाद्रि के ब्रह्म पुराण के अनुसार, ब्रह्मा जी ने पृथ्वी की रचना चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन की थी।

प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (पड़वा) को मनाया जाना वाला नव संवत्सर पर्व यूं तो हिंदू कैलेंडर के मुताबिक नववर्ष कहलाता है, लेकिन ये दिवस विशेष भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है। यही वजह है कि ये दिवस महज एक नया साल का प्रारंभिक दिवस नहीं बल्कि भारतवर्ष की सदियों और युगों की कई ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक घटनाओं का साक्षी भी है। वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों ओर पुष्पों की सुगंध से भरी होती है। फसल पकने का प्रारंभ यानी किसान की मेहनत का फल मिलने का समय भी यही होता है। नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं। यानी किसी भी कार्य प्रारंभ करने के लिए शुभ मुहूर्त होता है। युगों में प्रथम सत्य युग का प्रारम्भ भी इस तिथि को हुआ था।

कहा जाता है कि नवसंवत्सर कई मायनों में विशेष है, क्योंकि इससे कई ऐतिहासिक संदर्भ जुड़े हुए हैं। जैसे कि भगवान राम का राज्याभिषेक दिवस, शक्ति की आराधना वाले नवरात्र का आरंभ, शौर्य पर्व वाले विक्रम संवत का प्रारंभ तथा द्वापर युग में प्रारंभ हुए युधिष्ठर संवत का समापन सतयुग में इसी दिन किया गया था, ब्रह्माजी द्वारा सृष्टि की रचना का प्रारंभ, आर्य समाज की स्थापना का दिवस सहित भगवान झूलेलाल तथा महर्षि गौतम जी का जन्म भी इस विशेष नववर्ष के दिन ही हुआ है। वहीं गुरु अमरदास को भी गुरु गद्दी इसी दिन प्राप्त हुई तो स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना भी इसी दिन की थी। संघ संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म विक्रमी संवत पर हुआ था। यही वजह है कि इस दिवस का जनमानस में विशेष महत्व है,क्योंकि ये त्योहार किसी एक वर्ग, संप्रदाय या धर्म का नहीं बल्कि हर भारतीय का है।

यह तिथि ऐतिहासिक महत्त्व की भी है। इतिहास के अनुसार शकों ने (शक जाति) उज्जैनी पर आक्रमण करके अपना साम्राज्य विदिशा और मथुरा तक फैला लिया था। उनके अत्याचारों से पीड़ित होकर जनता भयभीत हो उठी थी। तब तत्कालीन मालवा के प्रमुख नायक विक्रमादित्य ने आक्रमणकारियों को खदेड़ दिया था। विक्रम संवत को सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को पराजित करने के उपलक्ष्य में 57 ईसा पूर्व शुरू किया था। इसी दिन से चारों ओर प्राकृतिक वातावरण में नूतनता और मादकता आ जाती है, इसलिए इसे नया संवत कहना उचित है। नवसंवत को हम देश की समृद्धि तथा प्रगति का सूचक भी मानते हैं।

भारतीय पंचांग और काल निर्धारण का आधार विक्रम संवत है। वर्ष का पर्यायवाची है संवत। विद्वान कहते हैं कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सांस्कृतिक कारणों से भी नवसंवत का महत्व है। आज भले ही ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार एक जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष ज्यादा चर्चित हो, लेकिन इससे कहीं पहले से अस्तित्व में आर्या हिंदू विक्रमी संवत आज भी धार्मिक अनुष्ठानों और मांगलिक कार्यों में तिथि व काल की गणना का आधार बना हुआ है।

विक्रमी संवत का संबंध सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत और ब्रह्मांड के ग्रहों एवं नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना को दर्शाती है। ब्रह्मांड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नवसंवत यानी संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें एवं 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में दिया गया है। सौर मंडल के ग्रहों एवं नक्षत्रों के चाल, उनकी निरंतर बदलती स्थिति पर भी हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इस समय शीतकाल की शीतलता एवं ग्रीष्म काल की आतपता का मध्यबिन्दु होता है। वसंत के आगमन के साथ ही पतझड़ की कटु स्मृति को भुलाकर नूतन किसलय एवं पुष्पों से युक्त पादप वृंद इस समय प्रकृति का अद्भुत शृंगार करते हुए दिखलाई देते हैं। पशु-पक्षी, कीट-पतंग, स्थावर-जंगम सभी प्राणी नई आशा के साथ उत्साहपूर्वक अपने-अपने कार्यों में लगे दिखाई देते है। ऐसे उत्साहयुक्त समय में वार्षिक काल गणना का श्रीगणेश करते हुए नूतनवर्ष का स्वागत सहज ही प्रतीत होता है।

विक्रम संवत आज तक भारतीय पंचांग और काल निर्धारण का आधार बना हुआ है। सबसे बड़ी विशेषता इस कैलेंडर की यह है कि यह वैज्ञानिक रूप से कालगणना के आधार पर बना हुआ है। यही नहीं यूनानियों ने नकल कर भारत के इस हिंदू कैलेंडर को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैलाया। भले ही आज दुनिया भर में अंग्रेजी कैलेंडर का प्रचलन बहुत अधिक हो गया हो लेकिन भारतीय कैलेंडर की महत्ता कम नहीं हुई। आज भी हम अपने व्रत-त्योहार, महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि, विवाह व अन्य सभी शुभ कार्यों को करने के मुहूर्त आदि भारतीय कैलेंडर के अनुसार ही देखते हैं। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही वासंती नवरात्र भी प्रारंभ होते हैं। सबसे खास बात इसी दिन ही सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। ताज्जुब होता है जिस भारतीय कैलेंडर ने दुनिया भर के कैलेंडर को वैज्ञानिक राह दिखाई आज हम उसे ही भूलने लग गए हैं। भारतीय हिंदू नववर्ष के दिन हम शुभकामनाएं देने से हिचकिचाते हैं शायद इसलिए की कहीं हम पर रूढ़ीवादी का टैग न लग जाए। जबकि अपनी संस्कृति संस्कारों का अनुसरण करना रूढ़िवादिता नहीं। यह तो वह बहुमूल्य धरोहर है जिससे एक तरफ पूरा विश्व सीख रहा है तो दूसरी ओर हम इस धरोहर को खोते जा रहे हैं। दुनिया को राह दिखाने वाली संस्कृति आज खुद राह से भटकने को मजबूर है। भले ही आज सोशल मीडिया पर हिंदू नववर्ष को मनाने के लिए हम सब संदेशों को प्रचारित प्रसारित कर रहे हों लेकिन हकीकत में उस दिन को भूल जाते हैं।

नवसंवत हमारी संस्कृति से जुड़ा है। हम कितनी भी बुलंदियां छू लें, लेकिन अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। कुछ लोग नवसंवत के महत्व को नहीं समझते। अपने धर्म व संस्कृति के उत्सवों को मनाने का सभी में लगाव होना चाहिए। हमारे महापुरुषों व वीर योद्धाओं ने धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए बहुत बलिदान दिया है क्या वह बलिदान इसलिए ही दिया था की एक दिन हम अपनी संस्कृति व धर्म को ही भूल जाएं। वास्तव में, विक्रम संवत न सिर्फ एक मान्यता है, बल्कि खगोलीय गतिविधियों को भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित करता है। विदेशी परंपराओं से परे अपनी भारतीय संस्कृति की इस अनमोल धरोहर व सटीक गणितीय गणना वाले विक्रम संवत का नई पीढ़ी में भी सही जानकारी के साथ प्रचार-प्रसार होना चाहिए। हर्षोल्लास के साथ हिंदू नव वर्ष मनाया जाना चाहिए। अपनी संस्कृति से जुड़कर ही हम देश व समाज के लिए कुछ सकते हैं।

संपादकीय

कांग्रेस के घोषणापत्र पर जंग

कांग्रेस ने लोक सभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र -'न्यायपत्र' में महिला, युवा, किसान, गरीबों को न्याय की बात करते हुए 25 गारंटियों पर जोर दिया है। कांग्रेस ने 10 अलग-अलग न्याय पर आधारित कुल 344 से ज्यादा वादे किए गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के घोषणापत्र पर पहले ही दिन हमला किया। उन्होने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र से साबित हो गया है कि कांग्रेस, आज के भारत की आशाओं-आकांक्षाओं से पूरी तरह कट चुकी है। उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र को उसी सोच का द्योतक बताया जो आजादी के आंदोलन में मुस्लिम लीग की थी, लेकिन कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री अपने इतिहास से परिचित नहीं हैं क्योंकि वह कोई और नहीं, बल्कि जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी थे, जो 1940 के दशक की शुरूआत में लीग के साथ बंगाल में गठबंधन सरकार का हिस्सा थे। खरगे ने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र राजनीतिक इतिहास में न्याय के दस्तावेज के रूप में याद किया जाएगा। अलबत्ता, इसमें ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) की बाबत कोई आस्ति नहीं है। घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष पी. चिदंबरम के मुताबिक, ओपीएस को लेकर सरकार की समिति की रिपोर्ट का इंतजार है, इसलिए इस मुद्दे को घोषणापत्र में शामिल नहीं किया गया है। बहरहाल, घोषणापत्र, जिसे कांग्रेस ने न्यायपत्र-2024 कहा है, या संकल्पपत्र, जैसा कि भाजपा अपने घोषणापत्र को कहती है, चुनाव में दावेदारी पेश करने वाली हर पार्टी जारी करती है। पहली बार है, जब कांग्रेस ने देश में व्याप्त 'डर' की बात जोर-शोर से कही है। पार्टी ने अपना घोषणापत्र जारी करते समय दो सवालों को जनता की तरफ उछाला है, जिनसे घोषणापत्र हवा-हवाई घोषणाओं को पुलिंदा भर न दिखे। पार्टी ने आमजन से पूछा है, क्या आज आपका जीवन 2014 की तुलना में बेहतर है, और दूसरा सवाल यह कि क्या आपका मन भयमुक्त है। कांग्रेस के घोषणापत्र में किसानों को एमएसपी देने संबंधी वादा भी महत्त्वपूर्ण बिंदु है। यह मुद्दा किसानों के लिए बेहद संवेदनशील रहा है, और वे काफी समय से इसके लिए मांग मुखर करते रहे हैं।

भारतीय राजनीति को लगे ग्रहण को पहचानिये

प्रहलाद सबनानी

भारत में सोमवार को सूर्यग्रहण दिखाई नहीं दिया लेकिन सूर्यग्रहण था। यही हाल भारतीय राजनीति का है। भारतीय राजनीति को एक अदृश्य/दृश्य ग्रहण लगा हुआ है लेकिन न उसके सूतक का पता चला और न उसके विमोचित की कोई सूचना है। दरअसल ये ग्रहण है ही ऐसा कि जिसके बारे में कोई ज्योतिषी काल गणना कर ही नहीं सकता। इस अनूठे ग्रहण से भारतीय राजनीति को केवल जनता ही मुक्ति दिला सकती है ,बाशर्त की जनता जागे।

मुझे राजनीति और नेताओं पर लिखते -लिखते अब अजीर्ण होने लगा है ,लेकिन मै लगातार इन दोनों पर लिख रहा हूँ ताकि भारतीय राजनीति पर लगा ग्रहण समाप्त हो सके। लेकिन ये कोशिश ठीक वैसी ही है जैसे कोई कांजी की एक बूँद से समुद्र का जल दोफाड़ करना चाहे। किन्तु कोशिश तो कोशिश है , की जाती है। हमारे गुरुजन तो कहते थे कि- हवा में अपनी तर्जनी घुमाना भी एक तरह का हस्तक्षेप है । जनता को भी ये हस्तक्षेप करना चाहिए,क्योंकि अब समय आ चुका है हस्तक्षेप करने का। अब भारत की राजनीति बेपटरी हो चुकी है। भारत की राजनीति और राजनेता उस सांड की तरह हैं जो लाल रंग का कपड़ा देखते ही भड़क उठते हैं।

मुश्किल ये है कि आप इस ग्रहण लगी सियासत से अपने आपको बचा भी नहीं सकते। आपको इसमें लिप्त होना ही पड़ता है। चाहे भी और अनचाहे भी। यूपी जाइये तो वहां माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की जेल में संदिग्ध मौत के बाद समाजवादी पार्टी मातमपुर्सी के लिए अपने सुप्रीमो को अंसारी के घर भेजती है। दिल्ली में भाजपा को शराब से शीश महल अभियान चलकर आप के सुप्रीमो का आभामंडल धूमिल करने का जतन करना पड़ता है। बिहार में पप्पू यादव और लालू यादव के परिवार के बीच जुबानी जंग शुरू हो जाती है। मप्र में टिनोपाल मंत्री रहे भाजपा के हारे नेता दावा करते हैं कि मप्र कांग्रेस के ढाई लाख कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। हिमाचल में कांग्रेस को भाजपा की रानी लक्ष्मी बाई के खिलाफ मुहीम चलने के लिए उनके खानपान पर उँगली उठाना पड़ती है। लेकिन देश की जनता के असल मुद्दों पर कोई नहीं बोलना चाहता।

राजनीति में चल रही जगलरी को कोई रेखांकित करने के लिए राजी ही नहीं है ,क्योंकि सबहि नचावत गुजराती भाई । गुजरातियों के प्रति मेरे मन में कोई घृणा नहीं है ,क्योंकि आखिर गुजरात भी तो हमारे देश का ही अभिन्न अंग है। गुजरात के ही मोहनदास करमचंद गांधी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया था। लेकिन दुर्भाग्य ये है कि आज देश गुजरात के गांधी मॉडल पर नहीं बल्कि गुजरात के मोदी-शाह मॉडल पर चल रहा है। ये मॉडल भी अस्पृश्य नहीं है। लेकिन दोषपूर्ण अवश्य है। इसी मॉडल की वजह से देश की राजनीति को ग्रहण लगा है। इस ग्रहण को आप न सूर्य ग्रहण कह सकते हैं और न चंद्र ग्रहण। ये ग्रहण लोटस ग्रहण है। कीचड़ से सना लोटस । लोटस यानि कमल ,यानि पंकज। इस ग्रहण ने न सिर्फ देश के सामाजिक ताने -बाने को तार-तार कर दिया है बल्कि देश की एक बड़ी आबादी को रतौंधी का रोग भी लगा दिया है।

रतौंधी एक नेत्र व्याधि है। इसमें या तो सब कुछ धुंधला दिखाई देता है या फिर मरीज को सब कुछ भगवा रंग का दिखाई देने लगता है । ठीक वैसे ही जैसे सावन के अंधे को हरा-हरा दिखाई देता है । देश की जनता इस मामले में बेकसूर है। जनता को एक दशक के लम्बे भ्रष्ट कांग्रेसी शासन से मुक्ति चाहिए थी। उसने बदलाव के लिए ,अच्छे दिनों के लिए भाजपा को नहीं बल्कि मोदी जी को वोट दिया और यही उसके साथ चोट हो गयी। मोदी जी ने जनता कि उदारता को ऐसे दुहा कि बस पूछिए मत !। जनता बेसब्री नहीं थी ,उसने पांच साल जुमलों के सहारे काटे और एक बार फिर पांच साल के लिए देश की कमान भाजपा कि मोदी -शाह जोड़ी को सौंप दी ,लेकिन जनता के साथ दोबारा से ठगी हो गयी। इन दस सालों में देश ज्यादा मजबूत हुआ या भाजपा ? देश बना या मंदिर ? आप सोच सकते हैं कि जब मंदिर बन गया तो मस्जिद क्यों नहीं बनी ? इसका विश्लेषण करने के लिए अब वक्त आ चुका है। भारतीय राजनीति को सचमुच भाजपा का ग्रहण लग चुका है। पहले ग्रहण कांग्रेस का लगा था । कुछ समय के लिए आंशिक ग्रहण गठबंधन की सरकारों का भी लगा था ,लेकिन सबसे मुक्ति मिल। सब ग्रहणों के विमोचन का एक वक्त मुकर्रर होता है। भाजपा का भी वक्त अब आ चुका है ,लेकिन जनता को इस वक्त का सही इस्तेमाल करना होगा। अन्यथा जरा सी गलती जनता पर भारी पड़ सकती है। जनता को देश की संसद में लाइव गालियां सुनना हो ,अगले पांच साल तक हर महीने पांच किलो फोकट की दाल-रोटी खाना हो ,या केवल रामधुन पर नाचना हो तो अलग बात है। ऐसे में मै या कोई दूसरा कुछ न कह सकता है और न कर सकता है। जो करना है वो जनता को ही करना है। हम वाचडॉग तो सिर्फ भौंक सकते हैं। जागो-जागो ,चिल्ला सकते हैं। जो ऐसा नहीं कर सकते वे पहले से किसी न किसी की गोदी में दुम दबाकर बैठे ही हैं।

ग्रहणकाल में भारत में दान-पुण्य करने की सनातन परम्परा है। इसलिए मै जनता से निवेदन करना चाहता हूँ कि वे भारतीय राजनीति पर लगे ग्रहण से मुक्ति पाना चाहते हैं तो जिस दिन भी आपके यहां चुनाव हो झूरकर मतदान करें। यही पुण्यकार्य है। इसी से मोक्ष की प्राप्ति होगी । अन्यथा जो दस साल से इस देश में हो रहा है वही सब आगे भी होता रहेगा। बिना परिवर्तन के बात बनने वाली नहीं है। लोकतंत्र की रोटी को जलने से बचाना है तो उसे बदलना भी होगा। लोकतंत्र की रोटी जली तो फिर आपके सामने तानाशाही का भात परोसा जायेगा । मर्जी है आपकी कि आप क्या खाना चाहते है। जली रोटी या तानाशाही का गर्मागर्म भात ?

चिंतन-मनन

ईश्वर का आहार है साधना

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना। परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किये हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं।

तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं? ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधताएं क्यों है? वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए?

जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचारधारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप-वर्दी में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपने रूप को बदलते हो तो कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो?

हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे और इसीलिए उन्होंने दिव्यता के अनंत गुण व रूपों का ज्ञान कराया। चेतना नीरस और उबाऊ नहीं है। जो चेतना इस सृष्टि का आधार है, वह गतिमान और परिवर्तनशील है। ईश्वर एक ही नहीं, अनेक है। जब तुम दिव्यता की विविधता स्वीकारते हो, तब तुम कट्टर और रूढ़िवादी नहीं रह जाते।

मुद्दा : अंग सौदागरों का घातक संजाल

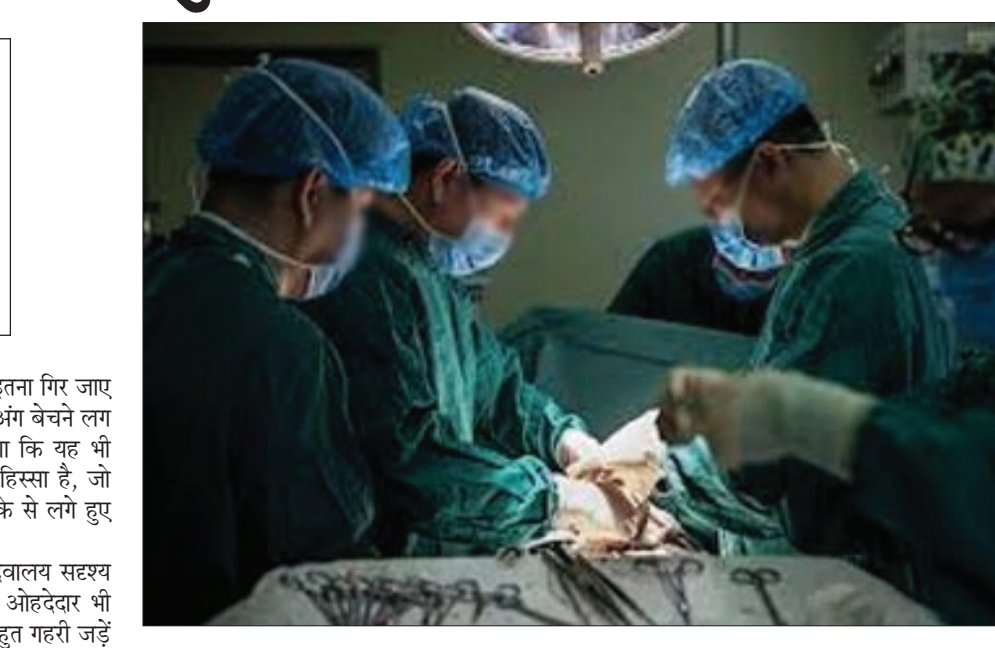

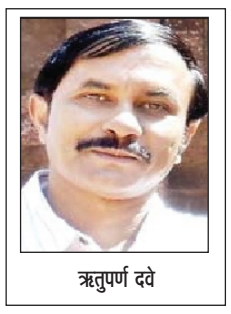

ऋतुपर्ण दवे

पैसों की हवस के आगे इंसान इतना गिर जाए कि जिंदा इंसानों के शरीर के अंग बेचने लग जाए? भला कौन विास करेगा कि यह भी अब उन कुछ वहशियों का कारोबारी हिस्सा है, जो बाकयदा गैंग बनाकर, सुनियोजित तरीके से लगे हुए हैं।

हैरानी तब ज्यादा होती है जब इसमें देवालय सदृश्य अस्पतालों के बड़े-बड़े रुतबेदार और ओहदेदार भी हिस्सेदार होते हैं। इस अवैध धंधे ने बहुत गहरी जड़ें कम समय में ऐसी जमा ली हैं कि धंधेबाज सरकार और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं।

भारत में भी सीमा पार तक से गुपचुप तरीके से स्वस्थ लोगों के अंगों को खरीदने-बेचने का सिलसिला तेजी से पनप रहा है। इत्तेफाक से कोई मामला सामने आता है तो उसकी जड़ों तक पहुंचता जांच दल हक्का-बक्का रह जाता है। कैसे, कितनी सफाई से आंखों में धूल झोंक, इतना बड़ा कांड होता रहा और भनक तक नहीं लगी? बीते हफ्ते बांग्लादेश से बुलाकर जयपुर में अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट करवाने वाले गिरोह का गुरु ग्राम में भांडाफोड़ हुआ। छापेमारी में किडनी ट्रांसप्लांट करा चुके और कराने वाले डोनर, मरीज सहित 4 लोग हत्थे चढ़े।

इनसे खुलासा हुआ कि मरीजों से 10-12 लाख रु पये वसूले जाते, जबकि डोनर को महज दो लाख बांग्लादेशी टका पकड़ाते। पकड़ाए बांग्लादेशी किडनी डोनर शमीम ने हैरान कर देने वाली जानकारी दी। उसने फेसबुक पर किडनी डोनेट करने का विज्ञापन देखकर भारत में मुर्तजा से संपर्क साधा। उसके कई मेडिकल टेस्ट हुए। उसे कोलकाता के मेडिकल वीजा पर गुरु ग्राम में रु कवाया गया। आधार और दूसरे कई फर्जी कागज बने। पता चला कि गुरु ग्राम का बड़ा अस्पताल देख इनके जाल में लोग फंस जाते। बाद में इसी अस्पताल की जयपुर ब्रांच में ट्रांसप्लांटेशन का खेल होता। मुर्तजा झारखंड का है। लंबे समय से इस धंधे में लिप्त है।

फरवरी, 2019 में कानपुर पुलिस ने एक बड़े किडनी-लीवर बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश किया। गिरोह गरीब को फंसाता और दिल्ली में किडनी बिकवाता। छह लोगों गिरफ्तार हुए जिनके तार न केवल कानपुर से दिल्ली, नोएडा, बल्कि विदेशों से भी जुड़े निकले। गिरोह किडनी बेचने वाले मजबूर को 3-5 लाख रुपये बमुश्किल देता वहीं जरूरतमंद से 30 लाख रु पये से भी ज्यादा वसूलता। जांच में खुलासा हुआ कि गैंग का सरगना टीआरके राव 2016 में अपोलो हॉस्पिटल किडनी कांड में जेल जा चुका है। विडंबना कहें या कानून से बेखौफ निर्लज्जता जेल से बाहर आते ही फिर इसी गोरखधंधे में लग गया। एक दूसरा आरोपी सबूर 2015 में जालंधर किडनी कांड में जेल जा चुका है।

निश्चित रूप से ऐसी घृणित साजिश और कारोबार के पीछे चंद सफेदपोश मेडिकल प्रोफेसनल और उनका गिरोह होता है। ये इस पवित्र पेशे में आते वक्त हिप्पोक्रेटिक शपथ लेकर अपने चिकित्सकीय पेशे अनुरूप सेवा, कार्य और न्याय की शपथ लेते हैं। लेकिन अवैध कमाई के लालच में सब कुछ भूल, दैत्य और नरपिशाच सा काम करने लगते हैं। हमारे कानून में अंग प्रत्यारोपण और दान की तो इजाजत है लेकिन अवैध खरीद-फरोख्त की कतई नहीं। मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 में जीवित और मृत मस्तिष्क वाले दानदाता को इसकी इजाजत है। 2011 में अधिनियम में संशोधन कर, मानव ऊतकों यानी टिश्यू दान को भी शामिल किया गया।

भारत में मानव अंगों के गैर-कानूनी कारोबार पर 5 से 10 साल तक की कैद और 20 लाख से 1 करोड़ रु पये तक के जुमार्ने का प्रावधान है जबकि मानव ऊतक के धंधे पर एक से तीन साल की कैद और 5 से 25 लाख रु पये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। इतने सख्त कानून के बावजूद धड़ल्ले से मानव अंगों की खरीद-फरोख्त चिंताजनक है। ग्लोबल फाइनेंशियल इंटीग्रिटी (जीएफआई) के अनुसार विश्व में अंग तस्करी में किडनी की मांग सर्वाधिक है। जितने अंग प्रत्यारोपण होते हैं, उसमें 10 प्रतिशत तस्करी से होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि सालाना 10,000 किडनियों की तस्करी होती है अर्थात हर घंटे एक या उससे भी अधिक। भारत में भी आंकड़ा बड़ा होगा।

अवैध अंग प्रत्यारोपण गैंगस्टर जैसा अपराध है। इसमें शामिल चिकित्सकीय पेशेवर 0.1 प्रतिशत से भी कम होंगे जो शेष पर भारी पड़ रहे हैं। इसे रोकने का सामर्थ्य कानून से ज्यादा पेशे से जुड़े शेष प्रोफेसनल्स में है। वही बेलगाम होते इस धंधे की परतें उधेड़ सकते हैं। बस जरूरत है कि इनकी सुरक्षा, गोपनीयता बनाए रखने के साथ मान-सम्मान को बरकरार रखा जाए ताकि ऐसे लोग स्वयमेव आगे आएं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A story of our lived reality

From 390, we were down to 10. Our play had been selected along with works of theatre veterans like Makarand Deshpande and Piyush Mishra, an achievement in itself. That day, my wife and I couldn't even force a morsel down our throats. We were just so scared. We were so new to this kind of limelight. Our light operator had never worked on this big a stage. And then Mahindra Excellence in Theatre Awards (META) began flowing in for 'Raghunath', one by one, six in total. Gautam Saikia was felicitated for the Best Light Design and Best Director, Best Actor, Best Original Script, Best Production, Best Stage Design were bagged by me.Our play is about Raghunath, whose daughter dies while trying to cross a flooded river to go to school. Her memories haunt him all the time. He dreams of a village where no children die because of the lack of a mere bridge. To realise this, he spreads a false rumour that he has found an ancient statue of a god in the pond behind his home, believing that it will attract the government and the media to the village and that eventually the government will build a temple in it.This play was born out of a theatre workshop. I had told the participants to go through the newspapers and pick a story. One of them was about a girl getting washed away in the floods. Floods are a bitter reality in Assam. Governments try to help but at the grassroots level, politicians eat up all the money.

My tryst with theatre began when I was in class IV. An uncle of mine was an actor and I felt drawn to it the moment I saw him on stage. I soon got a break in theatre courtesy Prabin Saikia, Biplab Jyoti Bhuyan and Nirumoni Bhuyan. But this ended following my father's untimely demise in 2004; I was in senior secondary then. I gave tuitions, worked at restaurants, and my mother had to work in people's homes before she became an ASHA worker earning Rs 1,000 per month.

Many years later, senior artist Jyoti Prasad Bhuyan, who knew about my interest in theatre, asked me to act in a play. I participated in the All-Assam one-act play competition where I won a cash prize of Rs 10,000-Rs 15,000. I was back on the circuit and was now being invited by several people, famous actor-director Rajen Phukan being among them. Importantly, theatre was paying, too. Around this time, my senior colleague Manuj Saikia, a passout from National School of Drama, Delhi, told me to go join the drama school. I could not go to Delhi leaving my mother and sister behind and instead joined its Sikkim campus for a year-long course. That changed so many things. People wanted to work with me. I was taking theatre workshops.And then came the lockdown, a testing time again. I had to work as a delivery boy for 18 months. This time, I bounced back quickly.'Raghunath' was conceived in August 2022. I knew this was a different story but I had no money to do a play. I went on Facebook and asked people to fund our production. One man donated Rs 10,000, another Rs 4,000. We soon managed to collect Rs 40,000. The actors were approached, the set was made from bamboo, the story was improvised upon. We went house to house to sell tickets in Nagaon where I stay. The play was a success.Interestingly, the play did not have a script until we decided to send it to META. A friend, filmmaker Khanjan Kishorenath, watched it, wrote the subtitles and then translated the script into English.

A matter of conditioning

Depending on where you are in the world, some simple activities remain interpreted by gender

A while before I got married, I received my first formal invitation to a dinner hosted by a senior officer of the Army. The ADC called and said, "If you are married, please bring the lady wife." I wasn't married then and that was the first time one had heard the phrase, 'lady wife'."What other kind is there?" were the first words that passed through my head. I, too, was a product of the conditioning of our times. These were years before some of us put aside a tiny measure of our hypocrisy and accepted that the entire human race is not 'straight'—and that that is one of the characteristics of what makes us human. For all the unswerving inflexibility of a male-dominated and often malefic world, everyone is entitled to love and whatever measure of happiness life may have to offer.It was only years later and in an entirely different context that one learnt that the use of the words 'lady wife', at least in India, stemmed from our years of being colonised and carried the rancid odour of racism. Its connotation was quite different from what may have been in the West, where it could be a genteel wording of politeness. In India, however, 'lady wife' meant the lady who had come from the mother country, Britain, and was not the native 'Bibi', the common-law or legally-wed local lady. When men from Britain sailed out to India and spent several years, if not entire lifetimes in the country, expectedly, they formed liaisons or relationships with local ladies — who were often courtesans and who, out of compulsion or choice, stepped out of the taboos imposed on women. However, this was not always the case, and many high-born Indian women had white husbands. One result of this free-mingling were the early 'Anglo-Indians' or 'Eurasians' — a community, one may add, that has had to suffer neglect, indifference and even discrimination at the hands of all parties concerned.

Often unnoticed, these dyed-in-wool attitudes carry on in other ways. My late mother's nameplate, written and placed without a second thought, one assumes, had the prefix, 'Dr (Mrs)', before her name. The 'Dr' on its own obviously required the assistance of the 'Mrs' to complete the nameplate and subsequently, this appeared on visiting cards and letterheads. Then, not very long back, someone called to say that a nurse from overseas wanted to visit. We expected a lady and were fairly surprised to receive a hulking 6-foot- tall nurse, who was male.Like the nurse, depending on where you are in the world, some simple activities remain interpreted by gender. When we were young, numerous Tibetan refugees arrived in the hills. We could not but help notice and admire how they kept their young. These displaced persons often worked on road gangs, shifting rock and rubble, and somewhere by the side, in a wooden box held up by canvas straps, would be a baby that everyone would take turns to peek at and see if all was well. When not working or spinning their prayer wheels, almost all the men knitted. Caps, gloves and socks poured out from those sharply clicking needles held by large muscular hands. Another fairly common sight and one that is not seen any more is of Pahari men who walked and performed their normal tasks while wielding drop spindles, taklis, and spun coarse wool.

Again, a task that came along and crossed the bridge of gender was art. At one point, I was painting terrible landscapes and even worse images of still-life. A teacher had handed me a piece of cloth, some thread and a needle. "Embroider and stitch," I was told. "It will make your fingers and hands more dexterous." Others with greater talent had been handed a pack of cards to shuffle and that was expected to realise the same thing that people at the bottom of the art barrel, like me, were expected to achieve.

There was a moment, however, that I was able to palm off a bit of rubbish as inspired art. That came from a plank of wood over which I had pasted some other bits of wood and several leftover blocks from childhood building sets. It went over a wall on a landing. Visitors came by and remarked on the new addition. I explained it like it was — "A piece of wood and more pieces of wood stuck on." That it was colourful and supposedly creative, should have merited more than the casual remark, "How nice", that it drew. For the next lot of dinner guests, a story was in position. Now, that plank of wood signified the earth and the forests, the bits over it were cities and mankind, the funny little thing on top was man searching for meaning and balance in this world. Now, this had everyone's attention. I waxed eloquent and the dinner guests nodded sagely. They even gave my parents that dangerous line, "He has promise."

I stood below that piece of wood, which also had twists from the wire spiral of an old calendar. Someone asked me about those helices spinning on the sides of the wood. I happily explained them away as genders seeking their position in the human zoo.

Tough stand on terror

National security remains paramount for India

HOURS after National Security Adviser Ajit Doval met a representative of Iran's Supreme National Security Council in Kazakhstan on Tuesday, Jaish al-Adl militants attacked Iranian Revolutionary Guards' premises in Rask and Chabahar and killed 11 security personnel. Jaish al-Adl is an extremist Sunni Muslim militant group that operates in southeastern Iran and the western Pakistani province of Balochistan. The terror strikes have reignited tensions between Iran and Pakistan after a lull. In January, Iran had targeted two bases of the Jaish al-Adl in Pakistan with missiles, prompting a retaliation from Islamabad.

The developments are of immense significance for India, which has been combating cross-border terrorism for decades. In his address at the meeting of the Shanghai Cooperation Organisation in Astana (Kazakhstan), Doval stressed the need to shun double standards and hold sponsors, financiers and facilitators of terrorism accountable. He asserted that the perpetrators of terrorism should be effectively and expeditiously dealt with.

It is worrisome that Pakistan-based terrorists are causing trouble across the neighbourhood, be it in India, Iran or Afghanistan. Even as New Delhi has reiterated its tough stand on terror, The Guardian has reported that Indian spy agency R&AW was involved in killings in Pakistan as part of a larger strategy to eliminate wanted terrorists living on foreign soil. The Ministry of External Affairs has dismissed the allegations as 'false and malicious anti-India propaganda'. The report, which quotes some 'intelligence operatives of India and Pakistan', is in line with the ploy of some Western countries to cast aspersions on India's counter-terror measures. When national security is at stake, New Delhi knows how to tackle the situation without crossing any red line. The US-led West, whose war on terror came a cropper in Afghanistan and Iraq, should review its campaigns abroad before pointing fingers at a nation that has been bleeding from a thousand cuts made by its neighbour.

Vijender's punchnama

Times change, views change, ideologies change. Expediency, it seems, is all that counts

Vijender Singh — boxing great, former Congressman — turning turncoat represents the moral conundrum of our times: what to choose in the conflict between principle and careerism, and must the choice be made on the grounds of morality or of success and profit?

Vijender Singh's move to the BJP — as of several other non-sportspersons — suggests that he, and they, believe that a political career out of the BJP is doomed to fail. Principles and convictions, thus, can be forsaken for a better future if, as Vijender says, one is determined enough to "serve the country".In the winter of 2020, for rebels looking for a cause, Singhu border was the place to be — to march and shout slogans and carry placards and camp, in solidarity with the farmers protesting there against the three new farm laws.Vijender, though, wasn't at Singhu out for a spot of union-style agitational tourism — he was already in politics, having fought the 2019 Lok Sabha election on a Congress ticket. He had finished third in the contest for the South Delhi seat that year, sinking without a trace — with 13.56 per cent of the votes cast, he had lost his deposit.His appearance at Singhu inspired other sportspersons to speak out against the contentious farm laws. He said he was aware that the farmers enjoyed the support of sportspersons. He said he was there because he was grateful for what Punjab had given him, for he had trained in Patiala. "I have trained in Punjab and eaten their bread. They have been protesting in this biting cold and I have arrived here as a son and a brother. Other athletes from Haryana wanted to come too but they have government jobs and fear repercussions. I am in touch with them and they are with our farmers," Vijender said at Singhu.He also declared that he would return his Rajiv Gandhi Khel Ratna, the country's highest sporting honour, if the government did not withdraw the farm laws. They are "black laws", he said. Yet, during the 11 months the government stonewalled before deciding to repeal the three laws, Vijender did not return the award.

"I am from a farmer's family and have worked in the fields. I understand their concerns and pains. We want to return our awards so the government pays heed," Vijender had said.Times change, views change, ideologies change — farming is so tough, farmers often turn non-farmers when they have the choice. Vijender might be from a farmer's family but he's no longer a farmer tilling his fields, and a political career would offer much greater allurements than working in the sun.This is reminiscent of what Indian migrants in the UK have told this writer — as fresh immigrants, they voted for the Labour Party because of its economic policies, which were friendlier towards the working classes and migrants; after they settled down into comfortable financial security, they started voting for the Conservative Party — because its economic policies and tax cuts suited them. This is human nature — the adage 'consistency is the virtue of fools' is truest in politics, as is being demonstrated every day as smart politicians mock at their previous selves by moving to parties whose ideologies they once hated.

"Today I am joining the BJP… it is like ghar wapsi," Vijender said after joining the party this week. His instinct of career advancement is sharp, though one reason he cited for the switch seemed a bit too simplistic: "When we used to go abroad to fight earlier, to the UK and Dubai, for instance, certain things would happen at airports... But since the BJP and the Modi government came to power, we can go anywhere easily."It would appear that switching parties with a massive swing in political principles is a big phenomenon in democracies where the electorate is less aware, numbed into indifference — or is non-homogenous and very complex and varied. Right next door, we have several Pakistani politicians who have managed to be part of practically every government over the last two decades.Things could be different in older democracies. An analysis of the list of politicians leaving their parties in the UK in the recent decades shows that when they leave the Labour or Conservative party, most turn independent; many were forced out after being convicted of a crime, or for committing an impropriety. A Labour politician joining the Conservatives, or vice versa, is a very rare phenomenon. However, in the dark stages of the British democracy 300 years ago, the practice of switching between the Tory and Whig parties was very common in the House of Commons — those were benighted days, when all women and most working class men were disenfranchised.Are British politicians now more moral, or more securely grounded in their political ideology, or is it that they're fearful that an aware voter would mock them out of politics if they dumped their lifelong political beliefs for diametrically opposite ones? One would bet that fear of the intelligent electorate is the reason they don't burn their beliefs at the altar of expediency, as politicians in our country do.

Air India appoints Jayaraj Shanmugam as Head of Global Airport Operations

New Delhi. Air India appointed Jayaraj Shanmugam as its Head of Global Airport Operations on Monday.

Shanmugam is scheduled to start his new role on April 15, 2024, reporting directly to Chief Operations Officer Klaus Goersch.Air India said in a statement that Shanmugam has transitioned from Bangalore International Airport Limited (BIAL), where he held the position of Chief Operating Officer.His tenure at BIAL was marked by contributions, particularly in operationalising Terminal 2, highlighting his expertise in airport management and operations, as per the statement from the Tata Group-owned airline.Jayaraj Shanmugam brings more than 25 years of industry experience spanning airlines, airport, and telecom sectors.He has held prominent roles in organisations including Singapore Airlines, Qatar Airways, and Jet Airways.

Voltas shares hit 52-week high after record AC sales in FY24

New Delhi. Voltas shares surged to a 52-week high on Monday following a record-breaking sales performance in FY24, driven by strong demand for air conditioners.

The company's shares rose to a 52-week high of Rs 1,373.20 on the Bombay Stock Exchange after rising 10%. At 10.47 am, Voltas shares were up 8.60% to Rs 1,338.20.The company reported selling 2 million AC units during the fiscal year, marking the highest-ever sales volume for any brand in India. This represents a remarkable 35% growth in the AC segment.

In addition, Voltas witnessed growth in other cooling products, including air coolers and commercial refrigeration items.Its home appliances brand, Voltas Beko, experienced a substantial 52% volume growth in Q4FY24, selling nearly 2 million home appliances like refrigerators and washing machines throughout the financial year.Overall, Voltas achieved sales of almost 5 million consumer products.Pradeep Bakshi, MD and CEO of Voltas Limited, who has been the main torch-bearer behind the success of the brand, said, “We are delighted to achieve this extraordinary milestone of achieving 2 million ACs in FY 2023 – 24, which is an industry first. We would like to reiterate that none of our competitors within the category are anywhere close to where we stand today."The surge in stock prices was also attributed to the weather department's warnings of an impending heatwave due to extreme weather conditions issued on April 2.However, a report by ICICI Securities challenged the notion that heatwaves significantly impact revenue growth for summer products like fans, air coolers, air conditioners, and refrigerators, citing historical data that does not support this claim.

Over the past month, Voltas shares have surged over 25% and nearly 60% in the past six months. Analysts anticipate continuous gains in shares of Voltas and other companies engaged in manufacturing air coolers and ACs throughout the summer months.

Sensex, Nifty hit record highs as metal stocks gain; Reliance up nearly 2%

New Delhi. Benchmark stock market indices started off the week on a strong note as the S&P BSE Sensex and NSE Nifty50 hit record highs on Monday.The Sensex was up 365.92 points at 74,626.64 points at 10.09 am, while the NSE Nifty50 gained 102.20 points to 22,615.90. Broader market indices also started off the session on a positive note.The strongest push came from metal, energy and realty stocks. Auto and consumer durables stocks also started the trading session on a positive note.The top five gainers on the NIfty50 were Mahindra and Mahindra, Reliance, Tata Consumer Products, Power Grid Corporation and BPCL. On the other hand, the top losers were Adani Ports, Apollo Hospitals, Wipro, Adani Enterprises and HDFC Bank.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "Optimism prevails on Dalal Street as investors prioritize the anticipation of strong Q4 corporate profits in India over the Fed's rate-cut plans.""TCS's upcoming Q4 earning season kickoff on April 12 is pivotal, with Nifty holding steady at the 22,121 mark. Geopolitical tensions push oil prices to $87 a barrel, while inflation takes the spotlight with the March US CPI release," he added.On the technical side, Tapse said Nifty faces resistance at 22,619, supported by a Put-Call Open Interest Ratio of 1.17."Recommended trades include buying Nifty and Bank Nifty, with EICHER MOTORS (CMP 4031) presenting a compelling buy opportunity with a stop at 3823 and targets at 4101/4201, driven by momentum play. Bullish sentiment persists on stocks like EICHER MOTORS, CANARA BANK, IPCA LAB, and M&M, encouraging buying on corrective declines," Tapse said.

Gold, silver price: Precious metals record hike on MCX

NEW DELHI. Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Monday, April 8, 2024.Gold futures, maturing on June 5, 2024, stood at Rs 70,981 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 345 or 0.49 per cent. The previous close was recorded at Rs 70,636.Meanwhile, silver futures, maturing on May 3, 2024, witnessed a hike of Rs 787 or 0.97 per cent and were retailing at Rs

81,650 per kg on the MCX against the previous close of Rs 80,863.The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

Investors should be cautious of margin trading as costs go up

Given the rising cost, one has to remain cautious as margin trade funding comes with inherent risk, and one should trim margin leverage, overall exposure

MUMBAI. The second-best rally that the market notched up in the year to March 2024 in the past five fiscals—with both the indices ratcheting up 25% on-year gains—also has set another all-time record in a not- so-popular market segment—the margin trade funding (MTF) book of brokerages.The MTF book of brokerages made an astronomical growth from R7,100 crore in early February 2020 to a tad over R 57,100 crore this March. For the Sensex, FY21 was the best rally zooming 68%, making the investors richer by tens of trillions with the market cap now sniffing at the $5-trillion-mark. From the pandemic lows of March-April 2020, the indices have rallied a full 187% by this March. The MTF books of the brokerage industry have more than doubled from around R 26,000 crore in March 2023 to over R57,100 crore this March, or have made an astronomical growth from a meagre R7,100 crore in February 2020, according to Icra Ratings.

Higher margin funding costs

Such a massive jump in a short span of four years has both brokers as well as investors laughing their way to their banks. Borrowers, who are the investors here, were being charged only 12-14% as monthly interest on the amount they borrowed from their brokerages as margin funding so far. But that’s history now. Brokers will not just walk faster but run to their banks because the pricing has been raised by more than a third of percentage point from this month to 18-20%.For investors though, given the looming poll-related uncertainties and the resultant volatility in the market, along with the double whammy of higher interest outgoes, their profit-making jaunt will be a lot longer and tedious. Though no brokerage has come out on record officially disclosing their new pricing, many admit to doing so already or are in the process of doing so, whacking it up to 18-20%.Industry insiders ascribe two reasons for this. First, the reported regulatory tightening wherein the Reserve Bank has

nudged non-banking lenders, who are the primary source of MTF, to raise their funding cost to brokers as it fears a bubble in the making due to the MTF-led over leverage. As a result, the borrowing cost for brokerages have gone up by 200-300 bps to 11% or more of late.The second trigger is that non-banks on their own have raised the cost of such funds fearing rising volatility in a highly vile poll season as part of their own internal risk tightening, which in turn was spawned by the recent RBI ban on JM Financial and IIFL from lending against shares.

About margin trade funding

For the uninitiated, margin trade funding is a facility wherein an investor pays only 25-35%— at the upper end and the lower end this can be as high 5-8x of own funds—of the value of the stock one buys and the rest is paid for by brokerage for a monthly interest of 12-14%.This means that brokerage can allow you to own 65% or up to 800% more of the same stock over your own investment. Brokerages either have their own NBFCs or borrow from banks or other sources even from debt market instruments to help investors this way.This 30-35% own fund demand is normally from bank-led full-service brokerages such as HDFC Securities, which is the leader in this market with a loan book of close to R10,000 crore, ICICI and Kotak among others, but standalone players like IIFL, Edelweiss, JM, Motilal etc offer much higher leverage to the tune of 5-8x your own fund on a day when the market is on a song. This margin percentage made available to a customer is mostly based on a dynamic calculation method depending on the type of stock one buys—large caps/index stocks like those constituting the Sensex and the Nifty or mid and small caps.While HDFC offers the longest MTF facility running into 275 trading days, which means more than a calendar year of credit and thus you can own the stocks for those many days—no wonder why it leads the market in outstanding loan—others mostly offer only up to 30 days or even less.

Nykaa sees Q4 revenue growth in 'high 20s'

New Delhi. FSN E-Commerce Ventures Limited, operator of the Nykaa e-commerce website, said its fourth quarter revenue -- or net sales value -- is likely to have risen by the high 20s (27%-29%).

Overall revenue, or gross merchandise value, is likely to have grown in the early 30s, the company added.The smaller divisions of the company grew the fastest, while the mainstay businesses -- beauty and garments -- both saw gross merchandise value growth in the mid-twenties.For the smaller units, such as its business-to-business operations, GMV growth during the quarter is estimated at around 65% or mid-sixties, the company said.On its beauty business, the company said strong growth in customer acquisition, platform

conversion and users.

"This has resulted in a healthy order volume growth, reflecting robust customer demand," it said, adding that strong demand was seen in categories such as makeup and skin.The results are in line with overall trends in India's consumer market that has seen strong growth in products consumed by upper middle class and affluent sections of the society in the last five quarters or so.

Nykaa, primarily a beauty products retailer, listed on the Indian stock exchanges in November 2021. It later expanded beyond beauty to include lifestyle and B2B segments through platforms such as Nykaa Fashion, Nykaa Man, and Superstore.

Nykaa has also strengthened its offline presence, with 174 stores across India as of December 31, 2023.Nykaa shareholders have had a wild ride since the company's IPO in Nov 2021. The shares, which were issued at Rs 187.25 (adjusted for split), nearly doubled on its first day of trade. However, by April last year, the share price fell to around Rs 120. As of 1014 IST, the company's shares were being traded up 2% at Rs 172.10.

Mcap Of BSE-Listed Companies Hit Rs 400 Lakh Crore Milestone

New Delhi. The market capitalisation of BSE-listed companies reached an all-time high of Rs 401.10 lakh crore on Monday morning, following a record rally in equities, wherein the 30-share BSE Sensex scaled its lifetime peak.

This is for the first time ever that the market capitalisation of BSE-listed companies has gone past the coveted Rs 400 lakh crore mark.

The 30-share BSE benchmark jumped 425.62 points to reach a new record high of 74,673.84 in early trade.Thanks to the rally in equities, the market capitalisation (mcap) of BSE-listed companies reached an all-time high of Rs 4,01,16,018.89 crore (USD 4.81 trillion).

The market capitalisation of BSE-listed firms had hit the Rs 300-lakh-crore mark in July last year.

From the Sensex basket, Mahindra & Mahindra, Maruti, Tata Steel, Bajaj Finserv, Power Grid, Reliance Industries, Axis Bank and JSW Steel were the major gainers.Wipro, Nestle, HDFC Bank and Bajaj Finance were among the

laggards.In Asian markets, Seoul and Tokyo were trading in the positive territory while Shanghai and Hong Kong quoted lower.Foreign Institutional Investors (FIIs) bought equities worth Rs 1,659.27 crore on Friday, according to exchange data.Global oil benchmark Brent crude declined 1.36 per cent to USD 89.93 a barrel.

Edelweiss Financial announces NCDs with 9.0-10.5% interest rate

The NCDs, with a face value of Rs 1,000 each, are being offered in twelve flavors, with tenures ranging from 24 to 120 months.

New Delhi. Edelweiss Financial Services Limited (EFSL) has announced the opening of a public issue of Secured Redeemable Non-Convertible Debentures (NCDs) worth up to Rs 2,000 million. The issue includes a base issue size of Rs 1,000 million with a green shoe option of an additional Rs 1,000 million.The NCDs, with a face value of Rs 1,000 each, are being offered in twelve flavors, with tenures ranging from 24 to 120 months. The debentures carry fixed coupons with annual, monthly, and cumulative interest options, providing effective annual yields between 9.00% and 10.46%.Non-Convertible Debenture (NCD) are an alternative to bank deposits, and can be offered by any company, not just banks or financial services firms. For retail investors, NCDs offer fixed and higher returns compared to bank deposits and are usually safer than stock investments. However, they are associated with credit risk tied to the issuer's ratings.

This issue has been rated "CRISIL A+/Stable" by CRISIL Ratings Limited, indicating an upper-middle position in the rating scale.At least 75% of the funds raised will be used for repayment or prepayment of existing borrowings, while the remaining amount, not exceeding 25%, will be utilized for general corporate purposes in compliance with SEBI regulations, Edelweiss said. The NCDs will be listed on the BSE Limited to provide liquidity to investors.The issue is set to open on April 8, 2024, and close on April 23, 2024. Trust Investment Advisors Private Limited and Nuvama Wealth Management Limited are the Lead Managers for the issue. Allotment will be made on the basis of the date of application upload into BSE's electronic book, with proportionate allocation in case of oversubscription.

EFSL, established in 1995, has diversified its businesses to include credit, asset management, asset reconstruction, insurance, and wealth management.The company has expanded its retail footprint to approximately 6.7 million customers. As of December 31, 2023, EFSL had a network of 247 offices across India and internationally, and employed 6,092 people.

Godrej Properties sells flats worth Rs 3,000 cr in 3 days in Gurugram

Mumbai. Mumbai-based real estate developer Godrej Properties Ltd. said it sold over 1,050 homes worth more than Rs 3,000 crore within just three days of launching its project, Godrej Zenith, in Sector 89, Gurugram, Haryana.It called the launch its biggest ever, both in terms of value and volume of sales, and an indicator of the headway it has made into the Gurugram market. Last year, the company's sales in Gurugram rose 6 times.Godrej Properties said it has upcoming launches in Sectors 103, 43, and 54.The company has show remarkable resilience in recent years, particularly in the context of the pandemic. While the real estate industry faced significant challenges during the pandemic, GPL managed to post growth.Last year, the company recorded sales of over Rs 2,000 crore during launch on four occasions pan India, including twice in Gurugram.

Big push! Adani Green likely to invest Rs 2 lakh crore in renewable energy by 2030

NEW DELHI. Adani Green Energy Ltd is set to make a substantial investment of approximately Rs 2 lakh crore by 2030 to enhance its renewable energy capacities. The company aims to increase its total renewable energy portfolio to about 45 GW by 2030 from the current 10.9 GW.

According to an ET report, the major expansion is planned at Khavda in Gujarat's Kutch district, where the capacity will be boosted to 30 GW from the existing 2GW. A company official revealed that out of the total investment plan, around Rs 50,000 crore is allocated for capacities beyond Khavda, amounting to approximately 6-7 GW.

Adani Green's current total capacity includes 7,393 MW of solar, 1,401 MW of wind, and 2,140 MW of wind-solar

At the Khavda project, which is the world's largest renewable energy park, the capacity is expected to reach 6 GW by the end of this fiscal year, says Adani Green's managing director Vneet Jaain. “There are power purchase agreements for power from Khavda for Adani Green and there is

a huge captive requirement of renewable power by group companies which Khavda can provide,” he was quoted as saying.

Also Read | Significant milestone! Gautam Adani says Adani Green is now India's first “das hazari” in renewable energy spaceAdani Green, with a market capitalisation exceeding Rs 3 lakh crore, is making strides in the renewable energy sector. Adani New Industries Ltd, a subsidiary of Adani Enterprises Ltd, is gearing up to invest over Rs 30,000 crore by 2030 to expand its capacity in manufacturing solar and wind energy equipment. The company aims to achieve 5 GW of wind turbine manufacturing capacity by FY27 from the current 1.5 GW.

Additionally, Adani New Industries plans to add 10 GW capacity in solar modules manufacturing in the next three and a half years. Jaain emphasized that Adani Green's sourcing of solar panels and modules from Adani New Industries is managed separately and does not directly impact the generation unit.

Also Read | ‘It’s not real money...': What Zerodha’s Nikhil Kamath has to say about Bengaluru's tech companies driven paper wealthHe mentioned that for certain renewable energy capacity projects, there are no restrictions on models and manufacturers, allowing sourcing from anywhere. However, in cases where restrictions apply, the company will comply with sourcing modules locally if foreign companies are not allowed in the future.

Quality liquor at lower prices, Chandrababu Naidu promises voters

Telugu Desam Party (TDP) President N Chandrababu Naidu has made a 'spirited' poll promise in Andhra Pradesh ahead of Assembly elections alongside Lok Sabha polls in the southern state.

- Promise made by TDP supremo and ex-Chief Minister N Chandrababu Naidu
- He claims public demand for reduction in liquor prices
- Criticises Chief Minister Jagan Mohan Reddy for not banning liquor as promised in 2019

New Delhi. The Telugu Desam Party (TDP)-led Opposition in Andhra Pradesh has come up with a unique promise ahead of the Assembly elections as well as the Lok Sabha polls in the state. They are wooing the voters with the promise of better quality alcohol in "reduced prices".

TDP supremo and former Andhra Pradesh Chief Minister N Chandrababu Naidu made the promise at a recent rally in Kuppam from where he is contesting the upcoming Lok Sabha elections. "I am telling you, after 40 days (of TDP forming the government), not only quality liquor, we will take the responsibility for reducing prices (as well)," Chandrababu Naidu said.

He also blasted Andhra Pradesh Chief Minister Jagan Mohan Reddy and his YSR Congress Party for going back on his 2019 poll promise of banning liquor in the southern state. During his address in Kuppam, Chandrababu Naidu said it is the demand of "our younger brothers" that the liquor prices be slashed. "Prices of all commodities have gone up exorbitantly, including liquor rates, which are flying. Our younger brothers cheer when I mention

liquor. They want the prices of liquor to be reduced. It is Jagan Mohan Reddy who increased the price from Rs 60 (for a nip) to Rs 200 and pocketed Rs 100," the TDP chief added.The YSR Congress Party government in Andhra Pradesh reportedly collected around Rs 24,000 crore through excise revenue in 2022-23 against more than Rs 17,000 crore in 2019-20. Notably, liquor is sold in Andhra Pradesh via government-owned outlets. Chandrababu Naidu has, on several occasions, alleged the YSR Congress Party government of supplying poor quality liquor while profiting from increased prices, going up to thousands of crores of rupees. Jana Sena Party (JSP) chief and actor Pawan Kalyan, who is an ally of the TDP in the NDA for the Lok Sabha polls, also jabbed the ruling dispensation in Andhra Pradesh. He said that people would fall sick if they continued consuming liquor supplied by the YSR Congress Party.

During a rally in Pithapuram where he's contesting, the actor alleged that Jagan Mohan Reddy had "looted" Rs 40,000 crore through liquor sales. He also questioned why digital payments were not accepted for the purchase of liquor. "Where is the money going...about 74 per cent of the total liquor sold is being supplied by just 16 companies?" he asked.

Andhra Pradesh BJP chief D Purandeswari had earlier demanded an enquiry into the liquor business in the state.

Last month, the BJP-TDP-Jana Sena Party finalised a seat-sharing agreement for the upcoming Assembly and Lok Sabha elections in Andhra Pradesh. The BJP would contest six Lok Sabha and 10 Assembly seats. The TDP, meanwhile, has been given 17 Lok Sabha and 144 Assembly seats. The Jana Sena Party has been given two Lok Sabha and 21 Assembly constituencies.

Trinamool claims 'alliance' between BJP, NIA, anti-terror agency reacts

Trinamool Congress has claimed an "unfolding alliance" between the BJP and NIA following the attack on a team of the anti-terror agency on April 6. However, the NIA has dismissed all allegations of ill intentions, calling the attack "completely unprovoked".

New Delhi. The attack on a team of the National Investigation Agency (NIA) has triggered a political flashpoint between the ruling Trinamool Congress in Bengal and the BJP. Trinamool has claimed the anti-terror agency has joined hands with the BJP to arrest the former's leaders ahead of the Lok Sabha polls. However, the NIA has refuted the allegations, calling the attack during a raid on April 6 in Bhupatinagar area in Bengal "completely unprovoked".

Meanwhile, Bengal Police have registered an FIR against NIA officials for alleged molestation during the raid after the wife of an arrested Trinamool Congress leader lodged a complaint against the anti-terror agency.

Congress announces candidates for Bangaon, Uluberia, Ghatal seats in Bengal

Kolkata. The Congress on Sunday declared its candidates for three more Parliamentary constituencies in West Bengal. The Congress in a statement said Pradip Biswas, Azahar Mollick and Papiya Chakraborty will be the party candidates contesting from Bangaon, Uluberia and Ghatal Lok Sabha constituencies, respectively. Additionally, the party has also declared its candidate for the bypoll to the Bhagabangola assembly constituency in Murshidabad district. Anju Begum will be contesting the upcoming bypoll on Congress ticket.

While the Bangaon and Uluberia Lok Sabha seats will go to polls in the fifth phase of voting on May 20, the Ghatal constituency will see its electorate cast ballots on May 25. Meanwhile, the voting for the Bhagabangola assembly bypoll will be held on May 7.

With the latest announcements, the Congress has now declared its candidates for 13 Parliamentary seats in West Bengal.

"How Many Will Be Jailed Before Polls?" Supreme Court's Big Judgement

New Delhi. The Supreme Court has restored the bail granted to a Youtuber who allegedly made derogatory remarks against Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin saying that everyone who makes allegations on social media cannot be jailed.

The bench, comprising Justices Abhay S Oka and Ujjal Bhuyan, said that there was no evidence to suggest that A Duraimurugan Sattai had misused the liberty granted to him. During the hearing, Justice Oka raised a crucial question, addressing Senior Advocate Mukul Rohatgi, who represented the State, stating, "If before elections, we start putting behind bars everyone who makes allegations on Youtube, imagine how many will be jailed?" The court also did not entertain the request to impose a condition on Sattai to refrain from making scandalous remarks while on bail. Justice Oka challenged Mukul Rohatgi, asking who would determine whether a statement is scandalous or not.The case stemmed from Mr Sattai's challenge to a Madras High Court order, which had cancelled his bail.

Separatist Amritpal Singh's mother arrested ahead of protest march in Amritsar

Separatist Amritpal Singh's mother was arrested in Amritsar before a proposed march on Monday to demand the shifting of the 'Waris Punjab De' chief from the prison in Assam to a jail in Punjab.

New Delhi. Separatist Amritpal Singh's mother was arrested in Amritsar before a proposed march on Monday to demand the shifting of the 'Waris Punjab De' chief from the Dibrugarh Central Jail in Assam, where he has been lodged since his arrest in April 2023, to a prison in Punjab.

The Amritsar police have registered a case against Amritpal Singh's mother Balwinder Kaur, his uncle Sukhchain Singh and three others on Sunday, a day ahead of the 'Chetna March', scheduled to be taken out from Takht Damdama Sahib in Bathinda.

Balwinder Kaur's arrest was a "preventive arrest" and she has been sent to judicial custody, the PTI news agency quoted Deputy Commissioner of Police Alam Vijay Singh as saying

on Sunday. Meanwhile, Sukhchain Singh and the three others have also been held, the police confirmed.

Amritpal Singh and his nine 'Waris Punjab De' associates, as well as one of his uncles, have been lodged at the Dibrugarh Central Jail following their arrest in April last year under the stringent National Security Act (NSA) from across Punjab following a crackdown on the pro-Khalistani outfit which began on March 2023.

Since February 22, Balwinder Kaur and relatives of the nine other 'Waris Punjab De' members have staged a hunger strike near the Golden Temple in Amritsar.

She said previously that they would continue their fast until their demand to shift Amritpal Singh and the other detainees to a jail in Punjab was fulfilled.

Security personnel pushes, slaps tourist after argument over filming at Taj Mahal

After being stopped from shooting a video inside the Taj Mahal premises because of a ban, a tourist got involved in a scuffle with a CISF personnel on duty.

Agra. A video of an altercation between a Central Industrial Security Force (CISF) sub-inspector and a tourist at Agra's iconic Taj Mahal has surfaced, and it is now going viral.

The footage shows a heated exchange of words and a subsequent scuffle between the on-duty CISF officer Ramesh Chand and the tourist, who was attempting to shoot a video of the monument despite a ban.

According to a police report, the incident occurred around 2 pm on Saturday when the visitors attempted to record a video near the 'Mehmankhana,' violating the ban on videography enforced within the premises.The young man engaged in a verbal altercation with the officer when he was stopped, along with his friends, from recording the video, as per the regulations in place. Despite a warning, they continued recording.

This prompted the CISF personnel to confiscate the tourist's mobile phone, leading to a heated argument.

In the video, the tourist is seen pushing the cop, who then pushes back, causing him to fall to the ground.The man gets back on his feet and attempts to hit the CISF personnel again, but the officer defends himself.

Subsequently, the two girls accompanying the boy are seen attempting to intervene, requesting access to the phone to contact the authorities.Later, one of the girls reported the matter to the CISF control room.During interrogation, Officer Ramesh Chand stated that the tourists became agitated and resorted to physical aggression after being denied permission to record a video.

CISF Commandant Rahul Yadav stated that complaints from both sides were registered, and the police are examining the viral video along with the footage recorded by the nearest CCTV cameras to determine the root cause of the incident.

Yadav said that the matter is under investigation and assured of appropriate action to be taken in accordance with the findings of the probe. Given that the Taj Mahal is an iconic monument and a UNESCO World Heritage Site, authorities have urged visitors to adhere to the guidelines and regulations in place.

'Don't consume beef, I am proud Hindu': Kangana Ranaut calls claims 'baseless'

Actor-turned-politician Kangana Ranaut has rejected a Congress leader's allegation that she once ate beef, saying she's a "proud Hindu".

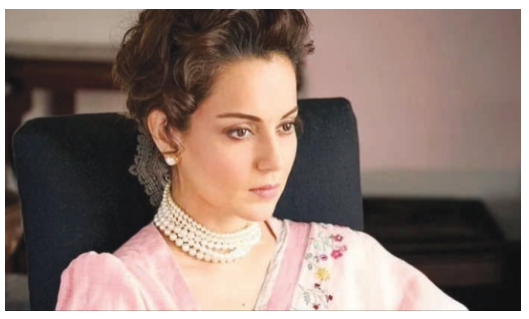

New Delhi. Actor-turned-politician Kangana Ranaut, the BJP candidate from Mandi Lok Sabha seat in Himachal Pradesh, on Monday rejected a Congress leader's allegation that she once ate beef, saying she's a "proud Hindu".

She also dismissed the allegation as "completely baseless rumours" levelled against her.Taking to X, the actor-turned-politician said, "I don't consume beef or any other kind of red meat, it is shameful that completely baseless rumours are being spread about me," "I have been advocating and promoting yogic and Ayurvedic way of life for decades now such tactics won't work to tarnish my image. My people know me and they know that I am a proud Hindu and nothing can ever mislead them, Jai Shri Ram," she added.

Ranaut's response came after Congress leader Vijay Wadettiwar, who is also the Leader of Opposition in the Maharasthtra Assembly, alleged that the BJP Lok Sabha candidate had once tweeted that she liked and consumed beef and the party has now given her a ticket to contest the upcoming polls. While addressing a rally in Maharashtra on April 5, Wadettiwar also claimed that the BJP "welcoming" all corrupt leaders.Several BJP leaders came to Ranaut's support in view of the allegation. In a statement, BJP spokesperson Keshav Upadhye said Wadettiwar's remark "reflects Congress' dirty culture"."It cannot fight us on issues. This shows the party's defeatist mentality," he was quoted as saying by PTI news agency. The latest controversy came just weeks after a scantily-clad image of Kangana Ranaut, with a derogatory caption, was shared on Congress leader Supriya Shrinate's Instagram account.At the time, she came down heavily on Shrinate, saying "every woman deserves her dignity". The post was shared a day after the BJP named Ranaut as its candidate from Himachal's Mandi Lok Sabha seat.

Tejashwi Yadav says Nitish Kumar touching PM's feet 'shameful'

Durgesh Pathak, who is a member of AAP's political affairs committee and national executive and the in-charge of its organisation building team, was earlier summoned by the central agency in 2022.

New Delhi. Durgesh Pathak, MLA from Delhi's Rajinder Nagar and senior Aam Aadmi Party (AAP) leader, has been summoned by the Enforcement Directorate (ED) for questioning in a money laundering case linked to Delhi's now-scrapped liquor policy. The ED has summoned him at 2 pm today. Bibhav Kumar, personal assistant of Chief Minister Arvind Kejriwal, is also being questioned.

Mr Pathak, who is a member of AAP's political affairs committee and national executive and the in-charge of its organisation building team, was earlier summoned by the central agency in 2022.

The fresh summons comes at a time when AAP's top leaders, Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal and former Deputy Chief Minister Manish Sisodia are in prison in connection with the ED's case. AAP MP Sanjay Singh, who was also behind the bars, recently came out on bail. The party has scrapped the allegations against its leaders and accused the BJP-led central government of using probe agencies for political objectives.

The summons to Mr Pathak comes days after Delhi minister and AAP leader Atishi said that the ED plans to arrest her and three more AAP leaders -- Saurabh Bharadwaj, Raghav Chadha and Durgesh Pathak.Alleging that the BJP has approached her through "someone very close", she claimed that the offer was to join the BJP and "save my political career" or get arrested by the ED.

She said the person who approached her on behalf of the BJP had said that the ruling party had "made up its mind on crushing everyone in AAP". "The BJP's plan is to arrest four more AAP leaders in the next two months. They will arrest me, Saurabh Bharadwaj, Durgesh Pathak and Raghav Chadha," she said.

The BJP's Delhi unit has responded by sending a defamation notice to Ms Atishi and demanding a public apology. "Atishi failed to provide evidence of who approached her, how and when. The AAP is undergoing a crisis in Delhi, which is why they are making such baseless allegations out of frustration. But we will not let her get away with this," Delhi BJP chief Virendra Sachdeva told the media.

It is alleged that the Delhi government's liquor policy, introduced in 2021 and withdrawn the next year, provided under benefits to liquor licencees. Following a recommendation from Lieutenant Governor VK Saxena, the CBI started its probe into the allegations of irregularities. The ED is probing the money trail in the case.

NEWS BOX

Bangladesh arrests Kuki-Chin militant: 'Found him hiding inside locker'

world. Bangladeshi security forces arrested a top commander of a tribal militant group, believed to have links with an Islamic terrorist organisation, during a raid at his residence, where he was found hiding inside a locker.

Cheosim Bom's arrest on Sunday came days after his Kuki-Chin National Front (KNF) outfit robbed state-owned banks and also abducted a bank manager last week. The manager was released three days later following mediation.He was arrested by the Rapid Action Battalion (RAB), the anti-terrorism unit of the Bangladesh Police.A regional RAB officer said Cheosim Bom, believed to be a key organiser and coordinator of the insurgent group, was "found hiding inside a locked locker" during the raid at his residence located on the outskirts of Bandarban town.

The officer said the arrested commander is a close aide of KNF chief Nathan Bom, a fugitive.

The development comes amid an ongoing Bangladesh military crackdown against the KNF in Bandarban in an effort to eliminate the insurgent group.

In 2023, the KNF killed three soldiers in Bandarban.

Three killed after blast sparks fire in Paris apartment building

World At least three people were killed in an explosion followed by a fire at an eight-storey apartment building on Sunday, a French newspaper reported.

The origin of the blast remains unknown as of now.

According to the news of Le Parisien, the explosion was heard before a fire broke out in the building that was located in the 11th arrondissement of Paris.The fire broke out on the seventh floor of the building.

After the incident, several ambulances and firefighting vehicles were rushed to the spot and started the rescue operations."The neighbours do not understand what could have triggered this explosion, because there is no gas in the building," Le Parisien quoted the deputy mayor of the 11th arrondissement, Luc Lebon, as saying on the matter.The authorities have not ruled out the gas trail.Speaking on the issue, a public prosecutor informed the Le Parisien that a probe has been launched into the incident and officials from the capital's 2nd judicial police district have been assigned to look into the cause of the explosion and the fire.

2 killed in motorcycle bomb explosion in Pakistan's Balochistan

Quetta A motorcycle bomb killed two people and wounded five in Pakistan's southwest, a police official said Sunday.

It's the latest unrest to hit Balochistan province, where militants have tried to target a naval facility and a government building in recent weeks.

Nobody immediately claimed responsibility for Sunday's blast in Khuzdar, which is on the main highway connecting the provincial capital Quetta with the port city of Karachi in neighbouring Sindh province.Deputy Commissioner Muhammad Arif Zarkon said a woman and two police officers were among the wounded.For years, Balochistan has been the scene of a low-level insurgency by groups demanding independence from the central government in Islamabad. Although the government says it has quelled the insurgency, violence in the province has persisted.Last Saturday, an improvised explosive device killed one person and wounded 14, including three soldiers.

Brazil judge opens inquiry into Elon Musk for obstruction of justice involving X

Brasilia,UPDATED. Brazilian Supreme Court Justice Alexandre de Moraes on Sunday opened an inquiry into Elon Musk for obstruction of justice involving his social media company X, according to a court document.

Musk is challenging a decision by Moraes ordering his social media platform X to block certain accounts.

Musk earlier on Sunday posted that X will lift the restrictions, because they were unconstitutional.In his decision, Moraes said "X shall refrain from disobeying any court order already issued, including performing any profile reactivation that

has been blocked by this Supreme Court".If X fails to comply with the order to block certain accounts, the company will be fined 100,000 reais (USD 19,740) per day, the judge said.

Last year, Moraes also ordered an investigation into executives at social messaging platform Telegram and Alphabet's Google, who were in charge of a composed internet regulation bill.The bill put the onus on internet companies, search engines and social messaging services to find and report illegal material, instead of leaving it to the courts, and charge hefty fines for failures to do so.

Suspended Maldives Minister apologises after post on Indian flag sparks outrage

world. Suspended Maldives Minister Mariyam Shiuna has apologised after a social media post, in which she shared an image that allegedly disrespected the Indian national flag, sparked outrage.The post, which has since been deleted, showed an opposition party's campaign poster, where the party's logo had been replaced with the Ashok Chakra on the Tricolour, ahead of parliamentary elections in the island nation.Mariyam Shiuna belongs to Maldives President Mohamed Muizzu's ruling party and used her now-deleted social media post to call for a vote for her party. "The MDP is heading towards a big slip. The people of Maldives don't want to fall and slip with them," read the post.The Maldivian Minister's post triggered severe backlash from Indian social media users, who stridently called for President Muizzu to take stern action against Shiuna. In the wake of the furore, Shiuna deleted th post before tendering an apology."I extend my sincerest apologies for any confusion or offence caused by the content of my recent post. It was brought to my attention

that the image used in my response to the Maldivian opposition party MDP bore a resemblance to the Indian flag. I want to make it clear that this was entirely unintentional, and I sincerely regret any misunderstanding it may have caused," she said in a post on X.Shiuna added that Maldives deeply values its relationship with India and respects the country.

The incident comes amidst a diplomatic row between India and the Maldives, which began after Indian Prime Minister Narendra Modi visited Lakshadweep in January 2024. During his visit, PM Modi promoted Lakshadweep's beauty on social media, leading to disparaging remarks from Maldivian officials, including Shiuna, towards India and the Prime Minister.Despite the tensions, India remains a crucial economic partner for the Maldives, serving as a major source of imports and a key provider of essential commodities like rice and medicine for the island nation. New Delhi recently renewed the quota to import essential commodities to Male for the coming year.However, recent events suggest a growing anti-India sentiment in the Maldives, particularly among those campaigning on an "India Out" platform due to concerns about India's military presence and influence. Meanwhile, China continues to increase its investment and influence in the Maldives, further complicating the dynamic for India.he Maldives recently requested the withdrawal of Indian military personnel stationed there, sparking discussions between the two nations towards finding a "mutually workable solution". Last month, the first batch of Indian personnel exited the Maldives, with the deadline for complete withdrawal set for May.

Russia accuses Ukraine's military of attacking Zaporizhzhia nuclear plant

Moscow. Russia's nuclear power corporation, Rosatom, accused Ukraine's military on Sunday of launching a series of attacks on the Russian-held Zaporizhzhia nuclear power station and the UN's nuclear watchdog called for such incidents to cease immediately. Rosatom said three people were injured, one seriously.

Russia urged world leaders to denounce the incident. Both Russian officials and the UN's International Atomic Energy Agency said radiation levels were normal and damage not severe.A Ukrainian intelligence official said Kyiv had nothing to do with any strikes on the station, the largest in Europe, and suggested they were the work of Russians themselves.Reuters was unable immediately to verify battlefield accounts from either side.

Russian troops seized the plant in the first weeks of the February 2022 invasion of Ukraine. Each side accuses the other of attacking the plant, which lies close to the front lines of the 25-month-old conflict, and risking a nuclear disaster.A Rosatom statement said the first strike on the plant hit an area near a canteen, injuring the three staff members, but did not indicate

what weapon had been Within a half hour, it said, a drone had attacked a cargo loading area and another drone subsequently struck the dome of the sixth reactor.The statement said Rosatom "categorically denounces the unprecedented attack" and called on IAEA chief Rafael Grossi and the European Union to immediately react to the threat to safety.Russian Foreign Ministry spokeswoman Maria Zakharova urged world leaders to condemn the act of "nuclear terrorism"."How many more times must the Ukrainian military target the Zaporizhzhia plant in order for the West and that monster Zelenskyy, nurtured by them, to stop repeating this deadly act of their bloody circus?" she wrote on Telegram, referring to Ukraine's President, Volodymyr Zelenskyy.A spokesperson for Ukraine's HUR Main Intelligence Directorate, Andriy Usov, denied any involvement.

"Russian strikes, including imitation ones, on the territory of the Ukrainian nuclear power plant have long been a well known criminal practice of the invaders," he wrote on Telegram.

The IAEA, which has experts at the site, reported on social media platform X that there had been a single casualty.

"Damage at unit 6 has not compromised nuclear safety, but this is a serious incident w/ potential to undermine integrity of the reactor's containment system," the agency said.The IAEA's Grossi added there had been three "direct hits" to such structures."This cannot happen," he wrote.The nuclear plant has six Soviet-designed VVER-1000 V-320 water-cooled and water-moderated reactors containing Uranium 235, and also has spent nuclear fuel at the facility.Reactors 1, 2, 5 and 6 are in cold shutdown, while Reactor No. 3 is shut down for repair and Reactor No. 4 is in so-called hot shutdown, according to the plant.

In call with Blinken, father of killed aid worker urges tougher US stance on Israel in Gaza

WEST PALM BEACH, Fla.: When America's top diplomat called to offer condolences over the killing of his son in the Israeli airstrikes that hit a World Central Kitchen convoy delivering aid in Gaza, John Flickinger knew what he wanted to say.The grieving father told Secretary of State Antony Blinken that the killings by Israel in the Hamas-run territory must end, and that the United States needs to use its power and leverage over its closest Mideast ally to make that happen.

Flickinger's 33-year-old son, Jacob Flickinger, a dual U.S. and Canadian citizen, was among the seven humanitarian workers killed in the April 1 drone strikes."If the United States threatened to suspend aid to Israel, maybe my son would be alive today," John Flickinger told The Associated Press in describing his 30-minute conversation Saturday with Blinken.Flickinger said Blinken did not pledge any new policy actions but said the Biden administration had sent a strong message to Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu that the relationship between the United States and Israel may change if the Israeli Defense Forces do not show more care for the fate of Gaza's civilians.

"I'm hopeful that this is the last straw, that the United States will suspend aid and will take meaningful action to leverage change in the way Israel is conducting this war," John Flickinger said.Flickinger said Blinken also spoke with his son's partner, Sandy Leclerc, who is left to care for their 1-year-old son, Jasper.

In addition to Jacob Flickinger, three British nationals, an Australian, a Polish national and a Palestinian were killed in the strikes.John Flickinger described his son as "larger than life," a "loving son, a devoted dad and new father and a very loving companion to his life partner."Jacob Flickinger was remembered as a lover of the outdoors who ran survival training retreats and was involved in mountaineering, rock climbing and other adventure activities. He spent about 11 years serving in the Canadian Armed Forces, including eight months in Afghanistan.The elder Flickinger said his son knew going to Gaza was risky, but he discussed it with family members and volunteered in hopes of helping Palestinians in Gaza that aide groups say face imminent famine."He died doing what he loved, which was serving and helping others," said Flickinger, whose own nonprofit, Breakthrough Miami, exposes underrepresented students to academic opportunities and prepares them for college.World Central Kitchen representatives have said they informed the Israeli military of their movements and the presence of their convoy.Israeli officials have called the drone strikes a mistake, and on Friday the military said it dismissed two officers and reprimanded three others for their roles. The officers mishandled critical information and violated rules of engagement, the military said.

Giorgio Armani bags produced by exploited Chinese workers near Milan: Italian police

Milan Exploited Chinese workers employed in Italy by an unauthorised subcontractor made handbags and accessories for the Giorgio Armani fashion house in a series of supply chain abuses that the in-house production company failed to properly monitor, Italian police said Friday.The fashion house denied wrongdoing by GA Operations, which produces apparel, accessories and home decor for the Giorgio Armani Group brands."The company has always had control and prevention measures in place to minimise abuses in the supply chain," the Armani statement said. "GA Operations will collaborate with the utmost transparency with the competent bodies to clarify its position on the matter."According to police, GA Operations hired a subcontractor, which in turn hired unauthorised Chinese subcontractors that employed workers under the table, some of whom were in Italy illegally. They allegedly disregarded health and safety regulations as well as rules governing working hours, breaks and days off.Police said it was part of a system of caporalato, the illegal intermediation and exploitation of workers most often associated with the agricultural sector. Four Chinese factory owners face a separate criminal investigation for their role.GA Operations, meanwhile, is not under investigation, but has been placed under judicial administration for up to a year as part of a procedure to ensure legal operations, said Carabinieri Lt. Col. Loris Baldassarre.A diagram released by police indicated that the Chinese subcontractor was paid 93 euros ($100) for a handbag that the fashion house sold for around 1,800 euros (around $1950). The authorised subcontractor, acting as the middleman but without real production capabilities, was paid 250 euros for the same bag, pocketing 157 euros for each bag, police said."The system allows for maximizing profits (in which) the Chinese factory actually produces the products, lowering labour costs by resorting to off-the-books and illegal workers," police said in a statement.A video released by carabinieri shows a workshop where leather goods were being made, with two beds with blankets in an adjacent office. A second-floor dormitory, reached through a gated stairway, had a set of bunkbeds and another bd.

Israel reduces troops in southern Gaza, Egypt to host fresh ceasefire talks

Jerusalem/ Cairo. Israel said on Sunday it had withdrawn more soldiers from southern Gaza, leaving just one brigade, as it and Hamas sent teams to Egypt for fresh talks on a potential ceasefire in the six-month conflict.Israel has been reducing numbers in Gaza since the start of the year to relieve reservists and is under growing pressure from its ally Washington to improve the humanitarian situation, especially after last week's killing of seven aid workers.The military spokesperson did not give details on reasons for withdrawing soldiers or the numbers involved. But Defence Minister Yoav Gallant said the troops will be preparing for future operations in Gaza.Both Israel and Hamas, the Islamist movement that controls Gaza, confirmed they were sending delegations to Egypt.

Hamas wants any deal to bring about an end to the war and withdrawal of Israeli forces. Israel has said that, after any truce, it would topple Hamas, which is sworn to its destruction.Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said there would be no deal without a hostage release and that he would not cave to international pressure. Hamas says an agreement must include freedom of movement of residents across the Gaza Strip.

More than 250 hostages were seized and some 1,200 people killed during Hamas' October 7 attack, according to Israeli tallies. More than 33,100 Palestinians have been killed in the Israeli offensive, according to the health ministry in Gaza.Around 130 hostages are still being held in Gaza. Asked about troop withdrawals from the enclave, Israel's Chief of the General Staff Herzi Halevi told reporters that the military was adapting its methods to what has been and will be a long war.Gallant said Israel will press on with the war until Hamas no longer controls Gaza or threatens Israel as a military group."The forces are exiting and preparing for their next missions," Gallant said at a meeting with military officials, according to a statement from his office, and "also their coming mission in the Rafah area".

PALESTINIAN HOPES

Israel says an incursion into the Rafah area, near the border with Egypt, is needed to eliminate Hamas but anxious foreign

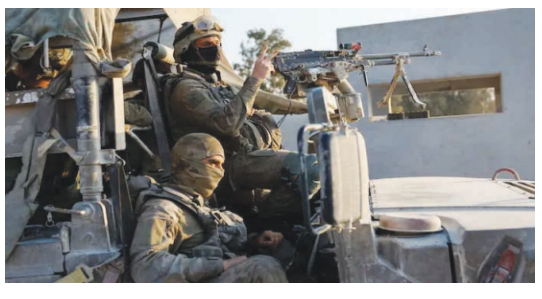

powers have said it could exact an unacceptable toll on civilians, with more than a million people sheltering there.

Israel says it will evacuate civilians before launching an incursion.Palestinian residents of the southern Gaza City of Khan Younis, which has come under Israeli bombardment in recent months, said they had seen Israeli forces leaving the centre of the city and retreating to eastern districts.Medics said they found at least 12 Palestinian bodies in the area. Some residents of Khan Younis, who had been sheltering in Rafah, began returning to their neighbourhoods after the Israeli troops left.It seems at the end it may be a happy Eid," said Imad Joudat, 55, who lives with his eight-member family in a tent in Rafah, referring to the Muslim Eid al-Fitr holiday that starts mid-week."The occupation withdrew forces from Khan Younis, the Americans are pressuring after some foreigners were killed and Egypt is holding a big round with the Americans, the Israelis, Hamas and Qatar. This time we are hopeful," Joudat told Reuters via a chat app.Israel is under increased pressure from the United States, with President Joe Biden demanding that it improve humanitarian conditions in Gaza and work towards a ceasefire, and saying that US support could depend on that.It was the first time Biden, a staunch supporter of Israel, has sought to leverage U.S. backing to influence Israeli military behaviour. The US is a major supplier of arms to Israel.

Biden has also urged the leaders of Egypt and Qatar to pressure Hamas to agree to a ceasefire and hostage deal ahead of a fresh round of talks in Cairo.

NEWS BOX

Let MS Dhoni remain a finisher, CSK need other batters to step up: Michael Clarke

New Delhi MS Dhoni is the greatest finisher the game has ever seen and contrary to demands, does not need to bat up the order, feels former Australia cricketer Michael Clarke. While speaking on Star Sports ahead of CSK vs KKR match, Clarke has opined that Dhoni should continue to be the finisher for his team and does not need to play more balls, even though the legendary cricketer showed that he was in pristine touch while batting against CSK.MS Dhoni played out a sensational innings against Delhi in their first away game in Vizag. Batting at No. 8, the 42-year-old Dhoni played a majestic cameo of 37* off just 16 balls, on a track where the likes of Shivam Dube and Ravindra Jadeja struggled. While fans demanded to see more of Dhoni in what could be his final season in the Indian Premier League, former cricketers Sanjau Manjrekar and Michael Clarke felt that the veteran should stick to his position.Which means he will have to come ahead of somebody like a Daryl Mitchell, Ravindra Jadeja or Shivam Dube. Is that the right call? I Wonder. May be not. I want him to replicate what he did last season. Few balls and maximum impact. And even in that match, when he got 30-odd, he got it in 16-17 balls. MS Dhoni's strengths likes in his wicketkeeping, being a guide to Ruturaj and

his cameos. Sending him at No. 3 or No. 4 may not be such a great idea," Sanjay Manjrekar said while speaking on Star Sports.Speaking on the same panel Clarke said that it was time that the youngsters in the CSK side stepped up, given these were the last years of Dhoni in top tier cricket. The wicketkeeper called time on his international career after the 2019 World Cup semi-final loss against New Zealand and has only played in the IPL since.

"You are spot on, Sanjay. He doesn't need to. That's never been his role in any format of the game. There might have been occasions when he goes up the order. But, generally, he is a finisher. He is probably the best finisher the game has ever seen. So he doesn't have to change that. The other thing about having MS Dhoni in your team, that should give the players in front of him feel confident, and maybe take a few risks a little bit earlier. He has got enough jobs, and he has done it for a long period of time. It's time for other players to step up," Michael Clarke said while speaking on the same panel.

IPL 2024, CSK vs KKR preview: Fortress Chepauk in threat as in-form Knights in town

New Delhi Chennai will be looking to arrest their slide as they return home to face a highly-flying Kolkata side in a Monday evening IPL 2024 blockbuster. Things have changed for the Super Kings in the last two weeks as they have gone from looking like title contenders to mid-table dwellers as their away matches in Hyderabad and Visakhapatnam did not go according to plan. It's going to be another stiff test as the 5-time champions face Kolkata, who have made an early statement of intent in the IPL with their ruthless game so far.There is pressure on new captain Ruturaj Gaikwad as Chennai looked an ordinary side for the first time in the last few seasons during their one-sided game in Hyderabad. SunRisers deflated the spirit in the CSK camp, hammering the defending champions by 6 wickets after chasing down 166 in just 18.1 overs. The burden of expectations seems to be starting to weigh down Ruturaj as CSK have won 2 and lost 2 on the bounce. Ruturaj has been struggling to make an impact with the bat at the top, managing just 88 runs in 4 matches without a fifty yet. His opening partner, Rachin Ravindra has had two successive failures after a bright start to his IPL stint with the Super Kings.Shivam Dube and, to an extent, Ajinkya Rahane have been their best batters as the likes of Daryl Mitchell and Ravindra Jadeja have struggled for fluency. MS Dhoni

has not been willing to bat higher up the order despite showcasing vintage big-hitting prowess during their 20-run defeat to Delhi.Moeen Ali got an opportunity to play against the SunRisers, but he did not get a chance to flex his batting muscle as Ruturaj Gaikwad's captaincy came under the scanner.CSK's bowling fragility was also exposed after Matheesha Pathirana and Mustafizur Rahman were unavailable for their outing against the SunRisers on Friday. Chennai's bowling attack looked toothless as SunRisers breezed to a 166-run target. Ravindra Jadeja has been struggling to deliver with the ball for CSK this season so far, managing just a wicket in 4 matches so far. Moeen Ali might be needed to play a bigger role with the ball and CSK might think about giving a break to Mitchell, who hasn't managed to find fluency early in the season.Chennai will be looking for home comfort as they look to return to winning ways and avoid a hat-trick of losses. However, it's not going to be easy against the Knight Riders, who are looking like a well-oiled machine. Coach Chanrakant Pandit and mentor Gautam Gambhir must have enjoyed the early arrival and the time they had to get a feel of the conditions in Chepauk.Chennai need to stop Sunil Narine, who has been enjoying his revival as an opener for the Knight Riders, having smashed two fifties already in match-winning knocks. Narine was instrumental to Kolkata scoring 272 against Delhi in Vizag on April 3 and their 106-run win also saw the arrival of young Angkrish Raghuvanshi, who hit a 27-ball 54 on his IPL debut.While Shreyas Iyer and Ramandeep Singh are yet to go big in the season, the rest of the Kolkata batting unit, including finishers Andre Russell and Rinku Singh are in red-hot form.Kolkata also have the tools to trouble Chennai with the ball as Mitchell Starc is slowly, but surely, finding form while the likes of Harshit Rana and Vaibhav Arora have done wonderfully well to keep pressure on the opposition and allow the spin choke from Sunil Narine, Varun Chakravarthy and Suyash Sharma thrive in its full glory.**CSK vs KKR: HEAD-TO-HEAD**

Chennai can rely on favourable history when they host the Knight Riders on Monday. CSK have beaten KKR 18 times in 28 meetings in the IPL. They also have a terrific record at home, having beaten the 2-time champions 7 times in 10 meetings.

CSK vs KKR: PITCH CONDITIONS AND TEAM NEWS

Chennai has played host to two high-scoring games so far in IPL 2024. The slow turners at the MA Chidambaram Stadium seem to be a thing of the past. The home team will have be on top of the assessment of the pitch as KKR have all the necessary tools to tackle any kind of surface that CSK will offer on Monday. KKR's superior spin attack can trouble the Super Kings if it's a sluggish pitch at the iconic venue.CSK will be bolstered by the return of Mustafizur Rahman, who is expected to be available for selection. On the other hand, bowling coach Eric Simmons, on Sunday, confirmed that Matheesha Pathirana was rested for the game in Hyderabad as only a precautionary measure.Kolkata don't have any injury absentees, barring Nitish Rana, at the moment.

PREDICTED XIs AND IMPACT SUBS

CSK: Rachin Ravindra, Ruturaj Gaikwad, Ajinkya Rahane, Shivam Dube, Moeen Ali, Ravindra Jadeja, Sameer Rizvi, Deepak Chahar, Tushar Deshpande, Mustafizur Rahman, Matheesha Pathirana.

Tried to hit every ball: Romario Shepherd opens up on record knock vs DC

- Romario Shepherd says he was trying to hit every ball
- Romario Shepherd scored 39 runs off 10 balls vs DC
- MI beat DC by 29 runs to register 1st win of IPL 2024

New Delhi. MI batter Romario Shepherd opened up on his record-breaking cameo against DC, saying he was trying to hit every ball. Shepherd smashed 39 runs off 10 deliveries to help MI post a massive total in the first innings against DC. Mumbai posted their third highest total in the history of the Indian Premier League on the back of Shepherd's blistering knock at the Wankhede Stadium. MI went on to beat DC by 29 runs to register their first win of the 2024 season.In a video released by IPL on social media platform 'X', Shepherd spoke

to teammate Tim David and opened up about his rampaging knock against Delhi. He said he was trying to hit every ball, while lauding the crowd for being amazing. Shepherd registered the highest-ever strike-rate in an IPL innings (minimum 10 balls) as he smashed three boundaries and four sixes en route to his 10-ball 39 in Mumbai."When I went out there, you told me to keep my energy, keep my eyes on the ball and I did just that. Also, the crowd was amazing. It was fantastic. Actually, I was going for a wide ball but it came straight. So I saw it and I swung very hard. I went to the last over with a clear mindset of trying to hit every ball," said Shepherd.Meanwhile, David said he was trying to get some momentum on their side during his partnership with skipper Hardik Pandya and leave it for Shepherd to finish it off. David scored 45 runs off 21 balls, while forming a crucial 60-run stand with Pandya for the fifth wicket.

"I felt like we were working very hard to try and get some momentum, Hardik and myself. It was a crucial stage there. Luckily I got a couple off the middle of the bat and once you get some of those, you start feeling a bit better. We picked up the momentum and handed over to the big guy to finish things," said David.Following their win over DC, the five-time IPL champions will turn their attention towards RCB, with the two sides set to clash in Mumbai on Thursday, April 11.

Platform for talent: Mahanarayaman Scindia details MP Premier League plans

New Delhi. Gwalior District Cricket Association (GDCA) vice-president Mahanarayaman Scindia said on Monday that the inaugural edition of Madhya Pradesh Premier League would be launched in the next 2-3 months, detailing the opportunities it would bring to promote the sport in the state. Mahanarayaman, son of Union Minister and BJP leader Jyotiraditya Scindia, said that the T20 league will help connect business, cricket and the public and offer opportunities to budding talents to realise their dreams of playing for the state and the senior national team.We are going to make a league in Madhya Pradesh - Madhya Pradesh Premier League. There will be 5 teams. We aim to connect the business sector, sports and public together," 28-year-old Mahanarayaman Scindia told news agency PTI.The MP Premier League got the nod from the Indian cricket board (BCCI) and the league is expected to get underway in June. The GDCA will organise the T20 league under the aegis of

the Madhya Pradesh Cricket Association and the BCCI.Mahanarayaman Scindia confirmed that there would be 5 teams from different cities and districts in Madhya Pradesh and the MP Premier League would be held in a franchise-based model. Notably, the GDCA had invited expressions of interest for owning the franchises earlier in the year.

"We are trying to revive the public's enthusiasm for cricket. We want to identify players from all levels. We aim for the transition of players from the village to the national level. This T20 league will give clarity to a player as to how he would want to plan his career and then eventually aim for playing for India," he added.We also want the franchise owners and their business to offer employment to the players... Employment is very important for players to show enthusiasm. They will also be getting remuneration for playing the games," he added.Mahanarayaman Scindia also said that the inaugural edition of the Madhya Pradesh Premier League will be broadcast on national television.The matches are set to be played at the iconic Holkar Stadium in Indore and the newly-built Gwalior International Cricket Stadium.

Yash Thakur fifer seals 33-run victory for Lucknow Super Giants

CHENNAI: Half-century from Marcus Stoinis (58) and fifer (5/30) from Yash Thakur helped Lucknow Super Giants beat Gujarat Titans by 33 runs on Sunday.Chasing 164, Gujarat did get off to a good start with B Sai Sudharsan hitting the crucial boundaries. However, skipper Shubman Gill's poor run continued as he fell for 19 runs from 21 balls to Thakur. M Siddharth, once again, proved valuable in the powerplay, sending down three overs for just 20 runs.

Building on the pressure, Ravi Bishnoi took a stunning return catch to dismiss Kane Williamson and Krunal Pandya struck twice to remove Sai Sudharsan (31) and BR Sharath (2). With Krunal removing Darshan Nalkande shortly after, GT were all but out of the contest — 80/5 in 12.1 overs. From thereon, it was only a matter of time as Thakur ran through the lower order to dismiss GT for 130. The pacer finished with figures of 5/30 in 3.5 overs.

Opting to bat first, LSG lost Quinton de Kock

early. Umesh Yadav rushed de Kock with a sharp bouncer and the South African was back in the pavilion. In his next over, he removed Devdutt Padikkal. Soon, captain KL Rahul found himself doing the rescue act along with Stoinis. Rahul turned the fortunes around with consecutive boundaries off Spencer Johnson in the fourth over. Umesh, meanwhile, kept it tidy at the other end, and Gill brought back Rashid Khan to complete the powerplay. Once Noor Ahmed started from the other end, Rashid and he were applying the brakes in the run rate. With the boundaries not coming fluently, Lucknow strutted their way to 74/2 at the halfway mark. The pressure eventually caught up as Rahul fell while trying to take on Nalkande for 33 runs from 31 balls.

Meanwhile, Stoinis took Nalkande to cleaners with a tonk into the stands. In doing so, Stoinis also brought up his half-century in 40 balls. He would hit one more six off Nalkande before getting out. Ayush Badoni smashed 20 off 11 balls before getting out to Rashid. Nicholas Pooran (32 n.o) provided the late boost as LSG finished with 163/5.

IPL 2024: Delhi announce Harry Brook replacement, sign Proteas pacer Lizaad Williams

- Delhi signed Lizaad Williams at his base price of Rs 50 lakh
- Lizaad has played 4 ODIs and 11 T20Is for South Africa so far
- Delhi are rooted to the bottom of IPL points table with a lone win in 5 matches

New Delhi, Delhi ended their long wait to announce a replacement for England batting star Harry Brook, who pulled out of IPL 2024 due to personal reasons. The former finalists, on Monday, announced the signing of South Africa's express fast bowler Lizaad Williams as a replacement player.30-year-old Lizaad Williams has been in a good rhythm, having played 9 matches for the Titans in the Cricket South Africa T20 Challenge. The right-arm fast bowler picked up 15 wickets in 9 matches for the Super Kings in this year's edition of SA20. Since making his international debut in 2021, Williams has represented South Africa in two Tests, four ODIs and 11 T20 Internationals. Lizaad Williams joined

Delhi at his base price of Rs 50 lakh.Delhi were struck by a huge blow when England's batting star Harry Brook pulled out of the IPL 2024 edition. Before the start of the season, Brook confirmed that he would not be travelling to India to be part of his second IPL season. Brook was bought by the Capitals for Rs 4 crore at the auction in Dubai. Brook pulled out of IPL 2024 to be with his family after his grandmother died in February. The young batter was also not available for selection for England's Test series in India in February-March.Delhi have not had a good start to their IPL 2024 campaign, having lost 4 out of their first 5 matches. The Capitals are rooted to the bottom of the points table as their Net Run Rate took a big hit after they conceded in excess of 200 in their last two matches. Kolkata smashed 272 runs and beat Delhi by 106 runs in Vizag while Mumbai hammered 234 runs and clinched a 29-run win at the Wankhede Stadium on Sunday, April 8.

Delhi have struggled with both bat and ball, unable to find their ideal XI so far. Star pacer Anrich Norje, who returned to the IPL after recovering from a long-standing injury, has not managed to find his rhythm so far. On Sunday, he conceded 32 runs in a last-over blitz from Romario Shepherd. Nortje has conceded 215 runs, including figures of 2 for 65 and 3 for 59, in 4 matches for the Capitals so far.

Sreesanth escaped due to vacuum of law: Former Delhi CP Neeraj Kumar

New Delhi. Stakeholders have shown a distinct lack of seriousness in bringing a law against corruption in Indian sports, a reason why someone like tainted former pacer S Sreesanth got away despite strong evidence of spot-fixing against him in the 2013 IPL, former Delhi Police Commissioner Neeraj Kumar has said.Kumar, a celebrated IPS officer who served for 37 years, was in charge of Delhi Police when its Special Cell under his guidance arrested Sreesanth and fellow Rajasthan Royals cricketers Ajit Chandila and Ankit Chavan on spot-fixing charges. However, in 2019, the Supreme Court, despite ruling that there was evidence against the former India player, asked BCCI to reconsider the life ban on him. The punishment was eventually reduced to a seven-year suspension that ended in September, 2020."The case seemingly didn't go anywhere...unfortunately, there is no law (in India) to deal with corruption in cricket or corruption in sports in general," Kumar said during an exclusive interaction with PTI journalists at its headquarters here. "Even a country like Zimbabwe has specific law. Australia, New Zealand have it...in Europe, there is a law because corruption is there not just in cricket but in football, tennis, golf," said the 70-year-old.He was also associated with the Hansie Cronje match-fixing scandal in 2000 as part of CBI's investigating team. Kumar said the biggest roadblock in prosecuting corruption in sports is the absence of a law. "So many things that we do, they do not stand test of judicial scrutiny, for instance. If we say, during match-fixing, people were cheated, now the court will ask, show me one person, who is cheated, produce that person in court," he rued.Who will come to the court and say I went to a cricket match expecting fair-play and for everybody to play to his or her potential? So, in the absence of a victim, it becomes very

difficult to prove a case," Kumar explained the grey areas. In India, a law to curb the malice has been in the works since 2013. The Prevention of Sporting Fraud Bill (2013), which was tabled in Lok Sabha in 2018, had a provision for five-year imprisonment and a fine of Rs 10 lakh for those found guilty of sporting fraud, including fixing.

The bill was drafted by Justice (retd) Mukul Mudgal and was seen as a game-changer to curb match-fixing. It was to replace the 'Public Gambling Act of 1867', under which anyone indulging in betting could be fined only Rs 200 or handed three months in prison. Sreesanth is back in the mainstream and even played Ranji Trophy for Kerala before retiring from first-class cricket.

He is now seen in various Legends' Leagues and also gives expert opinion on various broadcast forums. "...court has praised the work done by the Police. The judge said special cell has done excellent work...taken great pains to expose this racket, but in absence or vacuum of law, I am not in a position to hold anyone of them guilty and sentence them. These were his exact words." Kumar, who wrote the book 'A Cop in Cricket' about his experiences handling corruption in the sport, is hopeful that the matter, which has been opened again in the Delhi High Court.

Adah Sharma

On Buying Sushant Singh Rajput's House: 'When I Had Gone To See The Place....'

Actress Adah Sharma, known for her role in The Kerala Story, was reportedly buying a flat in Mumbai's Mont Blanc Apartments, where the late actor Sushant Singh Rajput once lived. This news intrigued fans and the public in August. Sushant Singh Rajput's tragic death in 2020 shocked the nation, and his body was found in that apartment on June 14, 2020. Since then, the flat has apparently been empty. Adah has now spoken up about this news after staying quiet for some time.In an interview with Siddharth Kanan, Adah said, "For now I would just like to say that I live in everyone's hearts. There is a right time to speak. When I had gone to see the place, I got overwhelmed with the media attention. I am a private person. I love being in the public eye for my movies but I have always been private. I guard my privacy."

Adah Sharma was saddened by some comments she saw about Sushant Singh Rajput when news broke about his apartment being sold online. She felt it was wrong to talk about someone who's no more. "I also thought that it's wrong to talk about someone who is not in this world, who has done such beautiful films. I don't stand for that. He is an actor who I have great respect for so I would like to put everything where he has his respect," said Adah, adding, "I don't like people loosely commenting…I didn't like it. I read some comments about him. I mean, you can troll me but don't troll someone who is not there or doesn't have someone to speak about them. I will speak about where I live materialistically soon, but right now I am living in the hearts of millions of people, rent-free."The huge duplex 4BHK apartment at Mont Blanc Apartments offers a stunning view of the sea and covers an area of 2,500 square feet, featuring a terrace. Situated on the sixth floor of Carter Road in Mumbai's Bandra West, the apartment was advertised online by its real estate agent, Rafique Merchant, in December 2022, aiming to attract potential tenants or buyers.

Rashmika Mandanna

Drops New Photos From Her Vacation, Fans Say 'Clicked By Vijay'

Rashmika Mandanna is one of the most loved and famous celebrities. She enjoys a huge fan following. Well, today Rashmika shared a set of photos from her vacation which immediately sparked rumours that she is vacationing with her beau Vijay Deverakonda. Fans started reacting in the comment section.Taking to her Instagram handle, Rashmika shared photos wearing an oversized denim shirt with flared white pants. She is looking very pretty in casual wear. "Live everyday like it's your last! I know it sounds like one of those boring quotes… We all have bills to pay, earn our respect, achieve our goals and dreams, work hard, study hard, submit assignments before deadlines and have successful careers… Or be the 1st in our class or become a rich and wealthy person. Buy that car or buy this house or get a seat in that college or get scholarships and all of that and in the midst of trying to achieve all of this and more… we forget to do what is most important…living in the moment…," the caption read.

As soon as she shared the photos, fans reacted. One of them wrote, "Hahaha, Not Bad Vijay Is Also good Photographer.' Another wrote, "Clicked by Vijay." Many also called her pretty and beautiful.Vijay and Rashmika's dating rumours have been making headlines for a long time now. Earlier, in an exclusive interview with News18 Showsha, Rashmika shared that she's very close to Vijay.

I understand that we are actors, and the light is on us, with people wanting to know more about it. I see what is happening on social media, like watch a few videos and find it very cute, but Vijay and I don't really sit and discuss. We have a gang of 15 people and given a chance we would be playing board games with them. We are actors, but for us, our friends are equally important, and it keeps us grounded," she said.On the work front, Rashmika Mandanna is gearing up for the release of her film Pushpa 2 with Allu Arjun.

Aparshakti Khurana

Discusses Typecasting In Bollywood: 'I Was Viewed As The Goofball Character'

Aparshakti Khurana emphasizes the significance of selecting roles that prevent an actor from being pigeonholed, expressing his belief that his upcoming movie, Berlin, marks a step in that direction. Following a series of successful comedies like Stree, Pati Patni Aur Woh, and Luka Chuppi, Khurana shifted the public perception of his talents with his portrayal of the unassuming Binod Das, who transforms into the celebrated movie star Madan Kumar, in Vikramaditya Motwane's web series Jubilee. He is set to appear in the 90s-set spy thriller mystery Berlin, directed by Atul Sabharwal, with the film having its premiere at the inaugural Red Lorry Film Festival in Mumbai this past Friday.Khurana shared with PTI at the film festival, "As an actor, it's important to do films which are different from how you perceive them. The first eight-nine films of my career were back-to-back comedies. People had a goofball kind of positioning for me in their heads. I wasn't trying too hard to break that positioning or trying too hard to prove a point. I don't want to get stereotyped as an actor who only does comedy or can only do serious parts. Hence, something like Berlin, which is absolutely opposite to my overall on-screen and off-screen persona."Berlin, produced by Zee Studios and Yippee Ki Yay Motion Pictures, features a cast that includes Rahul Bose, Kabir Bedi, and Anupriya Goenka. The Red Lorry Film Festival where it premiered will wrap up on Sunday.Aparshakti Khurana is a multi-faceted Indian artist who has carved a niche for himself in the Hindi film industry with his unique blend of talent, charisma, and dedication. Born in Chandigarh into a family deeply rooted in the arts, Aparshakti made his Bollywood debut with a memorable performance in the blockbuster movie 'Dangal,' which not only showcased his acting skills but also highlighted his ability to connect with audiences. His natural flair for comedy, combined with a genuine warmth on screen, has made him a favorite among directors looking for versatile actors who can bring depth and humor to their characters. Beyond acting, Aparshakti is also known for his talents as a singer and a television host, further showcasing his diverse artistic abilities. With each new role, Aparshakti continues to prove that he is a force to be reckoned with in the entertainment.

Kangana Ranaut Takes A Dig At Alia Bhatt's National Award, Claim Netizens: 'Naraz Ho Gayi Hai...'

Kangana Ranaut has yet again taken a dig at Alia Bhatt, netizens are alleging. A video clip of Kangana, seemingly taking a dig at a nepo kid for now getting the awards that Kangana herself has in plenty, is going viral on Reddit. Netizens are of the opinion that it was a dig at Alia Bhatt's National Award for Best Actress that she received for Sanjay Leela Bhansali's Gangubai Kathiawadi.At the Times Now Summit, Kangana, who is now contesting the Lok Sabha elections from Mandi on a BJP ticket, was asked about her views on Rahul Gandhi. She said, "Main unhe waise hee dekhti hu jaise film industry ka 'raja beta'. Jaise waha unhone beti ko awards de diye. Ke kangana ko saare awards mil gaye, mujhe bhi chahiye. Ab ki baar saare awards unhi ko do. Naraz ho gayi hai yeh (I see him as just another industry insider, like a pampered child of the film industry. It's like he's given awards to his daughter. Kangana has received too many awards, I should get them too. This time, give all the awards to her. She is upset about it)."

On being asked if anyone from Bollywood wished her as she embarks on her political career, she said, "Aisa nahi hai. Bollywood se bhi log mere liye khush hai. Yeh baat alag hai ke hum jo rashtravadi log hain, hum 10-15 saal pehle shuru kiya hai. Lekin jo nepo mafia hai, unka achha khasa setup hai. Toh woh log humein dabane mein kamiyab ho jaate hai (It's not like that. People from Bollywood are also happy with me joining politics.